* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

27 सितंबर, 2023
भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 08, अंक 337

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

केंद्र का दावा, आधार दुनिया की सबसे भरोसेमंद डिजिटल आइडी। मूडीज की रिपोर्ट खारिज की।

न्यूज रील्स

सुरक्षाबलों से झड़प में 30 विद्यार्थी घायल

इंफाल। मणिपुर में मंगलवार 26 सितंबर को सुरक्षाबलों और विद्यार्थियों के बीच हुई झड़प में 30 छात्र घायल हो गये। सूत्रों के मुताबिक जुलाई से लापता दो छात्रों की हत्या के विरोध में विद्यार्थी प्रदर्शन कर रहे थे। राज्य में 23 सितंबर को मोबाइल इंटरनेट से बैन हटने के बाद दोनों छात्रों के शवों की फोटो सामने आयी थी, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

41 साल बाद भारत को घुड़सवारी में गोल्ड

हांगझोउ। 19वें एशियन गेम्स में तीसरे दिन हांगझोउ में भारत को तीसरा मेडल मिला। घुड़सवारी टीम ने मंगलवार का पहला गोल्ड मेडल दिलाया है। सुदिती ह्जेला, दिव्यकृति सिंह, हृदय छेड़ा और अनुष अगरवल्ला की जोड़ी ने इस इवेंट में 41 साल बाद देश के लिए गोल्ड जीता। भारत के एशियन गेम्स में अब 14 मेडल हो गए हैं, जिसमें तीन गोल्ड शामिल हैं।

जम्मू में एक आतंकी 8 सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने दो आतंकी मॉड्यूलों का पदार्फाश किया। जिसमें एक ऑपरेशन में उन्होंने एक आतंकवादी और उसके 5 सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं हैं। वहीं दूसरे ऑपरेशन में पुलिस ने तीन आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। ये सभी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट से जुड़े हैं। पुलिस ने इनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया।

एटीएस ने पकड़ा आइएसआइ जासूस

लखनऊ। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी एएसआइ के लिए जासूसी करने वाले एक युवक को यूपी एटीएस ने लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शैलेश कुमार उर्फ शैलैन्द्र सिंह चौहान पुत्र राजेन्द्र सिंह के रूप में हुई है। शैलेश कासगंज के पटियाली इलाके का रहने वाला है। उसके पास से सेना का फर्जी पहचान पत्र भी मिला है।

पीएम ने जी 20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम में छात्रों से पूछा

देश का माल चोरी करेंगे तो उनकी जगह कहां होगी ?

- कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी ने अपना 30 दिन का रिपोर्ट कार्ड भी दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत मंडपम में जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमने इतने बड़े इवेंट जी 20 का सफल आयोजन किया। मैं बिल्कुल हैरान नहीं हूं, क्योंकि जिस कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी युवा उठा लेता है, उसका सफल होना तय हो जाता है। आप लोगों की वजह से भारत हैपनिंग प्लेस बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझ पर लोगों को जेल में डालने का आरोप है। आप बतायें जो देश का माल चोरी करेंगे, तो जगह कहां होनी चाहिए? कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) की तरफ से आयोजित किया गया। इसमें आइआइटी, आइआइएम, एनआइटी और मेडिकल कॉलेज जैसे कई संस्थानों ने हिस्सा लिया। इसमें देशभर के विश्वविद्यालयों के लाखों छात्र एक-दूसरे से जुड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आपको पिछले 30 दिन का रिकैप देना चाहता हूं। इससे आपको नये भारत की स्पीड और स्केल दोनों का पता चलेगा। 23 अगस्त को हर कोई प्रार्थना कर रहा था कि सब ठीक रहे, कुछ गड़बड़ न हो। फिर हर किसी का चेहरा खिल गया। चंद्रयान-3 के चांद पर पहुंचने के साथ ही 23 अगस्त का दिन नेशनल स्पेस डे के नाम से अंकित हो गया। पिछले 30 दिनों में भारत की डिप्लोमेसी नयी ऊंचाई पर पहुंची है। ब्रिक्स कमेटी में भारत के प्रयास से छह नये देश शामिल हुए। हमने जी20 समिट आयोजित की। इतना बड़ा इवेंट आयोजित करना छोटी बात नहीं है। इन्हीं 30 दिनों में विश्वकर्मा योजना लांच की। पिछले हफ्ते ही संसद से महिला आरक्षण बिल पास हुआ है। एक दिन में 9 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी।

रोजगार मेले में 51 हजार नियुक्ति पत्र बांटे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 9वें रोजगार मेले के तहत 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया। ये युवा पिछले कुछ दिनों में केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों में भर्ती हुए हैं। इस मौके पर मोदी ने कहा कि पिछले नौ साल में इनोवेटिव तरीके से बड़े बदलाव हुए हैं। तकनीक का इस्तेमाल बढ़ने से भ्रष्टाचार घटा है और सुविधाएं बढ़ी हैं। ये रोजगार मेला देशभर में 46 स्थानों पर आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां से उन्होंने 45 जगहों पर मौजूद युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र सौंपा।

'अबुआ वीर दिशोम वनाधिकार अभियान' पर सीएम ने दिया निर्देश

भूमिहीन पात्र लोगों को वन पट्टा उपलब्ध कराया जाये: हेमंत सोरेन

- वनों पर निर्भर लोगों को उनका अधिकार देने के लिए अक्टूबर से मिशन मोड पर होगा काम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि झारखंड में वनों पर निर्भर लोगों को उनका अधिकार मिले, इस निमित्त राज्य में अक्टूबर से मिशन मोड में 'अबुआ वीर दिशोम वनाधिकार अभियान' के तहत वनपट्टा के लिए दावा का सृजन, स्वीकृति और वितरण किया जायेगा। उन्होंने इस अभियान को लेकर अधिकारियों को एक बेहतर कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सोच है कि वैसे व्यक्ति जिन्हें वास्तव में वन पट्टा अब तक मिल जाना चाहिए था, लेकिन नहीं मिल पाया है, उन्हें वन पट्टा उपलब्ध कराया जाये। मुख्यमंत्री मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में अनुसूचित संबंधित विभागों के साथ संयुक्त बैठक करते हुए इस संबंध में दिशा-निर्देश दिया।

मिशन मोड में वितरण करें वनपट्टा

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'अबुआ वीर दिशोम वनाधिकार अभियान' के अंतर्गत तीव्र गति से बड़ी संख्या में भूमिहीन पात्र लोगों के बीच वनपट्टा वितरण किया जाये। इस अभियान के तहत प्रक्रिया को सशक्त और पारदर्शी बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है ग्राम स्तर पर वनाधिकार समिति (एफआरसी) का गठन करना और उसे सभी आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराना। साथ ही, अनुमंडल स्तरीय वनाधिकार समिति (एसडीएलसी) और जिलास्तरीय वनाधिकार समिति (डीएलसी) का पुनर्गठन भी जल्द किया किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि राज्य में आदिवासी, मूलवासी, दलित, गरीब तथा भूमिहीनों को उनका पूरा अधिकार मिले। वनाधिकार 2006 के अंतर्गत वन क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को क्या अधिकार दिया गया है इसकी जानकारी उन तक पहुंचायी जाये। लोगों को उनके अधिकार की जानकारी मिल सके इसके लिए विभाग विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करे। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग वनाधिकार अभियान की एक बेहतर रूपरेखा तैयार कर इस अभियान को गति देने का काम करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनाधिकार कानून 2006 के तहत राज्य में वन पट्टा आवंटन कार्य को पूर्ववर्ती सरकारों ने उपेक्षित रखा। हमारी सरकार राज्य में वन क्षेत्र में जीवन यापन करने वाले लोगों के बीच वनपट्टा वितरण कर उन्हें उनका अधिकार देने का काम कर रही है। बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सहायक उत्पाद आयुक्त अरविंद कुजूर हुए सस्पेंड

- दुकान में बेची जा रही नकली शराब पर नहीं दिया स्पष्टीकरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बोकारो में नकली शराब बेचे जाने की शिकायत मिलने के बाद उत्पाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए सहायक उत्पाद आयुक्त अरविंद कुजूर को सस्पेंड कर दिया है। अरविंद कुजूर फिलहाल हजारीबाग में तैनात है। बोकारो में पोस्टिग के दौरान नकली शराब बेचने का आरोप लगा था। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। आदेश में बताया गया है कि बीते 27 जून को बोकारो जिला के सदर अंचल में संचालित खुदरा उत्पाद दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तीनों दुकानों में नकली शराब बरामद की गयी। इस संबंध में सहायक आयुक्त उत्पाद अरविंद कुजूर से दो बार स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया। कुजूर की ओर से दिया गया स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया। इसके बाद विभाग ने अरविंद कुजूर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में अरविंद कुजुर मुख्यालय पर प्रमंडलीय आयुक्त का कार्यालय संथाल परगना दुमका में योगदान देंगे।

गौरतलब है कि रांची के तत्कालीन सहायक आयुक्त अरविंद कुजूर अक्सर विवादों में रहे हैं। मार्च 2014 में एसीबी की टीम ने उत्पाद विभाग के दारोगा विश्वनाथ राम और सिपाही रामलखन राय को गिरफ्तार किया था। दोनों ने अपने बयान में आरोप लगाया था कि उन्होंने सहायक आयुक्त कुजूर के लिए 40 हजार रुपये घूस लिये थे। इस आधार पर निगरानी ने कुजूर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। छापेमारी के दौरान कुजूर के कार्यालय से पिस्का मोड़ स्थित विदेशी शराब के दुकानदार प्रवीण कुमार का परमिट निगरानी ने बरामद किया था। वहीं घूस की राशि के साथ दारोगा और सिपाही की गिरफ्तारी आयुक्त कार्यालय से की गयी थी।

सीएम हेमंत सोरेन को इडी का पांचवां समन

- 4 अक्टूबर को पेश होने का निर्देश

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की ओर से पांचवां समन जारी किया गया है। इडी ने उन्हें 4 अक्टूबर को हाजिर होने का निर्देश दिया है। चौथा समन जारी कर इडी ने उन्हें 23 सितंबर को रांची के जोनल कार्यालय में पेश होने को कहा था, लेकिन वे हाजिर नहीं हुए थे। गौरतलब है कि इडी ने 14 अगस्त को जब पहली बार हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले में समन भेजा था, तब उन्होंने कहा था कि यह पूरा मामला राजनीति से प्रेरित है। उन्हें फंसाने की कोशिश की जा रही है। इडी को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इडी से आग्रह किया था कि वह अपना समन वापस ले ले, नहीं तो वह कानूनी रास्ता अपनायेंगे। इसके बाद इडी ने हेमंत सोरेन को फिर समन भेजा। मुख्यमंत्री ने इडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वह हाइकोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं। कोर्ट से उन्होंने इडी के समन को निरस्त करने का आग्रह किया है।

दिल्ली में 22 देशों के आर्मी चीफ की कांफ्रेंस

प्रशांत क्षेत्र में शांति से समाधान चाहता है भारत: थल सेना प्रमुख

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडेय ने कहा है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र (इंडो-पैसिफिक) में भारत शांति के साथ हर मसले का हल चाहता है। हम बल प्रयोग से बचने और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन पर जोर देते हैं। हम सभी देशों की संप्रुभता और अखंडता को बनाये रखना चाहते हैं। थल सेना प्रमुख मंगलवार को दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित इंडो-पैसिफिक आर्मी चीफ्स कांफ्रेंस में बोल रहे थे।

जनरल पांडेय ने चीन का नाम लिये बिना कहा कि हम किसी भी तरह के विवाद का शंतिपूर्ण हल चाहते हैं। इसके लिए सभी देशों के बीच बातचीत होनी चाहिए। लड़ाई से इसका समाधान नहीं हो सकता। इस मौके पर अमेरिका के आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज ने कहा कि

दुनिया में युद्ध का तरीका बदल रहा है। कांफ्रेंस में शामिल देशों के बीच सैन्य समेत हर स्तर पर सहयोग मजबूत करना होगा। एक-दूसरे के साथ विश्वास बढ़ाना होगा। हमारी एकता-प्रतिबद्धता से संबंध और गहरे होते चले जायेंगे। सम्मेलन में कनाडा के डिप्टी आर्मी चीफ मेजर जनरल पीटर स्कॉट ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान से अवगत हूं। सरकार का रुख, भारत के साथ जांच में भाग लेने और सहयोग करने का अनुरोध है लेकिन वास्तव में यहां इंडो-पैसिफिक सम्मेलन में उस मुद्दे को हम पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा। सही मायने में हम सेना से लेकर सेना तक संबंध बनाने के लिए यहां पर मौजूद हैं और हम अपनी-अपनी सरकारो (भारत-कनाडा) को उस मुद्दे से स्वयं निपटने देंगे।

गौरतलब है कि इंडो-पैसिफिक आर्मी चीफ्स कांफ्रेंस का आयोजन भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाएं मिल कर कर रही हैं। सेना और नेवी की यह दुनिया की सबसे बड़ी कांफ्रेंस है। मानेकशॉ सेंटर में 25 सितंबर से शुरू हुए इस कांफ्रेंस में अमेरिका और कनाडा समेत 22 देशों के आर्मी चीफ 27 सितंबर तक रहेंगे। इस कांफ्रेंस का मकसद आपसी समझ, संवाद और मित्रता के माध्यम से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
No 1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 55,500 रु./10 ग्राम
चांदी 73,000 रु./प्रति किलो

मध्यप्रदेश में भाजपा ने अपनाया 'जीतो और जिताओ' का फार्मूला

▪ प्रत्याशियों की दूसरी सूची के सहारे पार्टी ने साध लिये कई समीकरण

▪ केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को उतार कर बड़ा खेल खेला है पार्टी ने

आजाद सिपाही विशेष

मध्यप्रदेश में भाजपा ने विधानसभा उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर सभी को चौंका दिया है। कुल 39 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गयी है, जिनमें तीन केंद्रीय मंत्री समेत सात सांसद हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा ने अपने चार सांसदों में से तीन को कांग्रेस के कब्जे वाली सीट पर उतारा है, जिसका मतलब यही निकाला जा सकता है कि पार्टी इस बार 'जीतो और जिताओ' के फार्मूले पर काम कर रही है। पार्टी ने संगठन के लिए काम कर रहे दिग्गज महासचिव सह सांसद कैलाश विजयवर्गीय को भी राज्य की राजनीति में वापस जाने को कहा है, जबकि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की भी राज्य में वापसी हो रही है। पार्टी ने 17 अगस्त को 39 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर भी संकेत दिया था कि इस बार वह मध्यप्रदेश को जीतने के लिए किसी तरह का खतरा मोल लेने के मूड में नहीं है। इसके अलावा भाजपा ने बड़े चेहरों को विधानसभा चुनाव में उतार कर क्षेत्रीय और जातिगत समीकरण साधने की कोशिश भी की है। यही वजह है कि महाकौशल क्षेत्र की दो सीटों पर दो बड़े ओबीसी चेहरों को चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया है। इस सूची से साफ संकेत मिले हैं कि मोदी-शाह ने मध्यप्रदेश में चुनावी रणनीति में नया प्रयोग किया है। भाजपा नेतृत्व द्वारा जारी इस सूची से यह भी साफ हो गया है कि पार्टी लोकसभा चुनाव की भी तैयारी कर रहा है। जिन सांसदों को विधानसभा का टिकट दिया गया है, वे एक ही सीट से लोकसभा का चुनाव लगातार लड़ते आये हैं। पार्टी अब नये चेहरों को मौका देना चाहती है। यह भी संभव है कि लोकसभा चुनाव में विधायकों को उतार दिया जाये। ऐसे में विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों में लोकल स्तर पर एंटी इनकंबेंसी को दूर किया जा सकता है। भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी सूची का राजनीतिक विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

मध्यप्रदेश भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची में जिन 39 प्रत्याशियों को उतारा है, उनमें तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत सात सांसद हैं। इस सूची में तीन विधायकों के टिकट भी काटे गये हैं। इनमें मैहर से नारायण त्रिपाठी, सीधी से केदारनाथ शुक्ला और नरसिंहपुर से जालम सिंह पटेल शामिल हैं। वहीं 31 नये चेहरों पर दांव लगाया गया है। इनमें 37 साल से लेकर 72 साल के उम्मीदवार शामिल हैं। इस सूची के जारी होने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष की आवाजें भी उठ रही हैं, लेकिन इस सूची के अपने सियासी मायने हैं। भाजपा ने इस सूची के सहारे कई समीकरण साध लिये हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि पार्टी मध्यप्रदेश को जीतने के लिए हर खतरा उठायेगी। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है कि भाजपा ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस को चौतरफा घेरने के लिए काफी सटीक दांव चला है। मुख्यमंत्री पद के सारे दावेदारों को उतार भाजपा ने यह साफ संदेश दे दिया है कि सभी अपने क्षेत्र को जीतें और जितायें। भाजपा की इस सूची से साफ हो गया है कि मध्यप्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव बेहद रोमांचक होगा। 230 विधानसभा सीटों के लिए भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला रोचक होगा। इस समय मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है और प्रदेश की बागडोर शिवराज सिंह चौहान के हाथों में है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल का दौरा कर प्रदेश में पार्टी की संभावनाओं में चार चांद लगा दिये हैं। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं को मनोबल बढ़ा है।

दूसरी सूची में कौन-कौन शामिल?

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने केंद्रीय मंत्रियों और बड़े नेताओं को उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतारा है। सभी अपने-अपने गढ़ से चुनाव लड़ कर जीत का परचम लहराने के लिए तैयार हैं। इस सूची में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर (ग्वालियर-चंबल), प्रह्लाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते, लोकसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह (महाकौशल), राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय

(मालवांचल) का नाम शामिल है। भाजपा ने इस बार छह महिलाओं को भी टिकट दिया है। वहीं दूसरी सूची में गणेश सिंह, राव उदय प्रताप सिंह और रीति पाठक का नाम भी शामिल है।

सीएम का चेहरा घोषित किये बिना लड़ेगी भाजपा

भाजपा इस बार मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किये बिना विधानसभा चुनाव लड़ रही है। हालांकि चुनावी मैदान में सभी बड़े चेहरों को मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल माना ही जाता है। भाजपा अगर विधानसभा चुनाव जीत जाती है, तो इससे लोकसभा चुनाव का रास्ता भी साफ हो जायेगा। भाजपा की दूसरी सूची में केंद्रीय मंत्रियों सहित कुल सात सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारना उसकी लोकसभा की तैयारी की एक झलक पेश करता है।

भाजपा का एक तीर से दो निशाने

भाजपा ने एक तीर से दो निशाने लगाये हैं। संभावना यह है कि आनेवाली सूची में कुछ अन्य सांसदों को भी विधानसभा चुनाव का टिकट दिया जा सकता है। वहीं भाजपा ने इस बार मैहर के विधायक नारायण त्रिपाठी, आदिवासी पेशाब कांड से विवाद में आये केदार शुक्ल और जालम सिंह पटेल को टिकट नहीं दिया है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को दिमनी से प्रत्याशी बनाया गया है। इंदौर-एक सीट से भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को प्रत्याशी बनाया गया है। इस बार वरिष्ठ नेताओं में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह को भी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ाया जा रहा है। सिंह जबलपुर लोकसभा क्षेत्र से चार बार के सांसद हैं।

क्षेत्रीय और जातीय समीकरण

चार सांसदों और तीन केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाने के पीछे एक वजह क्षेत्रीय और जातीय समीकरण भी है। महाकौशल में भाजपा बड़े ओबीसी चेहरे के तौर पर प्रह्लाद पटेल और राकेश सिंह को प्रोजेक्ट करेगी। पटेल का नरसिंहपुर, सिवनी और बालाघाट में प्रभाव है, जबकि राकेश सिंह की जबलपुर के अलावा कटनी में पकड़ मजबूत है। इसी तरह सांसद गणेश सिंह को पिछड़ा वर्ग का बड़ा चेहरा माना जाता है।

लोकसभा चुनावों में यह फैक्टर उनकी जीत में बड़ी भूमिका निभाता आया है। सीधी से रीति पाठक को टिकट देकर भाजपा ब्राह्मण वोटरों पर अपनी पकड़ बनाये रखना चाहती है, जो पेशाब कांड की वजह से छिटकता दिख रहा था। विंध्य क्षेत्र में 30 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 23 सीटें ऐसी हैं, जहां ब्राह्मणों की आबादी 30 फीसदी के करीब है। इस बार के टिकट में यदि जातीय समीकरण देखा जाये, तो आठ ठाकुर, सात ब्राह्मण, दो बनिया, छह अति पिछड़ा वर्ग और 14 रिजर्व को लोगों को टिकट दिया गया है। वहीं लैंगिक विश्लेषण करें तो छह महिला और 33 पुरुषों को टिकट दिया गया है। इस प्रकार भाजपा ने मध्यप्रदेश में अब तक 78 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है।

दूसरे राज्यों के लिए भी अहम संदेश

मध्यप्रदेश चुनाव के लिए जारी उम्मीदवारों की सूची का दूरगामी संदेश यह है कि भाजपा दूसरे राज्यों में भी इस बार यही फार्मूला अपनाने जा रही है। वह अब चुनाव बाद की रणनीति के बदले सीधे चुनाव जीतने की रणनीति अपना रही है। इसके लिए पार्टी अब बड़े से बड़ा बलिदान देने से नहीं चूकेगी। मध्यप्रदेश का यह फार्मूला कितना कारगर होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता है।

आदिवासी हितों के लिए अपना सब कुछ झोंक देनेवाले एक राजनेता का सुझाव

पेसा कानून को अंतिम रूप देना क्रांतिकारी कदम, जल्द लागू करे सरकार : बंधु तिर्की

▪ जमीन से जुड़े हजारों लोगों के संघर्ष के बाद अब करम परब पर लाखों चेहरे पर मुस्कान, खुशी लौटने का भरोसा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में यदि किसी को ऐसे राजनेताओं की सूची बनाने को कहा जाये, जिसने आदिवासी हितों के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, तो उसमें एक प्रमुख नाम बंधु तिर्की का जरूर होगा, क्योंकि यह नाम झारखंड की राजनीति में ही नहीं, सामाजिक कार्यों में भी प्रमुख स्थान पर है। मांडर के पूर्व विधायक और झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की का आदिवासी हितों के मुद्दों पर स्टैंड हमेशा से अलग रहा है। बंधु तिर्की ने झारखंड में पेसा कानून लागू करने समेत दूसरे आदिवासी मुद्दों पर न केवल ठोस स्टैंड लिया, बल्कि उन मुद्दों के लिए निर्णायक लड़ाई भी लड़ी। इस क्रम में उन्होंने बड़ी-बड़ी रैलियां कीं, आक्रामक तरीके से आदिवासी हितों को जनमुद्दा बनाने की खातिर वह जेल तक गये। बंधु तिर्की ने झारखंड सरकार द्वारा पेसा कानून को अंतिम रूप दिये जाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे क्रांतिकारी कदम करार दिया है।

क्या कहा है बंधु तिर्की ने

झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखंड सरकार द्वारा पेसा कानून को अंतिम रूप देना वैसा क्रांतिकारी कदम है, जो प्रदेश के जमीनी हालात और यहां के गांवों की तस्वीर बदलने के साथ ही ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान लौटाने में सफल होगा। उन्होंने करम परब के अवसर पर झारखंड वासियों को दिये गये पेसा कानून के उपहार के लिए सकारात्मक, मजबूत और निर्णायक कदम उठाने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस की देन है पेसा कानून

बंधु ने कहा कि राजीव गांधी के कारण ही पंचायती राज कानून लागू हुआ था, जिससे ग्रामीणों को उनका अधिकार मिला और पेसा कानून भी कांग्रेस की ही देन है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों और पारंपरिक ग्राम सभाओं के अधिकारों को लेकर विरोधाभास था, जिसका आदिवासियों द्वारा विरोध किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही पांचवीं अनुसूची के तहत आनेवाले क्षेत्रों के लिए 1996 में पेसा कानून बनाया था। इसके बाद सभी संबंधित राज्यों को इससे संबंधित कानून एक साल के अंदर बनाना था, पर भाजपा शासित राज्यों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही हमेशा से ग्रामीणों, आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों आदि के कल्याण के प्रति समर्पित रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा महत्वपूर्ण कदम उठाना केवल कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार के बस की ही बात थी, अन्यथा जिस भारतीय जनता पार्टी ने 15 नवंबर 2000 को झारखंड गठन के बाद से अब तक लगभग 23 साल के कार्यकाल में अधिकांश समय तक शासन किया, वह आम जन की इस आकांक्षा को जरूर पूरा करती, लेकिन भाजपा मूलतः वैसे तत्वों की पार्टी है, जो आम लोगों एवं ग्रामीणों का केवल शोषण करना ही जानती है। इसीलिए भाजपा सरकारों के शासनकाल में ऐसा कानून बना ही नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यदि पंचायती राज अधिनियम लागू भी किया, तो उसमें पांचवीं अनुसूची की अवहेलना की।

पेसा कानून की कई खूबियां हैं

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि पेसा कानून के संदर्भ में सरकार का सबसे महत्वपूर्ण कदम यह रहा कि उसने पिछले 31 अगस्त तक आम जनता एवं संगठनों से आपत्तियां एवं सुझाव की मांग की थी और उसके अनुरूप उसने व्यावहारिक सुझावों को भी इस पेसा कानून में शामिल किया है, जो प्रशंसनीय कदम है। उन्होंने कहा कि इस कानून में अनेक वैसे प्रावधान हैं, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध पर नियंत्रण लगेगा। साथ ही लोगों में आपसी सहयोग, सामंजस्य एवं सद्भावना की वृद्धि होगी। तिर्की के अनुसार इस कानून के कारण वैसे तत्वों के रास्ते में रुकावटें खड़ी होंगी, जो ग्रामीणों को दिग्भ्रमित कर उनकी जमीन आदि को धोखे से अपने नाम करवा लेते हैं। उन्होंने कहा कि गांव के पारंपरिक प्रधान मानकी, मुंडा, मांझी, परगना, दिउरी, डोकलो, सोहरो, पड़हा राजा जैसे पारंपरिक प्रधान को अधिकार सौंपना वैसा सही कदम है, जिससे झारखंड को उसका पुराना स्वाभिमान लौटाने में सहायता मिलेगी। इससे न केवल झारखंड में विकास एवं स्वाभिमान को सही स्थान मिलेगा, बल्कि पूरे देश में इस प्रदेश की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया यह शक्तिशाली एवं क्रांतिकारी कदम है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधों पर लगेगी लगाम

श्री तिर्की ने कहा कि वैसे तो आइपीसी की कुल 36 धाराओं के तहत अपराध करने वालों पर न्यूनतम 10 रुपये से लेकर अधिकतम एक हजार रुपये तक के दंड का प्रावधान है और मोटे तौर पर देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने, जीव-जंतुओं के साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार, अश्लील काम करने, अश्लील गाना बजाने, धार्मिक भावनाओं को भड़काने या उसे ठेस पहुंचाने, दंगा-फसाद, चोरी करने, छल-कपट, जीव-जंतु को मारने या विकलांग करने, मानहानि, खोटे बाट का इस्तेमाल, जबरन काम कराने, लोक शांति भंग करने आदि पर दंडित करने का अधिकार ग्राम सभा को होगा, लेकिन वास्तविकता यह है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सभी तरह के अपराधों पर नियंत्रण लगेगा।

शुरू से ही किया गया आंदोलन

श्री तिर्की ने कहा कि पेसा कानून को लागू करवाने की मांग करते हुए उन्होंने पूरे झारखंड में सैकड़ों रैलियां की थीं। उनके साथ ही अनेक लोगों को जेल की प्रताड़ना सहनी पड़ी। झारखंड गठन के तत्काल बाद उनके द्वारा पेसा कानून को लागू करने के लिए तीव्र आंदोलन किया गया। पारंपरिक शासन व्यवस्था को लागू करने के लिए सैकड़ों रैलियां एवं जनसभाएं की गयी थीं। आंदोलन के तहत सेंदरा सगाड़ (रथ) निकाला गया था, जिसकी यात्रा पूरे झारखंड में हुई। उन्होंने कहा कि आज 23 साल बाद उनके मन में जो प्रसन्नता है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

श्री तिर्की ने कहा कि पेसा कानून की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सही रास्ते पर चलते हुए आय अर्जित करने और असामाजिक गतिविधियों से बचने पर नियंत्रण लगेगा, क्योंकि अनेक अपराध के दोषी व्यक्तियों को दंडित करने का उसे अधिकार होगा, लेकिन प्राकृतिक जल स्त्रोतों के प्रबंधन के साथ ही गैर इमारती वन प्रबंधन के संदर्भ में निर्णय लेने का पेसा कानून का प्रावधान वस्तुतः क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल की सकारात्मक सहमति पेसा कानून को प्राप्त होगी, जिससे इस कानून को जल्द से जल्द जमीनी स्तर पर इसका व्यावहारिक लाभ न केवल आदिवासियों या मूलवासियों, बल्कि झारखंड के सभी लोगों को मिलेगा और जमीन की लूट रुकेगी।

कौन हैं बंधु तिर्की

वर्ष 2001 में नये बने झारखंड के डोमिसाइल आंदोलन में किसी धूमकेतु की तरह सियासत के आकाश में एक नाम चर्चित हुआ और वह था बंधु तिर्की का। झारखंड के मूलवासियों के हितों के लिए रांची के बाहरी इलाके बनहौरा का यह नौजवान सूट-बूट छोड़ कर खादी के कपड़ों में नजर आने लगा और देखते-देखते ही डोमिसाइल आंदोलन का मुख्य किरदार बन गया। इससे पहले हालांकि एकीकृत बिहार में राजद से जुड़ कर बंधु तिर्की राजनीति में आ गये थे, लेकिन उन्हें पहचान इसी आंदोलन से मिली। इसके बाद से तो वह झारखंड की सियासत में एक प्रमुख किरदार बन गये। 2009 में मांडर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक चुने गये। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से मिल जाता है कि उन्हें चुनाव लड़ने के लिए ग्रामीणों ने प्रोत्साहित भी किया और मदद भी की। चुनाव जीतने के बाद वह राज्य के शिक्षा और खेल मंत्री बने। उनकी लोकप्रियता बहुतों को रास नहीं आयी और उन्हें जेल भी भिजवाया, लेकिन उनकी लोकप्रियता कभी कम नहीं हुई। 2014 में वह चुनाव तो हार गये, लेकिन लगातार आदिवासी हितों के लिए संघर्ष करते रहे,

समस्याओं के निदान के लिए जूझते रहे। विधायक नहीं रहने के बावजूद वह लोगों के साथ जुड़े रहे। उनके चेहरे या काम करने के तरीके में कोई बदलाव नहीं हुआ। चाहे किसी को मदद की जरूरत हो या बच्चे के नामांकन में दिक्कत हो रही हो, बंधु ने हमेशा मदद का हाथ बढ़ाया। इसका पुरस्कार उन्हें 2019 में मिला, जब वह मांडर से एक बार फिर विधायक चुने गये। 2022 में उन्हें अदालती फैसले के कारण विधायक पद से हटा दिया गया, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार है। उन्होंने आदिवासी हित में कभी समझौता नहीं किया।

आदिवासी संस्कृति के बड़े पैरोकार

बंधु तिर्की ने ऐसे नेता हैं, जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। यही कारण है कि उनकी छवि लगातार निखरती गयी। इसके अलावा आदिवासी संस्कृति की पहचान धुमकुड़िया के निर्माण के लिए उन्होंने जिस तरह की सक्रियता दिखायी है, उसकी चौतरफा तारीफ हो रही है। आज भी बंधु तिर्की सुबह अपने आवास से निकलते हैं और देर रात को ही लौटते हैं। कोरोना काल में उन्होंने लोगों की जितनी मदद की है, वह सराहनीय है। पढ़ाई हो या शादी, इलाज हो या श्राद्ध, बंधु तिर्की हमेशा लोगों की उम्मीदों के केंद्र में रहते हैं। वह काम में राजनीति को आड़े नहीं आने देते। पिछले महीने उन्होंने जब इटकी यक्ष्मा आरोग्यशाला को एम्स के रूप में विकसित करने की मांग की, तो उन्होंने तमाम राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता भुला कर स्थानीय सांसदों और भाजपा के केंद्रीय नेताओं को पत्र भेजा। मांडर की विकास योजनाओं के लिए वह किसी भी दल के नेता के पास पहुंचते हैं और उनका यही गुण उन्हें दूसरों से अलग करता है। लोग भी उनसे बगैर किसी झिझक के मिलते हैं और यह बताता है कि वह सभी उम्र और वर्ग के लोगों में समान रूप से लोकप्रिय हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	32.0 °C	22.5 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.43 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.39 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 27 सितंबर, 2023
www.azadsipahi.in
03

करम डाली विसर्जन के दौरान पांच बच्चों की डूबने से मौत, एक युवक की करंट ने ली जान

आजाद सिपाही संवाददाता

चौपारण/महुदा। प्रकृति पर्व करम के बाद डाली विसर्जन के दौरान झारखंड में दो दुखद घटनाएं हुई हैं। पहली घटना हजारीबाग जिले के चौपारण की है, जहां विसर्जन के दौरान तीन बच्चियों की नदी में डूबने से मौत हो गयी। वहीं दूसरी घटना धनबाद के बाघमारा थाना क्षेत्र की है, वहां भी करम डाली विसर्जन के दौरान दो बच्चे नदी में डूब गये। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे इलाके में शोक की लहर है।

चौपारण में तीन बच्चियों की मौत : हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड अंतर्गत ओबरा गांव की कुछ बच्चियां मंगलवार को करम डाली का विसर्जन करने

बड़ाकर नदी गयी थीं। इस दौरान नदी की तेज धार में छह बच्चियां बह गयीं। स्थानीय लोगों ने किसी तरह तीन को बाहर निकाल लिया, लेकिन तीन बच्चियां नदी में बह गयीं। जानकारी के अनुसार बच्चियां गांव की अन्य महिलाओं के साथ नदी में करम डाली प्रवाहित करने गयीं थीं। इसी बीच पैर फिसल गया और वे पानी की धार में चली गयीं। घटना की सूचना के बाद प्रशासनिक अमला घटनास्थल पर पहुंचा। गोताखोरों की टीम को बुलाया गया।

करम डाली विसर्जन के दौरान, पांच बच्चे डूबे, दो की मौत

महुदा (धनबाद)। बाघमारा थाना के माटिगढ़ क्षेत्र अंतर्गत जमुनिया नदी में करम डाली विसर्जन के दौरान दो बच्चे की डूबने से मौत हो गयी। मृतकों की पहचान देवराज कुमार (10 वर्ष) तथा सलोनी कुमारी (14 वर्ष) के रूप में हुई है। बताते चलें कि पांच बच्चे करम डाली विसर्जन के लिए नदी गये थे। इसी दौरान पांचों डूबने लगे। तीन बच्चे किसी तरह सुरक्षित बाहर निकला गये। लेकिन दो बच्चों की डूबने से मौत हो गयी। हालांकि आनन-फानन में परिजन दोनों को बीसीसीएल क्षेत्रीय अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर बाघमारा विधायक ढुलू महतो एवं बाघमारा पुलिस मौके पर पहुंचा। इस दौरान विधायक ने आपदा प्रबंधन से मृतक के परिजनों को मुवाबजा दिलवाने का आश्वासन दिया। विधायक ने बीसीसीएल पर जमुनिया नदी सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। वहीं इस घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना से पूरे इलाके में शोक है। इधर, पुलिस ने सोनाली कुमारी का शव पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया, जबकि देवराज के शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए उनके परिजन तैयार नहीं हुए। इस मामले में पुलिस ने यूडी केस दर्ज किया है।

करमा पूजा के दौरान लगातार घटी घटनाएं

बता दें कि इस साल झारखंड में करमा पूजा के दौरान लगातार घटनाएं हो रही हैं। मंगलवार को करम डाली विसर्जन के दौरान डूबने से पांच बच्चों की मौत हो गयी। वहीं सोमवार को गिरिडीह में करम के लिए फूल लाने तालाब गये युवक की भी डूबने से मौत हो गयी थी। इससे पहले गिरिडीह में ही करम जावा उठाने गयीं चार बच्चियों की तालाब में डूबने मौत हो गयी।

करम डाली में आया करंट, युवक की मौत

मंगलवार को ही कोडरमा में भी करम पर्व के बाद एक हादसा हो गया। जिला के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत डोंगोडीह में करम पूजा के दौरान दो युवक करंट की चपेट में आ गये। इस घटना में एक की मौत हो गयी, जबकि एक की स्थिति गंभीर है। जानकारी के मुताबिक करम डाली में करंट आ गया था, जिससे दोनों चपेट में आ गये।

गुमला की 25 आदिवासी छात्राएं एक्सपोजर विजिट के लिए इसरो रवाना

गुमला। जिले के एकलव्य, कस्तूरबा गांधी और आश्रम विद्यालय की 25 आदिवासी छात्राएं मंगलवार को एक्सपोजर विजिट के लिए चेन्नई के श्रीहरिकोटा स्थित इसरो रवाना हुईं। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी सहित उप विकास आयुक्त हेमंत सती, एसडीओ सदर रवि जैन, डीसीएलआर सुषमा नीलम सोरेंग और जिला शिक्षा अधीक्षक डॉ मोहम्मद वसीम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा कर छात्राओं के बस को समाहरणालय परिसर से रवाना किया। छात्राएं वहां वैज्ञानिकों से चंद्रयान-3 से संबंधित विशेष तथ्यों की जानकारी प्राप्त करेंगी। यह पहली बार है कि गुमला जिले की आदिवासी छात्राओं को इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट के लिए इसरो भेजा जा रहा है।

हेमंत सोरेन सरकार में 77000 करोड़ का घोटाला: जफर इस्लाम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने हेमंत सोरेन सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने हेमंत सोरेन को झारखंड में करप्शन के स्लीपर सेल का इंचार्ज बताया है। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में 77000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। कहा कि हेमंत सोरेन के आका दिल्ली और पटना में बैठे हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, लालू यादव, नीतीश कुमार, मल्लिकार्जुन खड़गे आदि सभी के सहयोग से इस प्रदेश की संपत्ति लूटी जा रही है और संपत्ति का बंटवारा भी किया जा रहा है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि घमंडिया गठबंधन ने 2004 से 2014 तक देश की संपत्ति को लूटा। 2014 के बाद जब उनकी सरकार चली गयी, तब उन्होंने करप्शन के स्लीपर सेल को ढूंढ़ना प्रारंभ किया। स्लीपर सेल उन्हें वैसे प्रदेशों में मिले, जहां उनकी गठबंधन की सरकार है। झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार के साथ मिल कर उन्होंने लूटपाट शुरू की। पूरे झारखंड में करप्शन हो रहा है। झारखंड में अधिकारी और बिचौलिये मिल कर करप्शन कर रहे हैं। सभी के तार हेमंत सोरेन से जुड़े हैं। चाहे माइंस

- आरोपः करप्शन स्लीपर सेल के इंचार्ज हैं हेमंत सोरेन
- इस महालूट में अधिकारी और बिचौलिये भी शामिल
- हेमंत सोरेन जितना चाहे भाग लें, उनकी जगह सलाखों में

घोटाला हो, मनरेगा घोटाला हो, ट्रांसफर पोस्टिंग घोटाला हो, रूलर डेवलपमेंट घोटाला हो, सभी के कनेक्शन कहीं ना कहीं करप्शन के स्लीपर सेल के इंचार्ज हेमंत सोरेन से जुड़ते हैं। इस करप्शन में इनके वित्त मंत्री, रूलर डेवलपमेंट मंत्री सहित कई अधिकारी और बिचौलिये शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि मनरेगा, कोल आवंटन, अवैध खनन, लैंड स्कैम आदि घोटाले ने झारखंड को कलंकित किया है। हेमंत सोरेन ने अपना, अपने पिता आदि का नाम बदल कर भूमि घोटाला किया है। इसके सारे दस्तावेज पार्टी के पास मौजूद हैं। फायरिंग रेंज के बगल में 100 एक-ड़ का जमीन घोटाला किया गया है। इसके अलावा कई संपत्तियां हैं। सीबीआइ को 108 संपत्ति का ब्यौरा इन्होंने दिया है। कई संपत्तियों को ये खुद भूल गये हैं। राज्य के कई जिले के ये नागरिक बने हुए हैं। वह जहां जिस जिले में जाते हैं, वही से इनकी रजिस्ट्री हो जाती है। हेमंत सोरेन सरकार ने जनता के साथ धोखा किया है। कांग्रेस और राजद के साथ मिल कर प्रदेश को लूट रहे हैं। इसके अलावा पूजा सिंघल, पंकज मिश्रा, अमित अग्रवाल, वीरेंद्र राम, मनीष रंजन, विष्णु अग्रवाल, छवि रंजन, राजीव अरुण एक्का (जो ट्रांसफर पोस्टिंग में एक्सपर्ट हैं), विशाल चौधरी, योगेंद्र तिवारी, विनय चौबे, रमेश कई ऐसे नाम हैं, जो प्रदेश में महालूट में शामिल हैं। इनमें से कई का शराब घोटाले में बड़ा रोल है। मनोज कुमार आइएएस की पोस्टिंग में लाखों का खेल हुआ। मनीष रंजन का इसमें बड़ा रोल है। अविनाश कुमार की दलालों को बॉडीगार्ड उपलब्ध कराने में संलिप्तता है। हेमंत सोरेन इडी के सवालों से जितना भी भागना चाहें, भाग लें, परंतु उनकी जगह सलाखों में है। झारखंड में जमीर बिकते हैं, फरमान बिकते हैं, दाम लगाओ तो इमान बिकते हैं कहावत पूरी तरह सटीक बैठती है। कहीं भी किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं है। भारतीय जनता पार्टी उनको बताना चाहती है कि वे लोग जितना भी भाग लें कामयाब नहीं होंगे, आज नहीं तो कल आप लोगों को सलाखों के पीछे जाना होगा, क्योंकि आपने करप्शन किया है। भारतीय जनता पार्टी जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर चल रही है। घमंडिया गठबंधन में शामिल झारखंड के करप्शन के स्लीपर सेल के इंचार्ज आम जनता की बजाय गठबंधन के दिल्ली में बैठे आकाओं के हितकारी हैं। तहकीकात जारी है। आगे कई चीजें सामने आयेगी। एजेंसी अपना काम कर रही है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि 2014 के बाद देश में एक नारा बहुत मजबूती से बुलंद हुआ कि मोदी है तो मुमकिन है। नौ साल के कार्यकाल में नरेंद्र मोदी ने इसे बार-बार साबित किया है। महिला आरक्षण अब ख्वाब नहीं, हकीकत बन गया है। 27 साल से जो मामला लटका हुआ था, सभी विपक्षी पार्टियों ने महिलाओं को गुमराह करने और छलने का काम किया। मोदी सरकार ने इस गारंटी को पूरा कर इतिहास रच दिया। इसके लिए पूरे देश की महिलाएं नरेंद्र मोदी की आभारी हैं। जैसे घर को चलाने के लिए महिलाओं का अमूल्य योगदान होता है, उसी प्रकार देश में भी उनकी भागीदारी आवश्यक है। कांग्रेस ने महिलाओं को 70 साल तक गुमराह किया, महिलाओं की चिंता नहीं की। पीएम ने जो वादा किया, उसे निभाया। 26 जून 1998 में अटल जी की सरकार में, 22 नवंबर 1999 में, 2002 और 2003 में हमने कोशिश की, परंतु विपक्ष की रुकावट के कारण हम कामयाब नहीं हो पाये।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी आम महिला, आम जनता को मजबूत नहीं किया। कांग्रेस ने अगर मजबूत किया तो इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी को। वहीं हेमंत सोरेन तो इससे एक कदम और आगे निकल गये और उनकी सरकार ने तो घोटाले करने वाली पूजा सिंघल जैसी महिला को मजबूत करने का काम किया। पूजा सिंघल इस लूट की आर्किटेक्ट हैं। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और प्रदेश सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

हेमंत ला रहे पेशा कानून, भयभीत है भाजपा: सुप्रियो

- इसका डर अब भाजपा और उसके कॉरपोरेट साथियों को अभी से सताने लगा है
- भाजपा के प्रवक्ता अब इडी के भी प्रवक्ता बन गये हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नया पेसा कानून लाने जा रहे हैं। एक बार फिर से जल, जंगल और जमीन पर अधिकार ग्रामसभा का हो जायेगा। इसका डर अब भाजपा और उसके कॉरपोरेट साथियों को सताने लगा है। भाजपा के मित्रों और कॉरपोरेट जगत का जंगल और जमीन में प्रवेश थम जायेगा। इससे पूरी भाजपा भयभीत है। क्योंकि भाजपा कभी नहीं चाहती है कि आदिवासी, दलित, किसान, गरीब, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार मिले। इसके कारण भाजपा के लोग डरे हुए हैं। उक्त बातें मंगलवार को श्री भट्टाचार्य ने झामुमो प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। श्री भट्टाचार्य ने कहा कि राजनीतिक रूप से तो हमसे मुकाबला नहीं कर सकते हैं, इसलिए कभी जांच एजेंसियों तो कभी अपने बड़बोले नेताओं के द्वारा अनाप-शनाप बुलवाते रहते हैं। इन सब कारणों से दिल्ली के निशाने पर झारखंड और झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आ गये हैं। लेकिन हम लोग इससे भयभीत होनेवाले नहीं हैं। जनता सभी का जवाब देगी। 2024 का चुनाव आनेवाला है।

बाबूलाल अपनी भाषा और शब्द चयन पर लगाम लगायें

भट्टाचार्य ने कहा कि कल ही करम बीता है, बाबूलाल जी झारखंड की सभ्यता-संस्कृति और परंपरा से भलीभांति परिचित हैं। इसलिए वह अपना संस्कार न भूलें। अपनी भाषा और शब्द चयन पर लगाम लगायें। एक विस्थापित पूर्व सीएम एक स्थापित सीएम हेमंत सोरेन को जानवर कह रहे हैं। उनकी पार्टी के सांसद और नेता भाग हेमंत सोरेन भाग आदि शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह कहां की परंपरा और सभ्यता है। बाबूलाल और उनके नेता तो भाजपा सांसद बिधूड़ी की भाषा बोलने लगे हैं। बड़ी अजीब बात है कि एक केंद्रीय मंत्री संसद में बयान देती है कि मेरी बात सुनो और मानो, नहीं तो इडी और सीबीआइ लगा देंगे। इसका मतलब क्या है। मतलब साफ है कि भाजपा और केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विरोधियों को अपने पक्ष में करने के लिए कर रही है।

भाजपा की ही याचिका में 16 गलतियां

उन्होंने याचिका में त्रुटि पर बताया कि एक केस रिट पिटीशन जो 5888/20 2020 का है, उसे 10.11.2020 को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा झारखंड विधानसभा के स्पीकर को पार्टी बना कर फाइल किया गया। इसमें हाइकोर्ट ने 16 त्रुटियां गिनायीं। लेकिन हम लोगों ने इस पर कुछ बोला नहीं क्योंकि यह स्वाभाविक है। उन्हीं के नेता बाबूलाल मरांडी ने 12.11.2020 को स्पीकर के खिलाफ एक रिट पिटिशन 5911 फाइल करते हैं। उसमें भी तीन आपत्तियां हैं। इसमें पहली आपत्ति पेज नंबर 28 से 35 में है। दूसरी आपत्ति पेज नंबर 43, 45, 46 और 59 में है। ये जो चीजें है वो सामान्य हैं। अब इस पर ऐसी कौन सी बात हो गयी कि एक सीएम के बारे में दूसरा पूर्व मुख्यमंत्री किस भाषा का प्रयोग करने लगते हैं। स्थापित मुख्यमंत्री को विस्थापित मुख्यमंत्री तुलना करते हैं। एक अदना सा आदमी कहता है कि समय खरीद रहा है। भाग रहे हैं। ये कौन सी नयी भाषा है। भट्टाचार्य ने कहा कि आज कल हर आवेदन डिजिटल इंडिया के माध्यम से किया जाता है। इसी तरह से हाइकोर्ट में भी ऑनलाइन आवेदन किया जाता है, जिसमें कई तरह की प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां रह जाती हैं, हो जाती हैं। यह सामान्य प्रक्रिया है। भाजपा के लोग इसे प्रचार करते हुए एक मुख्यमंत्री पर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा के प्रवक्ता अब इडी के प्रवक्ता भी बन गये हैं क्या।

नवनिर्वाचित विधायक बेबी देवी ने ली विधानसभा की सदस्यता, कहा-

डुमरी को जिला बनाने की होगी पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डुमरी से निर्वाचित विधायक एवं मंत्री बेबी देवी ने मंगलवार को विधानसभा की सदस्यता ली।

विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने स्पीकर कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। स्पीकर ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बेबी देवी ने अपने दिवंगत पति

स्व जगरनाथ महतो को याद करते हुए कहा कि वे उनके सपनों को पूरा करने के लिए और झारखंड की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। बेबी देवी ने डुमरी के विकास के लिए अलग से ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि डुमरी उनकी प्राथमिकता में था और आगे भी रहेगा। कहा कि डुमरी को जिला बनाने का प्रयास करेंगी। इसके लिए वे सीएम हेमंत सोरेन से बात करने वाली हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डुमरी से उनके समर्थक पहुंचे थे।

कुरमी को एसटी में शामिल करने को लेकर कोई प्रस्ताव नहीं है केंद्र के पास: अर्जुन मुंडा

- केंद्रीय मंत्री ने कहा, राजनीतिक फायदे के लिए उत्पन्न किया जा रहा विवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि कुरमी को एसटी सूची में शामिल करने को लेकर कोई प्रस्ताव या फाइल केंद्र सरकार के पास नहीं है। राजनीतिक फायदे के लिए राज्य सरकार विवाद उत्पन्न कर रही है।

147 युवाओं के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण

मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटा गया। इसे लेकर रांची के सीसीएल दरभंगा हाउस समेत देशभर के 40 संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित था। सीसीएल दरभंगा हाउस में जिन 147 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटा गया, उनमें मुख्य रूप से डाक विभाग, भारतीय लेखा, बैंक, डॉक्टर्स और उच्च शिक्षा विभाग शामिल हैं।

अर्जुन मुंडा और संजय सेठ ने दी बधाई

मौके पर मौजूद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और रांची सांसद संजय सेठ ने नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्हें काफी खुशी हो रही है। लंबे इंतजार के बाद उन्हें नौकरी मिली है। अब ईमानदारी पूर्वक काम करेंगे।

सीएम हेमंत सोरेन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आयोजित जनसभा में साधा निशाना

धनबाद एसपी बन गये हैं वसूली एजेंट: बाबूलाल मरांडी

- धनबाद सहित पूरे झारखंड में कानून व्यवस्था चौपट, भ्रष्टाचार चरम पर

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि धनबाद सहित पूरे झारखंड में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। भ्रष्टाचार चरम पर है। राज्य सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। झारखंड में बेहिसाब अपराध बढ़ा है। धनबाद में एसपी हैं। सबका प्रमोशन हो गया, परंतु

वसूली करने के लिए इनका प्रमोशन नहीं हुआ। धनबाद जिले के एसपी वसूली एजेंट बन गये हैं। यहां के एसपी अपराधियों के साथ मिल कर रंगदारी वसूल रहे हैं। जनता से लूटे गये पैसों से कोर्ट-कचहरी का खर्चा निकल रहा है। पलामू में पदस्थापन के दौरान इनके एक कारनामे से हमने पत्र लिख कर सरकार को अवगत कराया, परंतु सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ा। वैसे दागी अधिकारी को धनबाद जैसे जिला में सरकार पदस्थापित करके रखी है, तो दाल में कुछ न कुछ काला जरूर है। यह तो राज्य की स्थिति है, फिर कैसे कानून व्यवस्था ठीक होगी। श्री मरांडी मंगलवार को संकल्प यात्रा के तहत निरसा विधानसभा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा की सरकार में अपराधी खौफ खाते हैं : श्री मरांडी ने कहा कि सरकार का काम होता है कानून व्यवस्था ठीक कराना, लेकिन आज झारखंड में क्या हो रहा है किसी से छुपा नहीं है। यहां प्रत्येक दिन चोरी, डकैती, लूट, अपहरण, हत्या यहां तक कि बहू-बेटियों की इज्जत-आबरू भी सुरक्षित नहीं रह गयी है। आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हुई।

उन्होंने कहा कि जब झारखंड में भाजपा की सरकार होती है तो अपराधी खौफ खाते हैं झारखंड से भाग खड़े होते हैं, लेकिन जब राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनती है तो अपराधी बेखौफ होकर अपराध करते हैं आखिर पुलिस करती क्या है ?

पुलिस का काम है चोरों को पकड़ना, अपराधियों को पकड़ना, उनको जेल में डालना ,उनको सजा दिलाना, लेकिन हेमंत सोरेन ने पुलिस को वसूली में लगा रखा है। चाहे कोयला की वसूली हो, नदी से बालू की वसूली हो अगर आप हरा-हरा नोट देंगे तो आपको छोड़ेंगे नहीं तो आप कोर्ट से जमानत कराओ। घर बनाने के लिए बालू पर भी लोगों को आफत है। देश की चिंता करने वाले, किसानों, गरीबों, महिलाओं की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हम सबों को भी खड़ा होना होगा। यही आपसे आग्रह करने आया हूं। हम सबको मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकना है। यही संकल्प लेकर आप सभी जायें।

रांची हिंसा मामला में 3 अक्टूबर को हाइकोर्ट में सुनवाई

रांची। झारखंड हाइकोर्ट में रांची हिंसा की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर अब 3 अक्टूबर को सुनवाई होगी। पिछली सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार से अपटूडेट स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। यह मामला मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, लेकिन इस मामले की सुनवाई टल गयी। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच में इस मामले की सुनवाई हो रही है। उम्मीद की जा रही है कि अगली सुनवाई के दिन अदालत इस जनहित याचिका पर अपना फैसला सुनायेगा।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
विद्युत/क.वि. विभाग के लिये खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सं.: TRD/OT/08/TR/ GCCIC/2023-24

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि: (i) Dhanbad Division: TRR(P) 47.876 TKM (ii) TBR 9 TKM & TBR (Turnouts) - 10 sets (iii) CTR (S/P)-33.087 (iv) CS+CMSC - 34 stes, TWS+WCMSC - 24 sets, CS-6 FS+CS+CMSC - 3 sets, TTR(TSR) - 176 sets, SEJs - 31 Nos. & Glued Joints - 222 sets. कार्य समापन की अवधि – (06) छः माह, 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि: रु. 83,48,151.72, निविदा प्रपत्र का मूल्य–शून्य/– 3. बीड सिक्युरिटि: रु. 1,67,000/– 4. ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय: ई-निविदा बंद होने की तिथि 17.10.2023 को 11:00 बजे, ई-निविदा खुलने की तिथि 17.10.2023 को 11:30 बजे, 5. वेबसाइट का विवरण: वेबसाइट: www.ireps.gov.in ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क.वि. / पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/01246/डीएएन/ईटीआरडी/टी/23-24/36

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 27 सितंबर, 2023
www.azadsipahi.in
04

सीएम ने नेतरहाट इको रिट्रीट की तैयारी की समीक्षा की

पसंदीदा पर्यटन राज्य के रूप में विकसित करना लक्ष्य:हेमंत

कहा- इको रिट्रीट फेस्टिवल कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक जोड़ने का प्रयास करें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि नेतरहाट इको रिट्रीट-2023 के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करना है, ताकि झारखंड को पसंदीदा पर्यटन राज्य के रूप में पहचान मिल सके। नेतरहाट इको-रिट्रीट फेस्टिवल पर्यटकों के लिए आकर्षक, सुंदर और निवेश की संभावनाओं वाला झारखंड के बारे में जानने का एक शानदार अवसर है। मुख्यमंत्री मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में अधिकारियों के साथ नेतरहाट इको रिट्रीट-2023 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से आयोजन की तैयारी की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इको रिट्रीट फेस्टिवल का उद्देश्य पर्यटकों के साथ-साथ निजी क्षेत्रों को भी यहां निवेश के लिए आकर्षित करना है। यह आयोजन राज्य में पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में भी मदद करेगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि इस इको रिट्रीट फेस्टिवल कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक जोड़ने का प्रयास करें। नेतरहाट पर्यटन स्थल आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुए निजी घरों को सुसज्जित करने का भी कार्य करें। रोड कनेक्टिविटी, बिजली, पौध रोपण आदि कार्यों को दुरूस्त करें। हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में शामिल होनेवाले सभी मेहमान पर्यटकों का पूरा ख्याल रखें। सभी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये। पर्यटकों को झारखंड की कला-संस्कृति, रहन-सहन से रूबरू करायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेतरहाट में चिल्ड्रेन एक्टिविटी की सारी सुविधाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने विभाग के पदाधिकारी को निर्देश दिया कि नेतरहाट में स्थायी रूप से चिल्ड्रेन पार्क की स्थापना करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इको रिट्रीट फेस्टिवल्स के दौरान हेल्थ इमरजेंसी को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर के साथ-साथ पूरी मेडिकल टीम की व्यवस्था भी दुरुस्त रखें।

28 सितंबर को सुर साम्राज्ञी लता मंगेश्कर का जन्मदिन

एक संगीतमय शाम लता के नाम आयोजित होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नेहा प्रसाद।

वीणा श्री।

रांची। 28 सितंबर को सुर साम्राज्ञी लता मंगेश्कर का जन्मदिन है। इस अवसर पर संगीत सरिता संस्था की ओर से राजधानी रांची में एक संगीतमय शाम लता के नाम का आयोजन होगा। यह जानकारी संस्था की फाउंडर सह समाजसेवी नेहा प्रसाद और सिंगर सह आर्टिस्ट वीणाश्री ने दी।

उन्होंने बताया कि 28 सितंबर (गुरुवार) को रांची के लालपुर स्थित सिटी पैलेस होटल में स्वर सामग्री लता मंगेश्कर के जन्मदिन पर उन्हें याद किया जायेगा, साथ ही सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। बता दें कि अपनी मधुर आवाज से पिछले कई दशक से संगीत के खजाने में नयी मोती भरने वाली लता मंगेश्कर 28 सितंबर 1929 को इंदौर में मशहूर संगीतकार दीनानाथ मंगेश्कर के यहां पैदा हुईं। उन्होंने अपनी आवाज से देश में संगीत को एक अलग दिशा दी। देश को कोई वर्ग ऐसा नहीं है, जो लता जी की गीतों को गुनगुनाता नहीं है। आज भी देश का जब कोई व्यक्ति उनके जरा याद करो कुर्बानी की सुनता है, तो उसकी आंखों में आंसू आ जाते हैं। लता जी ने सब समय देश हित को सर्वोपरि रखा। यही कारण है कि देश के तमाम सम्मान से उन्हें नवाजा गया। वह जहां भी जाती थीं, उनके सम्मान में लोग खड़े हो जाया करते थे। आज भी देश में उनके करोड़ों में फालोअर्स हैं। उनके गाये गानों को गाकर कलाकार खुद को सम्मानित महसूस करते हैं।

ऐसी सुर साम्राज्ञी लता जी को याद करने के लिए ही सरिता संस्था की ओर से विशेष आयोजन हो रहा है। इस कार्यक्रम में राजधानी रांची के नामचीन कलाकार, राजनेता और उनके समर्थकों ने आने की सहमति प्रदान की है। सचमुच में यह कार्यक्रम लता जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भाजमो की बैठक हजारीबाग में आज

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय जनतंत्र मोर्चा की कोर कमेटी की बैठक बुधवार को हजारीबाग में रखी गयी है। संगठन विस्तार और आनेवाले लोकसभा, विधानसभा के चुनाव पर चर्चा होगी। इस बैठक में कोर कमेटी के सभी सदस्य शामिल होंगे। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि बैठक में पार्टी के संरक्षक सरयू राय भी शामिल होंगे। इसमें बदलते राजनीतिक हालात पर भी चर्चा होगी। इसके पश्चात होटल कैनरी इन में प्रेस को संबोधित किया जायेगा।

महत्वपूर्ण न्यूज

झारखंड बचाओ मोर्चा के आंदोलन का ही नतीजा है पेसा नियमावली :विजय शंकर नायक

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड बचाओ मोर्चा के केंद्रीय संयोजक विजय शंकर नायक ने कहा कि सिर्फ पेसा कानून की नियमावली 2022 बनाने से राज्य के आदिवासी मूलवासी समाज का भला नहीं होनेवाला है। इसके लिए हेमंत सोरेन सरकार को अपनी प्रतिबद्धता और संकल्प व्यक्त कर कैबिनेट से पास करा कर अधिसूचना जारी करनी होगी, तभी पेसा अधिनियम को लागू कर ग्रामसभा को मजबूत कर सपनों को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विधायक लोबिन हेंब्रम के संघर्ष और झारखंड बचाओ मोर्चा के द्वारा किये गये आंदोलन का ही नतीजा है कि पंचायती राज विभाग के अधिकारी एवं पदाधिकारियों ने दिन-रात एक कर इस नियमावली को तैयार किया। इसके लिए झारखंड बचाओ मोर्चा उन्हें साधुवाद देता है।

राज्य सरकार पेसा कानून को अपने अधीनस्थ लेकर कमजोर करना चाहती है: ललित कुमार महतो

रांची (आजाद सिपाही)। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन आजसू (बृहद झारखंड) के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष ललित कुमार महतो ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार पेसा कानून को अपने अधीनस्थ लेकर कमजोर करना चाहती है। पंचायती राज अधिनियम अलग है और पेसा कानून अलग है। ग्रामसभा का निर्णय टीएसी के माध्यम से राज्यपाल के पास जाना चाहिए न कि सरकार के किसी विभाग के पास। पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में त्रिस्तरीय (पंचायती) चुनाव का कोई मतलब नहीं है। अबुआ दिसुम अबुआ राज का जो सपना था, वहीं पेसा कानून ही पूर्णत: लागू होने पर होगा। पेसा कानून का दायरा राज्य सरकार घटा बढ़ा नहीं सकती है, और न ही कोई संशोधन कर सकती है। राज्य सरकार अपने हित में काम कर रही है, उसे झारखंडियों का हित/आदिवासियों का हित में काम करना चाहिए। दिलीप सिंह भूरिया (तत्कालीन सांसद) के नेतृत्व में जो रिपोर्ट बनी थी, उसके आधार पर ही पेसा कानून पारित किया गया था। उससे छेड़छाड़ उचित नहीं है। झारखंडवासियों को जागृत होना जरूरी है, वरना सारे कानून ध्वस्त होते जायेंगे। जिस प्रकार झारखंड स्वशासी परिषद में शिबू सोरेन ठगाये थे, उसी तरह इस कानून को राज्य सरकार अपने तरीके से लागू करके झारखंडियों को गुब्बारा (धोखा) देने का काम किया है।

बंदी रिमिश गुड़िया की रिम्स में मौत

रांची (आजाद सिपाही)। पोक्सो एक्ट केसजावार बंदी रिमिश गुड़िया (60 वर्षीय) की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गयी। मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम किया गया। साथ ही पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करायी गयी। रिमिश गुड़िया खूंटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम डिंबूकेल नीचे टोली का रहनेवाला था। 17 अगस्त को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में अचानक उसकी तबीयत खराब हो गयी थी, जिसके बाद उसे रिम्स रेफर किया गया था। यहां इलाज के दौरान कैदी की मौत हो गयी। जेल अधीक्षक ने रिम्स अधीक्षक से मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का आग्रह किया था।

कुड़मी समाज के दावे के खिलाफ आदिवासी संगठनों ने टीआरआइ निदेशक को ज्ञापन सौंपा

रांची (आजाद सिपाही)। कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल नहीं करने की मांग को लेकर आदिवासी समन्वय समिति और संयुक्त आदिवासी सामाजिक संगठन के तत्वावधान में एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान के निदेशक डॉ रणेंद्र से मिला और ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने कुड़मी/ कुरमी जाति के आदिवासी बनने के दावे को गलत दिया। कहा कि टीआरआइ की रिपोर्ट बार-बार खारिज होना, कलकत्ता हाइकोर्ट सहित अन्य न्यायालय द्वारा खारिज किया जाना, सभी गजेटियर इसके खिलाफ होना साबित करता है कि यह जाति किसी भी दृष्टिकोण से आदिवासी हो ही नहीं सकती है। प्रतिनिधिमंडल में आदिवासी समन्वय समिति झारखंड के लक्ष्मी नारायण मुंडा, सुनील टोप्पो, संयुक्त आदिवासी सामाजिक संगठन के सुधीर किस्कू, माणिक सरदार, बुध्देश्वर टुडू, जगदीश सरदार, ललित सरदार शामिल थे।

श्रीकृष्ण विकास परिषद एक अक्टूबर को मनायेगा शौर्य शक्ति दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। श्रीकृष्ण विकास परिषद 1 अक्टूबर को यादव महासभा का शताब्दी वर्ष पुराना विधानसभा हॉल में शौर्य शक्ति दिवस के रूप में मनायेगा। इस संबंध में मंगलवार को श्रीकृष्ण विकास परिषद के प्रमुख सदस्यों का महत्वपूर्ण बैठक हटिया रेलवे मार्केट स्थित कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के मुख्य संरक्षक कैलाश यादव ने की। बैठक में निर्णय हुआ कि यादव महासभा के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी समारोह सम्मेलन के उपलक्ष्य में भव्य रूप से शौर्य शक्ति दिवस के रूप में मनाया जायेगा। सम्मेलन 1 अक्टूबर को पुराना विधानसभा सभागार में आयोजित होगा। कैलाश यादव ने कहा कि यादव महासभा का सौ वर्ष पूर्ण होना गौरव की बात है। कार्यक्रम में राज्यभर से यादव समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद, विधायक सहित सामाजिक संगठनों के लोग भी उपस्थित रहेंगे।बैठक में प्रमुख रूप से महासचिव नंदन यादव, सुरेश राय, रामकुमार यादव, राजकिशोर सिंह यादव, मैनेजर राय, कन्हैया सिंह,चंदन यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अल्पसंख्यक आयोग के नव नियुक्त सदस्य ने पदभार संभाला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के नव नियुक्त सदस्य डॉ एम तौसीफ ने मंगलवार को धुर्वा स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण किया।

तौसीफ ने कहा कि जो जिम्मेदारी दी गयी है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। बिहार, बंगाल और दूसरे राज्यों में की तर्ज पर झारखंड में काम किया जायेगा। अल्पसंख्यकों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास के लिए इनोवेटिव तरीके के साथ प्रयास किया जायेगा।

इस दौरान झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष सरदार ज्योति सिंह माथारू, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, विनय सिन्हा, शांतनु मिश्रा, सुनील सिंह, हुसैन अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

जो पसमांदा समाज के हक अधिकार की बात करेगा, समाज का पूरा मत उसे मिलेगा: पसमांदा मुस्लिम यूनाइटेड काउंसिल

कहा-झारखंड में मुसलमानों के हालात काफी बिगड़े हुए हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पसमांदा मुस्लिम यूनाइटेड काउंसिल भारत के सदस्य, अंसारी महापंचायत एवं लोकप्रिय समता पार्टी पटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष वसीम नैयर अंसारी ने कहा कि पसमांदा समाज को उचित भागीदारी नहीं मिली है। केंद्र सरकार से मांग है कि अनुच्छेद 341 एवं 342 पर लगे संविधान विरोधी धार्मिक प्रतिबंध को समाप्त कर मुस्लिम व इसाई के साथ हो रहे धर्म आधारित पक्षपात समाप्त किया जाये। उक्त बातें मंगलवार को रांची के करमटोली स्थित प्रेस क्लब के सभागार में पत्रकारों से बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में जो पार्टी पसमांदा समाज के हक अधिकार की बात करेगी, सिर्फ बात ही नहीं उसे कर के दिखाना होगा। समाज का पूरा मत उसे मिलेगा। पसमांदा मुस्लिम यूनाइटेड काउंसिल भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने कहा कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर ने सभी को हमेशा साथ लेकर चले। दबे कुलचे, दलितों, शोषितों के आवाज बन कर चले। हर एक को उसका अधिकार दिलाया। इस दिनों झारखंड में मुसलमानों के हालात काफी बिगड़े हुए हैं। समाज को इसपर विचार करना होगा। वसीम नैयर अंसारी ने कहा कि पसमांदा समाज को जो भी पार्टी उचित प्रतिनिधित्व देगा समाज उसके साथ होगा। पसमांदा समाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का स्वागत करती है। प्रधानमंत्री को एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए। समाज को उसका हक और अधिकार दिलाये। इस मौके पर मौलाना तौफीक अहमद कादरी, मो जकी इनाम, अनवर खान, मो नसीम, अब्दुल हसीब अध्यक्ष एराकिया पंचायत, शोएब अंसारी, प्रो शकील अंसारी, इम्तियाज अहमद, मो जबीउल्लाह, महमूद आलम, शहाबुद्दीन अंसारी पटना, यासीन अंसारी, चंद्रवंशी गया, युनुस अंसारी गया, मधु मंसूरी, सोहेल अख्तर गब्बर, मो मेराज, एहतेशाम अली, शहनाज खान, नुसरत परवीन, शाहीन मरयम, नसरत परवीन, मो आलम रामगढ़, कारी फैसल जमाली बोकारो, मास्टर मुजम्मिल सहित अन्य मौजूद थे।

30 सितंबर को आयेगा तारा शाहदेव मामले का फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव उत्पीड़न मामले में बचाव पक्ष की ओर से सीबीआइ कोर्ट में लिखित बहस की कॉपी जमा की गयी है। शनिवार को हुई अंतिम सुनवाई में सीबीआइ के स्पेशल जस्टिस पीके शर्मा ने कहा था कि अगर बचाव पक्ष (आरोपी रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल) लिखित बहस कोर्ट में देना चाहते हैं, तो दे सकते हैं। मंगलवार को आरोपी रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की ओर से लिखित बहस की कॉपी सीबीआइ कोर्ट में जमा की गयी। सीबीआइ कोर्ट ने शनिवार को ही फैसले की तारीख 30 सितंबर को तय कर दी है।

भाजपा के रोजगार मेले में की गयी घोषणा, होटलों के कमरों की संख्या की तरह है : डॉ हेमलाल मेहता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो के रांची जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू ने कहा कि भाजपा द्वारा मंगलवार को आयोजित रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र बांटा जा रहा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी तक नौ लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। लकीर के फकीर भाजपा के लोग ना खाता ना बही जो बोले मोदी वही सही। प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी जी ने कहा था साधुवाद देता हूं। उनके सभी भक्तों ने साधुवाद कहना शुरू कर दिया। आज केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी कहां पीछे रहते, उन्होंने भी कह दिया कि आपने सुना नहीं अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने कहा कि नौ लाख से अधिक नौकरियां दी जा चुकी हैं। डॉ मेहता ने कहा कि रोजगार मेला में एकाएक नौ लाख से ऊपर लोगों की नौकरियां दी गयीं, जबकि जनता पहले कभी नहीं सुनी थी कि कभी 5000, 10000 आदि क्रम से बढ़ा हो। आज एकाएक भाजपाइयों के मुख से सुनने को मिलता कि नौ लाख से अधिक नौकरियां दी जा चुकी हैं। यह तो वैसा ही लगता है जैसे कि होटल में कमरों की संख्या 101 से शुरू होती है और 201, 301, 401 के क्रम में बढ़ती है। इस तरह से सभी चीजें भारतीय जनता पार्टी की संख्या लाखों से ही शुरू होती है जैसे एक लाख एक से बढ़ कर तुरंत नौ लाख से ऊपर चली जाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की 2024 में जनता भी इसी तरह की गिनती शुरू करेगी।

बलबीर दत्त की पुस्तक 'भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र' का विमोचन

पूरी प्रमाणिकता के साथ लिखी गयी है पुस्तक : हरिवंश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक बलबीर दत्त की पुस्तक 'भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र' का विमोचन सोमवार को राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने किया। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस पुस्तक का विमोचन चेंबर भवन में किया गया।

पुस्तक का विमोचन करते हुए हरिवंश ने कहा कि भारत विभाजन पर कई पुस्तकें लिखी गयी हैं, लेकिन बलबीर ने इस पुस्तक में कई नयी तथा रोचक जानकारियों का समावेश किया है। काफी शोध, मेहनत तथा लगन से इस पुस्तक की रचना की गयी है। यह पुस्तक अतीत, वर्तमान और भविष्य को प्रभावित करती है। इस पुस्तक में तथ्यों की पूरी प्रमाणिकता है।

उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी बलबीर की कई पुस्तकों यथा कहानी झारखंड आंदोलन की, सफरनामा पाकिस्तान आदि प्रकाशित हुई है, जो काफी रोचक तथा सरल शैली में लिखी गयी हैं। आज की पीढ़ी के पत्रकारों को इनसे सीखना चाहिए। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने अतीत की बेहतर समझ होनी चाहिए। पाकिस्तान के वर्तमान हालात की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत से नफरत के वजूद पर ही पाकिस्तान टिका है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि विभाजन का दंश वही समझ सकता है, जो खुद भुक्तभोगी हो। हमने और बलबीर ने विभाजन का दंश झेला है। राज्यसभा सांसद और लेखिका डॉ महुआ माजी ने कहा कि पूर्वी पाकिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान टूटे जरूर, लेकिन जड़ें एक हैं। धर्म से कुछ नहीं होता, बल्कि संस्कृति और भाषा मायने रखती है।

विशिष्ट अतिथि महुआ माजी ने पुस्तक की चर्चा करते हुए पूर्वी पाकिस्तान पर पश्चिमी पाकिस्तान द्वारा किये गये जुल्मों की याद दिलायी। उन्होंने इस त्रासदी को याद करते हुए कहा कि जब देश का बंटवारा हुआ, तब वह सात साल की थीं। कितने लोग मारे गये, उन्हें यह याद है। उन्होंने खालिस्तान की चर्चा करते हुए गुरु नानक और बाबर के प्रसंग सुनाये। कृति चर्चा स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, रांची विश्वविद्यालय के निदेशक विनोद कुमार ने की। स्वागत भाषण प्रभात प्रकाशन के निदेशक पीयूष कुमार ने किया। मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ. निवास चंद्र ठाकुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रबंध निदेशक रोहित दत्त ने किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार अशोक प्रियदर्शी, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, अजय मारू, पद्मश्री मुकुंद नायक, अनुज सिन्हा, कुणाल अजमानी, रोशन लाल भाटिया, कुमार मनीष अरविंद, गुरविंदर सिंह सेठी, सुनील सिंह बादल समेत बड़ी संख्या में शहर के जाने-माने लोग उपस्थित थे।

झारखंड हाइकोर्ट का आदेश

राज्य के सभी थानों को सीसीटीवी से लैस करें

डीजीपी तीन महीने में आदेश का पालन करें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने अपने एक फैसले में डीजीपी को निर्देश दिया है कि राज्य के सभी थानों को पूरी तरह से सीसीटीवी से लैस किया जाये। इसके साथ ही अदालत ने डीजीपी को यह भी निर्देश दिया है कि ऐसी व्यवस्था की जाये, जिससे थाना में लगे सीसीटीवी का डाटा 18 महीने तक स्टोर रहे। हाइकोर्ट ने प्रॉपर्टी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और शौभिक बनर्जी एवं अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया है। इस मामले में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अजय

शाह और कुमार ऋषभ ने बहस की। वहीं राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता विनीत चंद्रा ने बहस की। हाइकोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करें कि थाना में लगे सीसीटीवी से थाना का चप्पा-चप्पा कवर हो। अदालत ने गृह सचिव को इस आदेश की कॉपी देने का निर्देश दिया है, ताकि आदेश का अनुपालन किया जाये। झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने यह आदेश पारित किया है।

सीसीटीवी का डाटा मेंटेन नहीं करना आश्चर्यजनक

दरसअल पश्चिम बंगाल के शौभिक बनर्जी और अन्य ने हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा था कि चेक बाउंस से जुड़े केस में वह धनबाद कोर्ट में बेल लेने आये थे, लेकिन धनबाद पुलिस ने उन्हें दो दिनों तक अवैध तरीके से थाना में बैठाये रखा। जबरन दबाव बनाकर दूसरे पक्ष की मदद की। यह सारी घटना बैंक मोड़ थाना में लगे सीसीटीवी में रिकॉर्ड है। लेकिन जब अदालत ने थाना में लगे सीसीटीवी का रिकॉर्ड मांगा, तो पुलिस की ओर से यह जवाब दिया गया कि सीसीटीवी का सिर्फ दो दिनों का ही बैकअप उपलब्ध है। जिस पर अदालत ने हैरानी जताते हुए कहा कि धनबाद जैसे शहर, जहां अपराध का ग्राफ काफी ज्यादा है, वहां सीसीटीवी का डाटा मेंटेन नहीं करना आश्चर्यजनक है।

झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन ने मनाया नेशनल कैटरर्स डे

विभिन्न कंपनियों के निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में मंगलवार को नेशनल कैटरर्स दिवस बरियातू स्थित बारात घर बैंक्वेट हॉल में मनाया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल कुमार अग्रवाल और सचिव अरुण कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेसवार्ता में बताया कि झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन हर साल नेशनल कैटरर्स डे मनाता है। इस दिन रांची समेत झारखंड के सभी कैटरर्स व्यवसाय से जुड़े लोगों को एक छत के नीचे आमंत्रित करते हैं। इसका मकसद अपने व्यवसाय को मजबूत बनाना और संगठित होकर काम करना है। कार्यक्रम में कैटरर्स बंधु और उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने किया। उन्होंने कहा कि समाज में कैटरर्स बंधु का बहुत बड़ा योगदान रहता है। सभी के कार्यों में देर रात तक कठिन परिश्रम और जिम्मेदारी के साथ आप कैटरर्स हमें सर्विस उपलध करवाते हैं। आप कैटरर्स की हमारे समाज में बहुत बड़ी भूमिका है। सभी कैटरर्स बंधुओं को कैटरर्स दिवस पर बधाई दी। गेस्ट स्पीकर के रूप में इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट रांची के डॉ भूपेश कुमार द्वारा कैटरिंग व्यवसाय के आधुनिकीकरण की महत्ता और मिलेट्स फूड पर प्रकाश डाला। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची शहर के सभी प्रमुख होटलों के जीएम और आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के एसोसिएट रजिस्ट्रार पंकज चटर्जी कैटरिंग व्यवसाय में सर्विस संचालन विषयक व्याख्यान में अपने विचार रखे। कैटरर्स दिवस पर स्व.राम कैलाश साह को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला।

इस अवसर पर स्व. महावीर शर्मा की स्मृति में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार रांची शहर के स्व. राम कैलाश साह को दिया गया। इसके अलावा राज्य के कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े सदस्यों एवं उनके परिवार के मैट्रिक और इंटर में सफल छात्रों में ओम प्रकाश रजक को प्रतिभा सम्मान देकर पुरस्कृत भी किया गया। वहीं कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों-व्यवसायियों में अंजना प्रसाद और विभिन्न गणमान्य को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कैटरर्स की समस्याओं से अवगत कराते हुए मीडिया प्रभारी राहुल कुमार कश्यप ने कहा कि आने वाले कुछ समय में संस्थान की ओर से एक कैटरर्स डायरेक्ट्री बनायी जायेगी। इसमें झारखंड राज्य से जुड़े हुए सभी कैटरर्स के कॉंटेक्ट डिटेल्स के साथ साथ ब्लड ग्रुप डिटेल्स और मेडिकल टीम का भी नंबर उपलब्ध कराया जायेगा।

मौके पर विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी। क्रॉम्पटन कंपनी द्वारा पुरुस्कार भी दिया गया। मौके पर झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ सदस्य जसवंत पांडेय, संयुक्त सचिव दीपेश शर्मा, कोषाध्यक्ष वकील साव, कला संस्कृति प्रभारी रोशन सिंह, नवीन कुमार शर्मा, पंकज शर्मा, संजय नागुदार, राजेश निषाद सहित अन्य मौजूद थे।

भूल सुधार

रांची। आजाद सिपाही अखबार में दिनांक 21 सितंबर को पेज नंबर दो पर 64 संगठनों की होगी जांच, प्रतिबंधित भाकपा माओवादी से संबंध होने का संदेह नामक शीर्षक से छपी खबर में सीपीआइ (एमएल रेड स्टार) की जगह भूलवश सीपीआइ छप गया था। कृपया सीपीआइ की जगह सीपीआइ (एमएल रेड स्टार) पढ़ें।

झारखंड की बेटियों ने रचा इतिहास, दूसरे वर्ष भी अंडर 17 वर्ग का जीता खिताब

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची । सुब्रतो मुखर्जी सोसायटी की ओर से 19 से 26 सितंबर तक नयी दिल्ली में 62वां अंडर 17 बालिका वर्ग सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट चला। बीते वर्ष की चैंपियन टीम संत पैट्रिक स्कूल आवासीय बालिका फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर गुमला ने इस वर्ष भी खिताब अपने नाम किया। फाइनल में हरियाणा को 4-0 से हराकर चैंपियन बनी। पूरे टूर्नामेंट में सूरज मुनी, अल्का, ममता, नमिता,

एलिजाबेथ, रिया, शाउलिना डांग, रेशमी, अनिता, बिनीता, अल्फा कांडुलना, बीना, शबर्णी, दीपिका, संध्या का शानदार प्रदर्शन रहा।

अधिकारियों ने खिलाड़ियों और टीम को धन्यवाद दिया

इस वर्ष झारखंड स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के नेतृत्व में झारखंड की टीम ने सुब्रतो कप में भाग लिया है। आवासीय बालिका फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर गुमला झारखंड खेल विभाग द्वारा संचालित है।

इस उपलब्धि पर खेल सचिव मनोज कुमार, शिक्षा सचिव के रवि, खेल निदेशक सुशांत गौरव, परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सुनील कुमार और खेल शिक्षक सह टीम मैनेजर प्रभात रंजन तिवारी को बधाई दी।

6 मैच में 49 गोल कर नया कीर्तिमान रचा

झारखंड टीम ने पहले मैच में दिल्ली के विरुद्ध 23-0, दूसरे मैच में गुजरात को 9-1, तीसरे मैच में केरल को 7-0 से, चौथा मैच क्वार्टर फाइनल में त्रिपुरा को 5-0, पांचवें मैच सेमीफाइनल एनसीसी को 2- 0 को पराजित किया। झारखंड की टीम ने 6 मैच में 49 गोल कर नया कीर्तिमान रचा।

श्री श्याम मंदिर में भाद्रपद की बारस तिथि धूमधाम से मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को भाद्रपद की बारस तिथि के शुभ अवसर पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी हुई थी। सुबह 5 बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्तों का आना लगा हुआ था। सुबह 5:30 बजे मंगला आरती के बाद तीनों मंड का पर्दा लगाकर बाबा का श्रृंगार मंडल के मंत्री श्याम सुंदर शर्मा और मंदिर के आचार्य ने किया। मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं का श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद श्रृंगार आरती में भक्तजन खाटू नरेश के दर्शन कर भाव विभोर हो रहे थे। बारस के शुभ अवसर पर भक्तों ने बाबा को खीर चूरमा का प्रसाद अर्पित किया।

69वां श्री सुंदरकांड, श्री हनुमान चालीसा पाठ : दीन दयाल विरुद्ध संभारी हरहु नाथ मम संकट भारी जो यह पढ़े हनुमान चालीसा हुए सिद्धि साखी गौरीसा तुलसीदास

सदा हरि चेरा कीजै नाथ हृदय महु डेरा के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 69 वां श्री सुंदरकांड, श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 69 वां कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके प्रसाद अर्पित कर परिवार के लिए खुशहाली की प्रार्थना की। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया। पाठ के समापन के बाद श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय संकीर्तन करके महाआरती की गयी। सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, स्नेह पोद्दार, श्याम सुंदर जोशी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

धनबाद बरटांड़ युवा मोर्चा का संगठन विस्तार

धनबाद (आजाद सिपाही)। आज धनबाद बरटांड़ युवा मोर्चा का संगठन विस्तार हुआ जिसमें उज्जवल सिंह को उपाध्यक्ष पद का नियुक्ति पत्र मिला तथा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजकुमार मंडल तथा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मनोज यादव जी ने की और सभी युवा संगठन के लोग सम्मिलित थे।

धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मना करम पर्व

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चडरी सरना समिति के तत्वावधान में करम पूजा बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूजा से पूर्व मंच का उद्घाटन किया गया जिसमें मुख्य रूप से राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, विधायक रांची सीपी सिंह, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, रांची के पूर्व भाजपा के नगर अध्यक्ष शत्यनरायन सिंह, जेके ग्रुप के सीओ जिस्सू प्रधान, समिति के मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा केंद्रीय प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा ने सामूहिक रूप से मंच का उद्घाटन किया गया। चडरी के मुख्य पहन गुड्डू पहन परिवार और पनभौरा दीपक मुंडा द्वारा रूढ़िवादी परंपरा के साथ पूजा अर्चना की

गयी जिसमें मुख्य रूप से रेडी सिंदूर चावल हडिया पानी जावा एवं मुर्गा की बलि दी गयी। करम पूजा की शुरूआत की गयी करमा और धरमा की कहानी समिति के प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा ने सभी कर्मईत बहनों को पढ़ कर सुनाया। इसी क्रम में राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, विधायक सी पी सिंह, पूर्व मंत्री सुबोध कांत सहाय, पूर्व उप महापौर संजय विजयवर्गी, भाजपा नेता सत्यनारायण सिंह, रमेश सिंह, के-के गुप्ता, मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह, शशिकांत मिश्रा, बादल लिंडा, अशोक मुंडा, बुला मुंडा, बबलू मुंडा सुरेंद्र लिंडा सबलू मुंडा, शंकर लिंडा, सबलू खान, भोला चौधरी, के द्वारा चडरी अखाड़ा में आए हुए मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों को फूल का गुच्छा अंग वस्त्र समिति का बेज एवं स्मृति चिह्न देकर सभी को सम्मानित किया गया। मंच का संचालन समिति के मुख्य सलाहकार कुमोद कुमार वर्मा ने किया। साथ ही साथ मंगलवार को समिति के मुख्य अखाड़ा में करमईत बहनों द्वारा और गोपालगंज चडरी बस्ती के ग्रामवासियों के द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ पारंपरिक गीत के साथ गाते बजाते हुए करम राजा का विसर्जन चडरी तालाब में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा, प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा, मुख्य सलाहकार कुमोद कुमार वर्मा, पूजा समिति अध्यक्ष सबलू मुंडा, विक्की मुंडा, राहुल मुंडा, प्रकाश मुंडा, शंकर लिंडा, सागर, बादल, अमनदीप, सबलू खान, बंजरग, पल्लू, रामा, पनीर, संजय लकड़ा, अप्पू लिंडा, प्रेम लिंडा, चिक्कू लिंडा आदि सैकड़ों की संख्या ग्रामवासी उपस्थित थे।

ट्रेन डकैती मामले में पुलिस को अजय नाम के अपराधी की तलाश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। बीते शनिवार की रात को बरवाडीह के आसपास ट्रेन में हुई डकैती मामले में जीआरपी पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में सघन छापामारी कर रही है। बता दें कि संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में शनिवार की रात डकैती की घटना हुई थी। पुलिस ने सोमवार को तीन एटीएम कार्ड, एक मोबाइल, एक बैग और एस 9 बोगी के 58 नंबर सीट से खोखा बरामद किया। पुलिस के अनुसार ट्रेन डकैती को अजय नामक अपराधी के इशारे पर अंजाम दिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

क्षेत्रीय अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम : पुलिस

पुलिस का कहना है कि इस घटना में क्षेत्रीय अपराधियों का हाथ है। डालटनगंज जीआरपी के जवान और प्रभारी बरकाकाना में कैंप किये हुए हैं। घटना के बाद रेल प्रशासन ने छह अतिरिक्त रेलवे प्रोटेक्शन स्पेशल फोर्स के जवानों को नियुक्त कर दिया है।

नामकुम में जल्द काम करने लगेगा आधुनिक पासपोर्ट सेवा केंद्र: मनीता

एक दिन में पासपोर्ट के लिए 700 आवेदन स्वीकार करने की क्षमता होगी

नगड़ी में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के नये भवन के निर्माण को मंजूरी

जल्द ही झारखंड के सभी पासपोर्ट ऑफिस को ऑनलाइन किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासपोर्ट की बढ़ती मांग और नागरिकों को बेहतर सेवा देने के लिए रांची में कुछ ही महीनों के भीतर मौजूदा पासपोर्ट सेवा केंद्र की जगह पर नया और आधुनिक पासपोर्ट सेवा केंद्र मीमेक आइटी पार्क, नामकुम औद्योगिक क्षेत्र में कार्यशील हो जायेगा। नये सेवा केंद्र में एक दिन में कम से कम 700 आवेदकों का पासपोर्ट के

लिए आवेदन स्वीकार करने की क्षमता होगी। यह जानकारी क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, रांची में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अधिकारी मनीता कुमारी ने दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, रांची और विदेश मंत्रालय द्वारा झारखंड वासियों के हित में कई कदम उठाये जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने रांची के नगड़ी में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के नये भवन के निर्माण की मंजूरी दे दी है। इस भवन में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अलावा विदेश मंत्रालय के अन्य जन केंद्रित विभाग भी कार्यशील होंगे। जल्द ही झारखंड के सभी पासपोर्ट ऑफिस को ऑफलाइन से ऑनलाइन किया जायेगा।

गोड्डा में जल्द खुलेगा राज्य का 16वां पासपोर्ट आवेदन केंद्र

उन्होंने बताया कि गुमला और गिरिडीह में पोस्ट ऑफिस आधारित पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र को ऑफलाइन से ऑनलाइन मोड में बदला जा रहा है। इससे रांची पासपोर्ट कार्यालय इन केंद्रों में प्राप्त आवेदनों का वास्तविक समय में निस्तारण कर सकेगा। इसी तरह गोड्डा वासियों की सहूलियत के लिए गोड्डा स्थित मुख्य डाकघर में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसकी स्थापना के उपरांत झारखंड राज्य में यह सोलहवां पासपोर्ट आवेदन केंद्र होगा। इसका उद्घाटन जल्द ही गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा किया जायेगा। वहीं क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय जमशेदपुर, बोकारो और चाइबासा पोस्ट ऑफिस स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्रों को पहले से अधिक पासपोर्ट आवेदन स्वीकार करने में सक्षम बनाया जा रहा है। विदेश मंत्रालय झारखंड में अपनी सेवाओं को श्रेष्ठ बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

कैसे और कब तक बनेगा आपका पासपोर्ट

पासपोर्ट अधिकारी मनीता कुमारी ने बताया कि पासपोर्ट के आवेदन के लिए दो प्रूफ देने होते हैं। एक डेट ऑफ बर्थ और दूसरे में आधार और बैंक पासबुक। इसमें पैन कार्ड या बैंक पासबुक लगा सकते हैं। इसके साथ ही एड्रेस प्रूफ देने होते हैं। सरकारी कर्मी को गवर्नमेंट द्वारा जारी ज्वाइनिंग लैटर दिये जा सकते हैं। अगर आपको तुरंत में पासपोर्ट चाहिए और पुलिस सत्यापन एक से दो दिन में हो जाये, तो पासपोर्ट जल्दी मिल सकता है। बताया गया कि अगले 10 सालों के लिए पासपोर्ट बनवाने के लिए 1500 रुपये देने होते हैं। अगर आपको तत्काल में चाहिए तो 2000 अतिरिक्त देने होते हैं। इसमें लगभग 15 दिनों का समय लगता है।

जुलूसे मोहम्मदी को लेकर मार्ग तय किया गया है: बरेलवी सेंट्रल कमेटी

28 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले जाने वाले जुलूसे मोहम्मदी प्रत्येक क्षेत्र से 9 से 10 बजे सुबह निकलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 28 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले जाने वाले जुलूसे मोहम्मदी को लेकर मार्ग तय किया गया है। जुलूस निकालने वालों से तय मार्ग से ही जाने की अपील सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी ने की है। इस संबंध में बरेलवी सेंट्रल कमेटी ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। रांची के अंजुमन प्लाजा मुसाफिरखाना हाल में एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी के अध्यक्ष मौलाना डा. ताजुद्दीन रिजवी, महासचिव अकीलुर्रहमान और प्रवक्ता मो. इस्लाम के संयुक्त नेतृत्व में प्रेस कांफ्रेंस संपन्न हुआ। वहीं मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, मौलाना डॉ ताजुद्दीन रिजवी, अकीलुर्रहमान और मो इसलाम ने संयुक्त रूप से कहा कि 28 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले जाने वाले जुलूसे मोहम्मदी प्रत्येक क्षेत्र से 9 से 10 बजे सुबह निकलकर अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए 11 बजे दिन में कर्बला चौक, 1:00 बजे दोपहर में मेन रोड स्थित एकरा मस्जिद चौक एवं जोहर के नमाज यानी 2 से 3 बजे डोरंडा स्थित रिसालदार बाबा के उर्स मैदान में उलेमाओं एवं सर्वधर्म के प्रमुख प्रतिनिधियों के संबोधन के साथ साथ सलातो- सलाम एवं सामूहिक दुआ के बाद समापन हो जायेगा।

जुलूस की सफलता के लिए कुछ गाइड लाइन भी जारी किया गया है जिसमें मुख्य रूप से समय की पाबंदी, साफ सफाई पर ध्यान रखना, कतारबद्ध तरीके से अनुशासित रूप से एक दूसरे के पीछे चलना, डीजे और अधिक साउंड वाले बाजा का प्रयोग न किया जाना, मिलादुन्नबी से सम्बंधित नारे लगाते हुए अनुशासित रूप से जुलूस में एक दूसरे के पीछे चलना, एक दूसरे की भावनाओं का विशेष रूप से ख्याल रखते हुए आपसी भाईचारा एवं सांप्रदायिक सौहार्द के साथ जुलूस में शामिल होकर चलना। इस मौके पर मुख्य रूप से कारी अयूब, मौलाना आबिद हुसैन, मौलाना शेर मो. कादरी, मौलाना मसूद फरीदी, मौलाना शम्स तबरेज, मौलाना अब्दुल सलाम, मौलाना मंजूर हसन बरकाती, मौलाना आफताब जेया, आफताब आलम, इकबाल हुसैन रिजवी, मो. जुबैर अत्तारी, रिजवान मोजीबी, मो. शोएब, मो अब्दुल्लाह सहित अन्य मौजूद थे।

क्या है राहुल की मंशा?

इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी का दिलचस्प आकलन सामने आया है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनकी पार्टी निश्चित रूप से जीतेगी, तेलंगाना में वह संभवतः जीतेगी। राजस्थान के बारे में उन्होंने कहा कि वहां मुकाबला कांटे का है और उन्हें लगता है कि पार्टी वहां भी जीत हासिल करने में सफल हो जाएगी। उनके इस बयान को दो तरह से समझा जा सकता है। एक तरह से देखा जाए तो उन्होंने चारों राज्यों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई है, लेकिन दूसरी तरह से देखें तो अपने इस बयान के जरिए उन्होंने राजस्थान में जीत के पार्टी के दावे को कमजोर करार दिया। हालांकि तेलंगाना के मामले में भी उन्होंने जीत की संभावना ही जताई, लेकिन राजस्थान खास तौर पर अहम इसलिए है कि वहां वर्तमान में कांग्रेस की ही सरकार है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के तमाम नेता दावा कर रहे हैं कि पार्टी अपनी सत्ता बचाने में कामयाब हो जाएगी। राहुल गांधी का यह आकलन इसलिए भी ध्यान खींचता है कि राजनीति में हार तय नजर आने की स्थिति में भी चुनाव नतीजे आने से पहले तक जीत के प्रबल दावे करने का ही चलन देखा गया है। खासकर बीजेपी के पिछले कुछ चुनाव अभियानों पर नजर डालें तो वहां अक्सर सीटों की असंभव लगने वाली संख्या के साथ जीत के दावे किए जाते रहे। कुछ मामलों में ये दावे कामयाब रहे तो कुछ में परिणाम उलटे साबित हुए, लेकिन यह चलन नहीं टूटा। ऐसे में विरोधी राहुल गांधी के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व का अभी से हार स्वीकार लेने का सबूत बता सकते हैं। हो सकता है कुछ धड़ों में इसे कांग्रेस की राजस्थान इकाई में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कमजोर करने की मंशा से प्रेरित भी बताया जाए। लेकिन राहुल समर्थकों की ओर से इसे उनकी साफ-सुथरी राजनीतिक शैली का प्रमाण भी बताया जा सकता है। कहा जा सकता है कि उन्हें थोथे दावों पर आधारित राजनीति से परहेज है और वह नहीं चाहते मतदाताओं के सामने झूठी तस्वीर पेश करके उनके वोटिंग बिहेवियर को गलत ढंग से प्रभावित किया जाए। बहरहाल, इस बयान के पीछे असल मकसद क्या है और उसे हासिल करने में किस हद तक कामयाबी मिलेगी, यह अभी भविष्य के गर्भ में है। आगे चलकर इसे एक अच्छे, प्रेरक बयान के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है या हारी हुई लड़ाई लड़ रहे एक नेता की अप्रत्यक्ष स्वीकारोक्ति के रूप में, यह काफी कुछ आने वाले चुनावों के नतीजों पर भी निर्भर करेगा। अभी के लिए इसे राहुल गांधी की अलग राजनीतिक शैली की पहचान के रूप में रेखांकित करना काफी होगा।

इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक बयान से राजनीतिक खलबली मच गई है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनकी पार्टी जीत रही है, वहीं राजस्थान में कांटे का मुकाबला है।

अभिमत आजाद सिपाही

पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों का संदर्भ 'अष्टलक्ष्मी' के रूप दिया जाता है, जो अधिक उपयुक्त है। नौ साल पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी, 'भारत तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक कि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र विकसित नहीं होता।' उस दूरदर्शी विश्वास के साथ, भविष्य में निर्बाध विकास को सक्षम बनाने के लिए पिछले 9 वर्षों में किए गए रणनीतिक प्रयासों ने एक ठोस आधार तैयार किया है।

अष्टलक्ष्मी के गौरव की पुनर्स्थापना

जी किशन रेड्डी

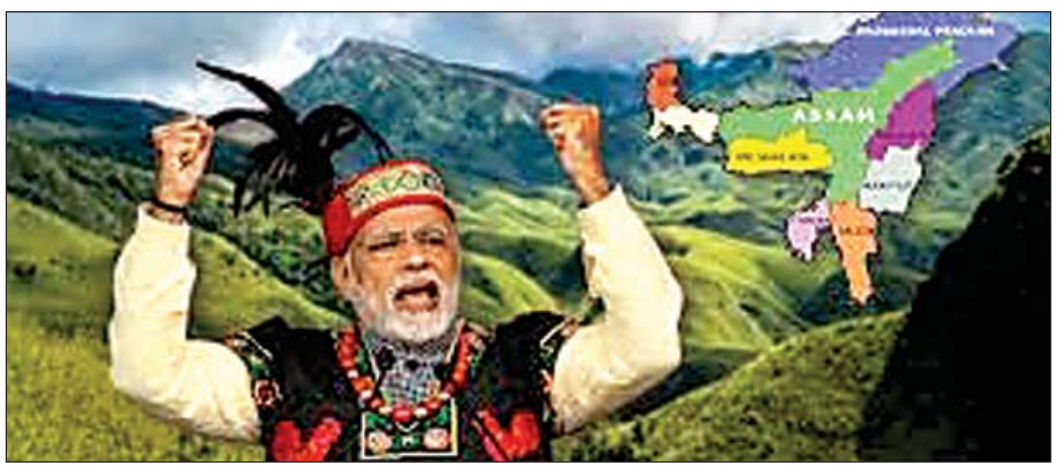

अपने मूल में प्रतिबद्धता, सुदृढ़ता और सशक्तिकरण को रखते हुए, पूर्वोत्तर क्षेत्र अब अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है। पिछले 9 वर्ष निर्णायक रहे हैं; अगले 25 वर्ष, पूर्वोत्तर भारत कहे जाने वाले 'धरती के स्वर्ग' के जादू को दुनिया के सामने लायेंगे।

जब भी मैं पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा करता हूं, तो मैं अक्सर स्मृतियों में खो जाता हूं और पूरे भारत के साथी युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ की गयी अपनी पिछली यात्राओं को याद करता हूं। उन दिनों, परिवहन व संचार संपर्क सुविधाओं की कमी, सुरक्षा के खतरे, बंद और चक्का जाम की असुविधा तथा अवसंरचना की कमी को नजरअंदाज करते हुए, हमने इन अवसरों का उपयोग, क्षेत्र के अपने भाइयों और बहनों के साथ बातचीत करने, उनकी संस्कृति का अनुभव करने और चुनौतियों व समाधानों पर चर्चा करने में किया।

हालांकि, परिवर्तन शुरू करने के लिए हमारे अटूट उत्साह और अथक प्रयास को राजनीतिक उपेक्षा, घोर अन्याय और शेष भारत से स्पष्ट अलगाव के कारण कड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा। अफसोस की बात है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य, जो हमारे देश का अभिन्न अंग हैं, को अक्सर 'सौतेली बहनें' कहा जाता था। हालांकि, कुछ साल बाद, आज, जब मैं उन्हीं स्थानों की दोबारा यात्रा करता हूं, तो मैं संतुष्टि और राहत की गहरी भावना से भर जाता हूं। हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को आखिरकार वह ध्यान और समर्थन मिल रहा है, जिनके वे हकदार हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों का संदर्भ 'अष्टलक्ष्मी' के रूप दिया जाता है, जो अधिक उपयुक्त है। नौ साल पहले, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी, 'भारत तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक कि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र विकसित नहीं होता।' उस दूरदर्शी विश्वास के साथ, भविष्य में निर्बाध विकास को सक्षम बनाने के लिए पिछले 9 वर्षों में किए गए रणनीतिक प्रयासों ने एक ठोस आधार तैयार किया है।

अफसोस की बात है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य, जो हमारे देश का अभिन्न अंग हैं, को अक्सर 'सौतेली बहनें' कहा जाता था।

पिछले साढ़े 9 वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने के साथ, भारत सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए बड़े पैमाने पर वित्तपोषण किया। 2014 और 2023 के बीच पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 54 केंद्रीय मंत्रालयों के सकल बजट आवंटन में लगभग 233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 6,600 करोड़ रुपये की नई मंजूर की गयी पीएम-डिवाइन योजना, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के लिए आजीविका और विकास के अवसरों का सृजन करेगी। विवेकपूर्ण और लक्षित निवेश के साथ वित्तीय प्रोत्साहन से, सरकार को परिवहन व संचार संपर्क सुविधा तथा अवसंरचना निर्माण जैसी क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिली।

'भूपेन हजारिका सेतु' नदी पर बना भारत का सबसे लंबा पुल है, जो 2003 से लंबित था, का उद्घाटन मई 2017 में किया गया। इससे असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच की यात्रा-अवधि 6 घंटे से कम होकर 01 घंटे की रह गयी है। 25 दिसंबर, 2018 को भारत के सबसे लंबे रेल पुल बोगीबील का उद्घाटन किया गया, जिससे दिल्ली और डिब्रूगढ़ के बीच यात्रा-अवधि में 3 घंटे की कमी आयी है। दिलचस्प बात यह है कि पुल का काम 2002 में भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में शुरू हुआ था, लेकिन 2004 में यूपीए के सत्ता में आने के बाद यह काम बाधित हो गया। काम में तेजी 2014 में आई, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बागडोर संभाली। इसी तरह, 2014 से पहले केवल गुवाहाटी रेल-मार्ग से ही जुड़ा था, लेकिन आज राजधानी परिवहन संपर्क परियोजना के तहत अरुणाचल, त्रिपुरा और मणिपुर भी जुड़ गए हैं और बाकी पांच राज्यों को जोड़ने का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा। उहम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके स्थलाकृतियों से जुड़ी बाधाओं को दूर कर रहे हैं। हमने पूर्वोत्तर में जिरीबाम-इम्फाल रेल लाइन पर दुनिया के सबसे ऊंचे तटबंध पुल का निर्माण करके विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

इसके अलावा, पर्यटन और आर्थिक क्षमता को व्यापक प्रोत्साहन देते हुए, पिछले 9 वर्षों में हवाई संपर्क सुविधा में कई गुनी वृद्धि हुई है। 2014 में केवल 9 हवाई-अड्डे थे, आज हमारे पास 17 हवाई-अड्डे हैं। अरुणाचल प्रदेश का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, डोनी पोलो हवाई अड्डा या अगरतला में महाराजा बीर बिक्रम (एमबीबी) हवाई अड्डे का अत्याधुनिक एकीकृत टर्मिनल, जिसका उद्घाटन 2022 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था, हवाई संपर्क सुविधा में तेजी से हुई प्रगति के उज्ज्वल उदाहरण हैं।

पिछली सरकारें लंबे समय से यह तर्क देतीं रहीं कि भूमि से घिरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में कमी अपरिहार्य है। इस बात को चुनौती देते हुए नरेन्द्र मोदी सरकार क्षेत्र की जलमार्ग क्षमता का उपयोग करने के लिए काम कर रही है। 2014 से पहले केवल 01 राष्ट्रीय जलमार्ग था और अब पूर्वोत्तर क्षेत्र में 20 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं, जो ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों की विशाल नौवहन क्षमता को रेखांकित करते हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों का निर्माण करते हुए तथा क्षेत्र में आवश्यक परिवहन संपर्क सुविधा को बढ़ावा देकर, पूर्वोत्तर क्षेत्र को एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र बिंदु के रूप में विकसित किया जा रहा है। म्यांमार के साथ 2,904 करोड़ रुपये की कलादान मल्टीमॉडल परियोजना, बांग्लादेश के साथ 1,100 करोड़ रुपये की अगरतला-अखौरा रेलवे परियोजना, 1,548 करोड़ रुपये की भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना आदि ऐसी प्रमुख परियोजनाएं हैं, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के 'पड़ोसी पहले' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के केंद्र में रखती हैं। 1972 के बाद पहली बार 2015 में अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार पर भारत बांग्लादेश प्रोटोकॉल का नवीनीकरण और बांग्लादेश के चटग्राम व मोंगला बंदरगाहों के उपयोग तक पहुंच; 'एक्ट ईस्ट' नीति की महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं।

क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। 2014 से 2022 के बीच उग्रवाद में 76 प्रतिशत की गिरावट आई है। सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौत की संख्या में क्रमशः 90 प्रतिशत और 97 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। 8,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। 'अफस्पा' के परिधि क्षेत्र में 75 प्रतिशत की कमी आयी है। स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्रोही समूहों के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और मुख्यधारा के साथ उनके पुनः एकीकरण में मदद के लिए पुनर्वास पैकेज प्रदान किए गए हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास और शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, प्रधानमंत्री ने पिछले साढ़े 9 वर्षों में स्वयं 60 से अधिक बार पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्राएं की हैं और क्षेत्र में विकास करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प को दोहराया है।

अपने मूल में प्रतिबद्धता, सुदृढ़ता और सशक्तिकरण को रखते हुए, पूर्वोत्तर क्षेत्र अब अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है। पिछले 9 वर्ष निर्णायक रहे हैं; अगले 25 वर्ष, पूर्वोत्तर भारत कहे जाने वाले 'धरती के स्वर्ग' के जादू को दुनिया के सामने लायेंगे।

(लेखक भारत सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री हैं।)

ओड़िशा/जमशेदपुर की खबरें

जागृति महिला मंडल ने सामाजिक सेवा कार्य में सहयोग करनेवाले 9 व्यक्तियों को सम्मानित किया

संबलपुर (आजाद सिपाही)। एमसीएल जागृति महिला मंडल, बुर्ला की ओर से आस-पास गॉव के 13 महिलाओं तथा बालिकाओं को 3 महीने का कंप्यूटर के बेसिक कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया गया और प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें प्रामणपत्र प्रदान किया गया। जागृति महिला मंडल की अध्यक्षा पद्मजा सिंह ने उपाध्यक्षाओं सरिता पटेल, रश्मि बेहुरा और अंजली बापट की उपस्थिति में 13 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। जागृति महिला मंडल की अध्यक्षा पद्मजा सिंह ने कहा कि महिलाओं व बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने का यह एक साधन है जिससे वे घर बैठे इस तकनीकी के माध्यम से स्वयं रोजगार कर सकेंगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं इस कार्यक्रम से काफी उत्साहित हैं क्योंकि इससे उन्हें नए कौशल सीखने में मदद मिल रही है। जागृति महिला मंडल की अध्यक्षा पद्मजा सिंह ने उपाध्यक्षाओं की उपस्थिति में जागृति महिला मंडल की सामाजिक सेवा कार्य में सहयोग करनेवाले 9 व्यक्तियों को भी सम्मानित किया ।

एसएसपी के निर्देश पर गोलमुरी पुलिस लाइन में मॉकडील का आयोजन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। शहर के गोलमुरी पुलिस लाइन में एसएसपी कौशल किशोर के निर्देश पर पुलिस कर्मियों के लिए मॉकडील का आयोजन किया गया। मंगलवार को पुलिस लाइन के मैदान में आयोजित मॉकडील में वरीय पुलिस पदाधिकारी के द्वारा पुलिस कर्मियो को कई जानकारी दी गयी। ताकि जिले में किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने पर आसानी से निपटारा किया जा सके। मौके पर एसएसपी कौशल किशोर ने बताया इस तरह के आयोजन से पुलिस कर्मियो की तैयारी बनी रहती है। उन्होंने कहा आने वाले दो महीने त्योहार को ध्यान में रखते हुए पुलिस कर्मियों के लिए मॉकडील का आयोजन किया गया। अगर किसी भी तरह के अप्रिय स्थिति या सामाजिक तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है तो जमशेदपुर पुलिस पूरी तरह तैयार रहे इस उद्देश्य के साथ पुलिस लाइन में मॉकडील का आयोजन किया गया। एसएसपी ने बताया मॉक डील के माध्यम से किस प्रकार से लाठी चार्ज करना है,किस तरह से वाटर गन व गैस का इस्तेमाल करना है सभी जानकारी विधि व्यवस्था के साथ प्रोटोकॉल के अनुसार दी गयी। साथ ही भीड़ के बीच कैसे कंट्रोल किया जाए सभी जानकारी पुलिस कर्मियों को दी गयी।

केबुल टाऊन क्षेत्र के प्रत्येक घर में बिजली का सीधा कनेक्शन देने की मांग

केबुल क्षेत्र के बस्तीवासियों की बिजली का सपना शीघ्र होगा साकार : सरयू राय

आजाद सिपाही संवाददाता

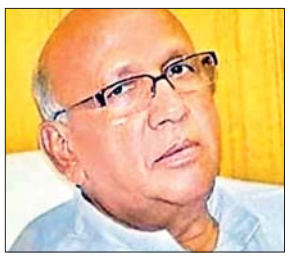

जमशेदपुर। विधायक सरयू राय ने टाटा स्टील युआईएसएल प्रबंध निदेशक के नाम पत्र लिखकर केबुल टाऊन क्षेत्र के प्रत्येक घर में बिजली का सीधा कनेक्शन देने की मांग की। मंगलवार को विधायक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। विधायक राय ने कहा विगत 3 वर्सो से बार बार ध्यान आकृष्ट कराया जा रहा है। लेकिन अभी तक कार्य संपन्न नहीं हो पाया। इसके पूर्व सभी घरों में पानी का कनेक्शन जोड़ने का काम हो गया लेकिन बिजली का कनेक्शन नहीं जुड़ सका। हमेशा यही कहा जाता है कंपनी तो घर घर में कनेक्शन देने को तैयार है परंतु दिवालिया केबुल कंपनी के आरपी एनओसी देने में आना-कानी कर रहे हैं। विधायक राय ने बताया कार्यालय से इस बारे में पत्राचार भी दिखाये गये। यह सब होते हुए काफी दिन बीत गये। उन्होंने कहा इस मामले में दिवालिया केबुल कंपनी के आरपी से एनओसी मांगने की कोई जरूरत नहीं। एनओसी मांगना है तो डीसी के माध्यम से राज्य सरकार से मांगा जाये। कारण कंपनी का लीज 2019 में समाप्त हो चुका है। एग्रीमेंट के अनुसार कोई काम होगा तो सरकार की सहमति से होगा। विधायक ने कहा कंपनी से पूछा जाय बिजली कनेक्शन की योजना है कोई आपत्ति है तो बताइए। 15 दिन में आपत्ति नहीं आई तो बिजली कनेक्शन देने की योजना आरम्भ कर दिया जाये। उन्होंने कहा अब काफी विलंब हो गया इस दिशा में सीधा प्रयास आरंभ करूंगा। सरकार से वार्ता कर केबुल क्षेत्र के बस्तीवासियों की सपना शीघ्र साकार होगा।

विधायक ने गरुड़बासा के ग्रामीणों की पानी की समस्या संज्ञान में आते ही निकाला समाधान, ग्रामीणों में हर्ष

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र जमशेदपुर प्रखंड के हुरलुंग पंचायत अंतर्गत गरुड़बासा में स्थानीय लोगों द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। विधायक ने स्थानीय लोगों के साथ मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। मौके पर स्थानीय लोगों ने पानी की समस्याओं से अवगत कराया। विधायक ने मामले को संज्ञान में लेते हुए ग्राम विकास केन्द्र के अधिकारियों को बुलाकर जल्द से जल्द समस्या का निदान करने का निर्देश दिये। विधायक कालिंदी ने कहा आम लोगों की समस्या का जल्द निदान हो इसके लिए हमेशा प्रयास करते रहेंगे। मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुमित्रा देवी, झामुमो नेता मेथु कर्मकार, तपन, सोनाराम लोहरा, रजत प्रसाद, बिरसिंग कालुंडिया, निरंजन रुही दास, अनिल, संजय टूडु सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

जमशेदपुर: लोकसभा चुनाव की तैयारी पर संगठनात्मक सशक्तिकरण को लेकर सभा का आयोजन

भाजपा सरकार के बेरोजगारी, महंगाई, महिला उत्पीड़न, राजस्व भ्रष्टाचार, सूर्य मंदिर का दखल और दंगल से जनता त्राहिमाम : आनंद बिहारी दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

कांग्रेस का नुकड़ सभा, सैकड़ो लोग हुए शामिल

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के आह्वान पर बागुनहातु चौक में कांग्रेस नेता रूपलाल लोहार के नेतृत में नुक्कड सभा आयोजित किया गया। मंगलवार को नुक्कड़ सभा में क्षेत्र के सैकड़ो लोग शामिल रहे। मौके पर जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा आज कांग्रेस पार्टी को चौक चौराहे में नुक्कड़, हाट, बाजार पर सभा करने की आवश्यकता आन पड़ी है। देश को भाजपा सरकार व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कांटे भरे रास्ते में लाकर खड़ा कर दिया। आम जनता महंगाई की मार से त्रस्त है। नौजवान व घर के बच्चे को पड़ लिख कर नौकरी नही उनका भविष्य अंधकार मय हो गया है। रेलवे में सैकड़ों सरकारी उपक्रमों से नौकरियां खत्म की जा रही है। नौजवान दर-दर भटक रहे हैं। उनके समक्ष परिवार को चलाने के लिए कोई रास्ता नहीं सूझ रहा। यह विडंबना भरा समय विगत 9 वर्षों से लोगों के सामने आकर खड़ा है। भारत की जनता को अब आगे आना होगा। बच्चों के भविष्य को सुखमय बनाने के लिए सोचना पड़ेगा। दुबे ने कहा गैस का सिलेंडर 2014 में 450 रुपिया था। आज 942 रुपए हो गये हैं। पेट्रोल डीजल की कीमत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी कम है। लेकिन महंगे में पेट्रोल डीजल लेना पड़ रहा हैं। खाद्य पदार्थ, दूध, सब्जी का कीमत आसमान छू रहा है। सबसे बड़ा दिक्कत गरीब परिवारों को झेलना पड़ रहा है। वह घर चलाने में असफल साबित हो रहे हैं। मोदी जी के राज में इतनी महंगी होगी किसी ने नहीं सोचा था। भारत की आम जनता की यही सोच थी मोदी जी आएंगे, महंगाई कम होगी। लेकिन धोखा हो गया। उन्होंने सबों से आग्रह करते हुए आगामी 2024 में फैसले के नतीजे को ध्यान में रखने को कहा। साथ ही परिवार, नौजवानों, महिलाओं की सुरक्षा के बारे में अवश्य सोचें। उन्होंने कहा आज कर्नाटक की जनता कांग्रेस पार्टी को अपनी आंखों पर बिठाया। बहुत बड़ा फैसला दिया है। जिला अध्यक्ष ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और विधायक सरयु राय इन दोनों नेताओं को सिर्फ और सिर्फ सुर्य मंदिर पर कब्जा चाहिए, सारा समय झगडा, झंझट कर जनता के विकास का समय बर्बाद कर दिया। नुक्कड सभा के उपरांत 125 लोगों के बीच सर्वजन पेंशन सर्टिफिकेट का वितरण जिलाध्यक्ष के द्वारा कियस गया। इस अवसर पर सामंता कुमार, अतुल, रूपलाल, गोविन्द, रानी, रंजीत, दुर्गा, धीरज, अभिषेक, प्रशेनजीत, सहित अन्य कई नेताओं नें अपनी बातें रखी। कार्यक्रम का संचालन दीपक कमार्कार ने किया।

जानलेवा काले धुएं से बेहाल लोगों की जगी उम्मीद की आस, अनियंत्रित वायु प्रदूषण के मामले में जनहित याचिका दायर

गम्हरिया (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड स्थित मुड़िया पंचायत डीडी स्टील एंड पॉवर लिमिटेड कंपनी प्रबंधन के द्वारा जानलेवा काले धुंए से बेहाल व परेशान लोगों के लिए एक उम्मीद की आस जगी है। पर्यावरण प्रेमी अवधेश कुमार पांडेय ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ अनियंत्रित वायु प्रदुषण के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष एक जनहित याचिका दायर की। उन्होंने कंपनी को तत्काल दंडात्मक कारवाई के लिए मांग की। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता रविशंकर पाण्डेय ने बताया डीडी स्टील एंड पॉवर लिमिटेड कंपनी में बीते कई वर्षो से जहरीली काले धुंए को खुले वातावरण में छोड़ा जा रहा है। जिससे आम जन जीवन काफी ज्यादा प्रभावित हुई है। वर्ष 2016 में केन्द्रीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ने स्थानीय शिकायतों पर कारवाई करते हुए कम्पनी का निरिक्षण किया था। भारी अनियमितता और पर्यावरण नियमो का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाइ की बात कही थी। बताया जा रहा है कंपनी प्रबंधन सरकार में अपनी गहरी पैठ का फायदा उठाया। दोबारा संचालन का आदेश देते हुए कहा गया था यदि भविष्य में किसी प्रकार के पर्यावरण नियमो का उल्लंघन सामने आता है पुनः कार्रवाइ की जाएगी। लेलिन आज तक स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण व नारकीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कंपनी के प्रदूषित गैस व पानी से प्रभावित स्थानीय लोग महामारी की भेट चढ़े जा रहे। मुड़िया पंचायत के प्रत्येक घर में कोई न कोई गंभीर बीमारी से ग्रसित है। लेकिन उसके बाद भी डीडी स्टील के द्वारा प्रदूषण फैलाया जा रहा है।

कार्यक्रम : रमकंडा प्रखंड में 50 से अधिक लोग भाजपा छोड़ कर झामुमो में हुए शामिल

विकास के पथ पर बढ़ता रहेगा गढ़वा : मंत्री मिथिलेश

कहा- विरोधियों की नकारात्मक राजनीति से कोई फर्क नहीं पड़ता

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। रमकंडा प्रखंड के बरवा स्कूल के मैदान में आयोजित करमा पूजा महोत्सव के दौरान भाजपा छोड़कर 50 से अधिक लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सभी को माला पहनाकर एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि हेमंत सरकार के बेहतर कार्यों का परिणाम है कि आज पूरे गढ़वा जिला सहित राज्य भर में दूसरी पार्टियों को छोड़कर लोग काफी संख्या में झामुमो में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को पहली बार झारखंडी जनमानस की सरकार मिली है। जनता सरकार के कार्यों से पूरी तरह संतुष्ट है। मंत्री ने कहा कि गढ़वा की जनता अच्छी तरह से जानती है कि आज से चार वर्ष पूर्व गढ़वा की क्या स्थिति थी, और आज गढ़वा की स्थिति सबके सामने है। पूरी तरह से जर्जर एवं खोखला हो चुके गढ़वा में चारों तरफ विकास की गंगा बह रही है। लोग इस बात को अच्छी तरह से समझ चुके हैं। सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर लोगों का रुझान झामुमो की ओर बढ़ा है। मंत्री ने कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे झूठ एवं फरेब की राजनीति नहीं करते हैं। बल्कि ईमानदारी पूर्वक क्षेत्र के विकास एवं जनता के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिनिधि में यदि काम करने की इच्छा शक्ति हो तो क्षेत्र को विकसित बनने से कोई नहीं रोक सकता है। विपक्ष के विकास विरोधी एवं नकारात्मक राजनीति से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे हमेशा जनता के आशीर्वाद से गढ़वा को विकास के पथ पर आगे बढ़ाते रहेंगे। मौके पर मुख्य रूप झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय सिंह छोटू, दिलीप गुप्ता, अहमद अली अंसारी, आशीष गुप्ता, दीपक सोनी, कार्तिक पांडेय, पप्पू यादव आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पार्टी में शामिल होने वाले लोगों में चंदन प्रसाद कमलापुरी, नंदा प्रसाद कमलापुरी, उप मुखिया श्रवण गौड़, विजय कुमार गुप्ता, रामदुलार मांझी, नथुनी कोरवा, विकास कुमार रवि, श्रवण पासवान, सतन भुईहर, बिगन भूइहर, राजेश कुशवाहा, शिवनाथ मेहता, गुलाब भूइहर, सुरेंद्र, आशीष कुमार सिंह, विशाल, परमिंदर, सुधीर कुमार रवि, बाल गोविंद राम, मोहर पासवान, राजकुमार राम, दीपू पासवान, आर्यनत पासवान, विजय कुमार रवि, रामलाल राम, शर्मा राम आदि का नाम शामिल है।

करम पर्व महोत्सव में मांदर बजा कर झूमे मंत्री

कहा- हम सब अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने के प्रति संकल्पबद्ध हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले भर में करमा पूजा की धूम रही। विभिन्न गावों में काफी धूमधाम से करमा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने विभिन्न गांवों में आयोजित पूजा समारोह में भाग लिया। इन मौकों पर मंत्री ने उपहार स्वरूप साड़ी एवं मांदर का वितरण किया। तत्पश्चात सामूहिक पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा प्रखंड कमिटी रंका के तत्वावधान में बरदरी गांव स्थित आम बगीचा परिसर में, गढ़वा प्रखंड के कुसमाहा गांव, बरवाडीह, रमकंडा प्रखंड के बरवा, रमकंडा स्कूल के मैदान में, चिनियां प्रखंड आईटीआई परिसर चिनियां, मेराल प्रखंड में बाना, लातदाग, गढ़वा प्रखंड में बीरबंधा तथा नगदरवा आदि गांव में आयोजित करमा पूजा महोत्सव में मंत्री श्री ठाकुर ने भाग लिया। इन स्थानों पर मंत्री ने दीप जलाकर एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि हम सब अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने के प्रति संकल्पबद्ध हैं। सभी को करम पर्व की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ एवं खुशहाल रहने की कामना की। मौके पर मुख्य रूप झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम सचिव, मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा चौबे, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय सिंह छोटू, दिलीप गुप्ता, अहमद अली अंसारी, रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता, युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक सोनी, कार्तिक पांडेय, पप्पू यादव व अन्य उपस्थित थे।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के सफल संचालन को लेकर समिति गठन पर की गयी चर्चा

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। विंध्य क्षेत्र अंतर्गत श्री बंशीधर नगर प्रखंड के पाल्हे जतपुरा गांव में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के सफल संचालन हेतु मंगलवार को यज्ञ समिति की बैठक वरिष्ठ संरक्षक शारदा महेश प्रताप देव की अगुवाई में हुई। इसमें 23 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक चलने वाले श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के सफल संचालन के लिए यज्ञ समिति के अलावे 26 अन्य समिति के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के वरिष्ठ संरक्षक शारदा महेश प्रताप देव द्वारा यज्ञ के सफल संचालन का ब्लू प्रिंट प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि यज्ञ के समय कुल 26 समिति का गठन किया जायेगा। जिसमें कुल 1000 लोग शामिल रहेंगे। एक सप्ताह के अंदर इन सभी समितियों का गठन कर लिया जायेगा। यज्ञ के दौरान संभावित भारी भीड़ के मद्देनजर छोटे वाहनों के लिए यज्ञ स्थल के पूरब एवं पश्चिम दोनों ओर वाहन पार्किंग की व्यवस्था करने पर चर्चा की गई। मौके पर संरक्षक शंभूनाथ शुक्ल, अध्यक्ष वीरेंद्र चौबे, सचिव अनीश कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष अमित कुमार शुक्ल, सह सचिव राकेश कुमार चौबे, कोषाध्यक्ष श्याम बिहारी शुक्ल, सह कोषाध्यक्ष शिवनारायण चौबे, प्रदीप शुक्ल, लेखा पदाधिकारी धीरेंद्र चौबे, मीडिया प्रभारी रजनीश कुमार मंगलम, सह प्रभारी राधेरमण चौबे, धर्मेंद्र चौबे, पुलिस निरीक्षक रतन कुमार सिंह, विंध्याचल शुक्ल, विक्रांत सिंह, अजीत प्रताप देव, उमेश शुक्ल, मथुरा पासवान, बालेश्वर ठाकुर, दुर्गेश शुक्ल, शैलेंद्र शुक्ल, प्रदीप शुक्ल, जवाहर शुक्ल, सतेंद्र शुक्ल, शिवजी शुक्ल आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त–सह–
जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़
(विकास शाखा)
दूरभाष : 06553-261555(o)
Email ID : dc-ramgarh@gov.in

आवश्यक सूचना

नमामि गंगे योजना अन्तर्गत जिला स्तर पर एक DPO (District Project Officer) का नियुक्ति संविदा के आधार पर करने हेतु विज्ञापन (PR No. 306002 दिनांक 01.09.202) का प्रकाशन किया गया था, जिसमें Interview की तिथि दिनांक 28.09.2023 को निर्धारित है। दिनांक 28.09.2023 को निर्धारित Interview की तिथि को स्थगित किया जाता है। Interview की अगली तिथि की सूचना यथाशीघ्र दी जायेगी।

ह०/–
उपायुक्त,रामगढ़
PR 307774 (Ramgarh)23-24*D

झामुमो नेता भीखम चंद्रवंशी का निधन, दाह संस्कार में शामिल हुए मंत्री मिथिलेश

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झामुमो नेता मेराल प्रखंड के दुलदुलवा ग्राम निवासी भीखम चंद्रवंशी का निधन हो गया। वे पंचायती राज विभाग के विधायक प्रतिनिधि थे। उनके निधन पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। निधन की खबर मिलते ही मंत्री श्री ठाकुर ने स्व. चंद्रवंशी के घर पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दिया। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि स्व. चंद्रवंशी सरल स्वभाव के हर दिल अजीज व्यक्ति थे। वे पार्टी के लिए पूरी तरह से समर्पित थे। उनका समर्पण लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा। पार्टी ने बहुत ही समर्पित व सम्मानित नेता को खो दिया है। उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, फुजैल अहमद, कंचन साहू, दीपमाला, दिलीप गुप्ता सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

गढ़वा के पूरब शौर्य ने नीतीश भारद्वाज को सौंपा स्केच आर्ट

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा के युवा चित्रकार पूरब शौर्य ने महाभारत सीरियल के कृष्ण नीतिश भारद्वाज से मुलाकात कर उन्हें उनका स्केच आर्ट प्रदान किया। नीतीश भारद्वाज छत्तीसगढ़ के रामानुगंज में संस्कार भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वहां आए हुए थे। इस दौरान गढ़वा संस्कार भारती के पदाधिकारी व अन्य कलाकारों ने नीतीश भारद्वाज से मुलाकात की। उन्होंने पूरब से उनका नाम पूछा तथा उनके द्वारा बनाए गए स्केच की सराहना की। महाभारत के श्रीकृष्ण से मुलाकात करने वालों में संस्कार भारती के झारखंड प्रांत मंत्री नीरज श्रीधर स्वर्गीय, अंजली शाश्वत, कौस्तुभ, अर्चना कुमारी आदि के नाम शामिल हैं।

यशवंत नायक ने दूसरी बार मेराल सीओ का पदभर संभाला

मेराल (आजाद सिपाही)। अंचल कार्यालय में नये अंचलाधिकारी के रूप में यशवंत नायक ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने बीडीओ सह प्रभारी सीओ प्रवेश कुमार साव से अंचल का पदभार ग्रहण किया। बता दें कि यशवंत नायक अंचलाधिकारी के रूप में यहां दूसरी बार पदभार ग्रहण किये है। इससे पहले वे 2019 से मार्च 2021 तक मेराल सीओ के रूप में कार्य कर चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि यहां काम करने में कोई परेशानी नहीं होगी। मेराल अंचल क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। अंचल से जुड़े कार्यों को त्वरित निष्पादन के साथ सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वंचित वर्ग के लोगों तक पहुंचाया जाएगा। पदभार ग्रहण करने की जानकारी मिलने पर मेराल पूर्वी के मुखिया रामसागर महतो सहित कई जनप्रतिनिधियों तथा अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

सत्येंद्र तिवारी के बिगड़े बोल, कहा-कुछ राक्षसी प्रवृत्ति की महिलाएं भी समाज में हैं

मंत्री मिथिलेश और गिरिनाथ को चुनाव मैदान में आने की दी चुनौती

अदमियाईन शब्द को पूर्व विधायक ने किया परिभाषित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने कहा है कि सनातम धर्म में नारी का सम्मान व पूजा होती है। मैं भी सम्मान करता हूं। कहते-कहते उनके बोल बिगड़ गये, वह कह बैठे, लेकिन समाज में नारी के वेष में राक्षसी प्रवृत्ति की कुछ महिलाएं भी हैं, जो समाज के अन्य नारियों को दिग्भ्रमित करने का काम करती हैं। पूर्व विधायक ने अदमियाईन शब्द को परिभाषित करते हुए मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि सिर्फ नारी ही समाज में राक्षसी प्रवृत्ति की नहीं होती हैं। कुछ ऐसे पुरुष भी हैं जो समाज में अशांति फैलाते हैं, निरीह लोगों की जान लेते हैं। ऐसे लोग राक्षस प्रवृत्ति के होते हैं। मैंने अपने दस वर्षों के विधायक कार्यकाल में महिलाओं के ऊपर ना ही किसी प्रकार की आंच आने दिया है और ना ही किसी महिला को अशोभनीय बातें कही हैं। बावजूद कुछ लोग षड्यंत्र के तहत बातों का बतंगड़ बनाकर समाज में आम-आवाम भोली-भाली नारी को दिग्भ्रमित कर समाज में जहर घोलने का काम कर रही हैं। वहीं मैंने किसी का नाम नहीं लिया और ना ही कोई अमर्यादित बातें कही हैं। बावजूद कुछ महिलाएं चिढ़ ही नहीं रहीं हैं बल्कि अपनी आपा खो रही हैं। साथ ही ऐसी महिलाएं अपनी करतूत से अपने आचरण को समाज में बयां कर रही हैं। उन्होंने बलेंद्र सिंह हत्याकांड का भी जिक्र करते हुए कहा कि बलेंद्र सिंह की पत्नी ने ही अपने पति की हत्या करवाई, जो पुलिस की छानबीन में सामने आया। ऐसी महिलाओं को क्या कहा जाएगा। वे पूजा योग्य हैं या नारी के वेष में राक्षसी हैं। कुछ महिलाएं अपनी आजादी व मन मुताबिक जीवन बसर करने के लिए अपने पति तक की हत्या करवा दे रही हैं। वैसी महिलाएं दूसरे को क्या सीख देंगी। पूर्व विधायक ने कहा कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर व पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह के इशारे पर मेरे खिलाफ रणनीति के तहत दिन प्रतिदिन साजिश रची जा रही है। इन लोगों को गढ़वा विधान सभा में मुझसे ही दिक्कत हो रही है। लोगों का उत्साह व समर्थन देखकर ये दोनों लोग पूरी तरह से हताश हो चुके हैं। खुद तो कुछ कर नहीं पा रहे तो कुछ महिलाओं को आगे कर अपनी रानजीतिक रोटी सेक रहे हैं। कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जो शुरू से ही महिलाओं का सम्मान करती है। जो दूसरे दलों में नहीं होता है। मैं और मेरी पार्टी दोनों की महिलाओं का सम्मान करते हैं। भाजपा ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है। इससे बड़ा सबूत और क्या हो सकता है। जबकि अन्य पार्टियां सिर्फ महिलाआं को ठगने का काम करती हैं। प्रेसवार्ता में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनीता गुप्ता, मीना गुप्ता, मधुलता देवी, शोभा देवी, सरोज सिंह, गीता देवी, गिरजा देवी आदि मौजूद थीं।

मंत्री पर केस दर्ज करायेंगे पूर्व विधायक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। पूर्व विधायक ने कहा कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने संवेदक को लाभ पहुंचाने के लिए अन्नराज डैम का पानी बहवा दिया। जिससे 42 गांवों के लाखों किसानों को सिंचाई नहीं हो सकी। किसानों के प्रति मंत्री के इस रवैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएंगे। किसानों को हर हाल में न्याय दिलाने का काम किया जाएगा। पूर्व विधायक ने कहा कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर को लगने लगा है कि उनकी जमीन खिसक रही है तो वे गिरिनाथ सिंह को साथ मिलाकर मेरे खिलाफ साजिश रचने का काम कर रहे हैं। उन्होंने दोनों को आगामी विधान सभा चुनाव मैदान में जमानत जब्त कराने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि कॉलेज मामले को लेकर वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा
आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निकाली गई निविदा सूचना संख्या–15/2023–24 जिसका पी0आर0संख्या–306713 Building (23-24)D है को अपरिहार्य कारण वश रदद् किया जाता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमण्डल, कोडरमा
PR 307709 Building(23-24)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, चतरा।
शुद्धि–पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, चतरा द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–05(Untied)/RCD/2023-24 के PR No. 307492 Road (23-24)_D दिनांक 23.09.2023 में आंशिक संशोधन करते हुए, क्रम संख्या–2 में परिमाण विपत्र की राशि रू0 5,000=00 के स्थान पर रू0 2,500=00 (दो हजार पाँच सौ रूपये मात्र) पढ़ा जाय। शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता,
प0नि0वि0,पथ प्रमण्डल,
चतरा
PR 307692 Road(23-24)D

ग्रामीणों ने अगस्त माह का राशन नहीं मिलने पर प्रखंड कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्रामीणों ने अगस्त माह का राशन वितरण नहीं करने को लेकर प्रखंड कार्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था कि प्रखंड के जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के द्वारा अगस्त एवं सितम्बर माह का पर्ची निकाल कर केवल एक माह का राशन दिया जा रहा है। जबकि विशुनपुरा प्रखंड में लगातार दो वर्षों से सूखा पड़ने के कारण क्षेत्र में भुखमरी की स्थिति बनी हुई है। भुखमरी के कारण लोग पलायन को मजबूर हैं। इस स्थिति में भी राशन वितरण नहीं किया गया तो लोगों के साथ बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। वहीं इस दौरान ग्रामीणों ने राशन वितरण सुनिश्चित कराने को लेकर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी निधि रजवार को मांग पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने वैसे डीलर जो दो माह का राशन वितरण नहीं करते हैं तो उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई करने की मांग की। वहीं ग्रामीणों को शांत कराते हुए आपूर्ति पदाधिकारी निधि रजवार ने कहा कि जांच कर 15 दिनों के अंदर राशन वितरण करवाया जाएगा मौके पर बलराम पासवान, ऐनुल अंसारी, लतीफ अंसारी, पृथ्वीनाथ पाल, नामुदिन अंसारी, नन्दू गुप्ता, दिनेश राम, दिलीप कुमार, जगदीश बैठा, बाबूलाल सिंह, सवीर अंसारी, संजय मेहता, अनिल रजवार, विश्वनाथ भुइयां, मोहित राम सहित प्रखंड के सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

Govt. of Jharkhand
Office of the Executive Engineer
National Highway Division, Hazaribagh
South of PTC Ground, Hazaribagh - 825301
Phone No. - 06546-222474
E-mail :- nhdivisionhazaribagh@gmail.com / eenhhazari-jhr@nic.in

Short Term Notice Inviting Tender
Tender Reference No. : NH/HAZARIBAGH/2023-24/06
Dated 22.09.2023

1	Name of the work	Renovation of Quality Control Lab in the Campus of I.B., Barhi for the Year 2023-24
2	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 59,99,904=00 (Rupees Fifty-nine Lakh Ninety-nine Thousand Nine Hundred Four) only
3	Time of Completion	Upto 15.03.2024
4	Date of Publication of Tender on website	25.09.2023 from 5:00 pm
5	Last date/Time for receipt of bids online	09.10.2023 up to 5:00 pm
6	Last date/time for physical submission of Earnest Money/DD etc.	10.10.2023 upto 2.00 pm
7	Bid Opening Date and Place	10.10.2023 at 3:00 pm at Chief Engineer (Comm)-cum-Nodal Officer, e-Procurement Cell, Road Construction Department, Jharkhand, 1st Floor, Engineer's Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi- 834004
8	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, National Highway Division, Hazaribagh.

Note : The estimate cost of work is inclusive of GST and Labour Cess.
Further details can be seen on e-tendering portal
Executive Engineer
NH Division, Hazaribagh
PR 307697 (Road)23-24*D

कार्यक्रम : केंद्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज ने प्री प्रोग्राम के तहत सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, गर्ल्स गढ़वा में रंगोली, पेंटिंग्स, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का किया आयोजन

छात्राओं ने कलाकृति से दिया पोषण और स्वच्छता का संदेश

विद्यालय की सभी छात्राओं को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर/गढ़वा। केंद्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज के द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह, स्वच्छ भारत अभियान, मेरी माटी मेरा देश, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स गढ़वा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत उपर्युक्त विषय से संबंधित रंगोली, पेंटिंग्स, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने अपनी कलाकृति के जरिए जागरूकता का संदेश दिया। इससे पूर्व क्षेत्रिय प्रचार अधिकारी डालटनगंज गौरव कुमार पुष्कर ने राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वच्छ भारत अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि स्वच्छता एवं पोषण का एक दूसरे से गहरा संबंध है। सही पोषण के लिए स्वच्छता जरूरी है। श्री पुष्कर ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम, पीएम विश्वकर्मा योजना एवं मेरी माटी मेरा देश के बारे में भी विस्तार पूर्वक छात्राओं को जानकारी दी। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य रेयाज अहमद ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा। प्रतियोगिताओं के समन्वय एवं संचालन में क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही जबकि विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं और शिक्षकों ने इसमें सहयोग किया।

छात्राओं ने ली स्वच्छता की शपथ

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ही सेवा के तहत विद्यालय की सभी छात्राओं को स्वच्छता के महत्व की जानकारी देते हुए स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण आज

केंद्रीय संचार ब्यूरो डाल्टनगंज के द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बुधवार दिनांक 27 सितंबर कोई इसी विद्यालय में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना की आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किशोरियों को पोषण के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी।

लोकेश मिश्र ने की खनन विभाग के कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिया जरूरी दिशा-निर्देश

संयुक्त टीम बनाकर वन क्षेत्र में रखें अवैध खनन पर निगरानी: उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। डीसी लोकेश मिश्र ने जिले में अवैद्य खनन के स्थलों को चिह्नित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कहा कि संयुक्त टीम बनाकर वन क्षेत्र में अवैध खनन पर निगरानी रखें। डीसी मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में खननन विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पिछले एक माह के दौरान अवैद्य खनन की रोकथाम की दिशा में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। मौके पर अवैध खनन के बावत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा, वन क्षेत्रों में होनेवाले अवैध खनन की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई की समीक्षा हुई। डीसी ने कहा कि अभियुक्तों के खिलाफ

पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते डीसी आलोक मिश्रा।

कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। पूर्व में की गई कारवाई की समीक्षा के दौरान जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि अवैध खनन-परिवहन के विरुद्ध वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 54 मामलों पर कारवाई की गई है। इनमें 29 लाख 93 हजार दंड राशि वसूली गई है। खनन पट्टा, क्रशर, ईंट भट्ठा की जांच के क्रम में 34 लाख 56 हजार राशि की वसूली की गई। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में 23 अगस्त से 25 सितंबर तक अवैध खनन-परिवहन के विरुद्ध 11 प्राथमिकी दर्ज की गई और छह लाख 54 हजार रुपये दंड शुल्क की वसूली की गई। खनन पट्टा, क्रशर, ईंट भट्ठा जांच के क्रम 25 सितंबर तक 18 लाख 82 हजार राशि की वसूली हुई। उन्होंने बताया कि जिला खनन कार्यालय द्वारा अवैध खनिज परिवहन एवं अवैध खनिज भंडारण के निरीक्षण के दौरान छह लाख 54 हजार रुपये दंड शुल्क की वसूली की गई। बैठक में जिले में अवैद्य खनन, भंडारण एवं परिवहन को रोकने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, प्रखंडों के अंचलाधिकरियों और थानेदारों को निर्देशित किया कि डेडीकेटेड टीम बनाकर औचक छापेमारी की जाए, ताकि अवैध खनन करने वालों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। बैठक में एसपी अमन कुमार, अपर समाहर्त्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, खान निरीक्षक, मोटर यान निरीक्षक, सभी सीओ और थाना प्रभारी उपस्थित थे।

प्रबंधकों से समन्वय स्थापित कर सखी मंडलों के बैंक लिंकेज करायें: डीडीसी

खूंटी (आजाद सिपाही)। डीसी लोकेश मिश्रा के निर्देश पर मंगलवार को वन धन विकास केंद्र (एफपीओ) और अन्य योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान वन धन विकास केंद्रों द्वारा किये जा रहे कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। डीपीएम जेएसएलपीएस ने बताया कि खूंटी जिले के सदर प्रखंड के सिलादोन गांव और मुरहू प्रखण्ड के पेरका स्थित वन धन विकास केंद्र के माध्यम से संगठित हुए किसान अपनी-अपनी उपज को एकत्रित करते हैं। इन एकत्रित की गई उपज की गुणवत्ता के अनुसार छंटाई भी की जाती है। छंटाई के बाद प्रसंस्करण के लिए भेजा जाता है, जहां संबंधित सामग्रियों का निर्माण होगा। डीडीसी ने निर्देश दिया कि उत्पादन, प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग के चेन को सुदृढ किया जाय। बैठक के दौरान फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन के कार्यों के गठन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिले में संचालित एफपीओ के विकास और कार्यकलापों की जानकारी ली गयी। इसके अतिरिक्त मुरहू नारी शक्ति और सरजोमबा एफपीओ द्वारा किसान उत्पादक समूह के जरिये किसानों को मिल रही मदद की जानकारी दी गयी। बताया गया कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य और आत्मनिर्भर बनने के लिए कृषि उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए एफपीओ को प्रभावी क्षमता निर्माण प्रदान करना आवश्यक है। बैठक में जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं के साथ ही डीएनआरएल एम के तहत सामाजिक समावेशन एवं वित्तीय समावेशन की समीक्षा की गई। निर्देश दिया गया कि बैंक प्रबंधकों के साथ समन्वय स्थापित कर बैंक लिंकेज जल्द से जल्द कराएं।

महत्वपूर्ण न्यूज

समाजसेवी मानकी मुंडा का निधन, शोक

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंडू के समाजसेवी एवं नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी मानकी सिंह मुंडा का सोमवार की देर रात निधन हो गया उनका इलाज मेडिका अस्पताल में चल रहा था। उनके आसामयिक निधन से रांची जिला कांग्रेस सचिव रोशन महतो ने दुःख व्यक्त किया। कहा कि उनकी कमी को भरा नहीं जा सकता। वह अपने पीछे दो बेटे, चार बेटियां और नाती पोत्ता सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

राहे में भालू के हमले में युवक घायल

राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड के अंबाझरिया पंचायत अंतर्गत सुअरमारा गांव में भालू के हमले से डोमन मुंडा (27) नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार की सुबह डोमन मुंडा घर से शौच के लिये जंगल में गया था। वापस लौटने के क्रम में एक भालू ने हमला कर दिया। उसने पूरी ताकत से भालू का मुकाबला किया। उसे रांची के रिम्स अस्पताल भेजा गया है।

आजसू के महाअधिवेशन की तैयारियों को लेकर बैठक

बुंडू (आजाद सिपाही)। आजसू का महाधिवेशन 29 सितंबर से एक अक्टूबर को रांची के मोराहवादी मैदान में होगी। जिसकी तैयारियों को लेकर प्रखंड स्तरीय बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रभारी संजय महतो ने की। बैठक में सर्व सम्मति के निर्णय लिया गया कि तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में आजसू कार्यकर्ता भाग लेंगें। इसके अलावा कार्यकर्ताओं को कई जरूरी दिशा निर्देश भी दिए गये। बैठक में तमाड़ विधानसभा प्रभारी रामदुर्लभ सिंह मुंडा, बुंडू जिला परिषद परमेश्वरी शांडिल, ताराचंद सिंह मुंडा, हरिहर महतो, संतोष महतो, गोवर्धन मछुआ, श्याम महतो, नंदकिशोर महतो, राजकिशन कुशवाहा, मिहिर सिंह मुंडा एवं बुंडू प्रखंड समिति एवं नगर समिति के पदाधिकारी आदि शामिल थे।

मीलेट्स पर आधारित पोषण माह का आयोजन

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सीडीपीओ कार्यालय सभागार में मंगलवार को मीलेट्स पर आधारित पोषण माह मनाया गया। जिसमें मीलेट्स जैसे रागी, बजरा, गुंदली, माडुआ, कोदो, ज्वार, कुटकी आदि मोटा अनाज पर आधारित पोषण माह में प्रदर्शनी लगाई गई। तरह-तरह के पौष्टिक आहार से संबंधित दर्जनों व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। सेविकाओं व उपस्थित धात्री, गर्भवती महिलाओं व किशोरियों को पोषण व पौष्टिक तत्वों के संबंध में जानकारी दी गयी। मोटे अनाज पर आधारित व्यंजनों से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों, विटामिन, प्रोटीन मिनरल आदि के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। एनीमिया से बचाव व आहार के संबंध में जागरूक किया गया। पोषण माह में किशोरियों के बीच स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित किया गया। वहीं गैस सेफ्टी पर डेमो कर गैस का इस्तेमाल करने व गैस सिलेंडर से होने वाले दुर्घटना के संबंध में जानकारी दी गयी। वहीं महिला पर्यवेक्षिका हिमाद्री ने जानकारी देते हुए कहा कि पूरे महीने पोषण माह मनाया गया। उन्होंने कहा कि आज प्रखंड स्तरीय पोषण माह में मीलेट्स पर आधारित प्रदर्शन व जानकारी दी गयी। इस मौके पर बीडीओ कीकू महतो, सीओ भोला शंकर महतो, महिला पर्यवेक्षिका जया पाण्डे सहित सैकड़ों आंगनवाड़ी सेविकाएं उपस्थित थीं।

आयुक्त ने किया अनुमंडल कार्यालय का औचक निरीक्षण

खूंटी (आजाद सिपाही)। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त मनोज जायसवाल ने मंगलवार को खूंटी अनुमंडल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने अनुमंडल कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही कार्यालय की विभिन्न संचिकाओं का निरीक्षण किया। मौके पर एसडीओ अनिकेत सचान सहित कई अधिकारी थे।

बंडा पर्चा खतियान में जाति सवासी अंकित किये जाने से हजारों लोग वर्षों से हैं परेशान

उपेक्षा से हताश लोगों ने लिया उग्र आंदोलन का निर्णय

स्वरूप भट्टाचार्य

टायमारा (आजाद सिपाही)। बुंडू अंचल अंतर्गत कई पंचायतों के सैकड़ों गांव के लोगों का ऑन लाइन व बंडा पर्चा खतियान में जाति सवासी अंकित कर दिये जाने से हजारों लोग वर्षों से परेशान हैं। लोगों ने इसे सुधारने के लिए अंचल कार्यालय में कई बार आवेदन दिये। बुंडू एसडीओ से गलतियों को सुधारने की गुहार लगायी, लेकिन किसी ने ज्वलंत समस्या का समाधान नहीं किया। उल्टे उसे और उलझा कर रख दिया। इसके खिलाफ जनता अब गोलबंद होकर आंदोलन करने का मन बना चुकी है। मंगलवार को सुदूर लबगा गांव में गामीणों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान ने की। जिसका संचालन जोसेफ टुटी ने किया। बैठक में गाभडेया टायमारा चुरगी बारूहातु व तुजू पंचायत के सैकड़ों लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने जिला परिषद सदस्या परमेश्वरी सांडिल

को भी बैठक में बुलाया। इसमें दूर दराज से वृद्ध, जवान, महिला-पुरुष शामिल हुए। सभी के मन में यह डर था कि उनके मरने के बाद उनके बच्चों व समाज का क्या होगा। क्या उनकी जाति बदल जायेगी। इस पर जिला परिषद सदस्या ने बताया कि इस समस्या को महीनों पहले अधिकारी को अवगत करा दिया गया है, लेकिन इस पर अधिकारी ध्यान नहीं देते। बैठक में ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि अब उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। अंचल कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। सरकार को चेतावनी दी जायेगी। गौरतलब हो कि यह इलाका कभी माओवादियों के चंगुल में था। इसी गांव में नक्सलियों ने सादु मुंडा व उसकी पत्नी को पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाकर घर में घुसकर गोलियों से छलनी कर दिया था। ग्रामीणों को यह भी डर है कि इसी की आड़ में फिर से उक्त पंचायतों में माओवादी दस्तक न दें। वहीं, बैठक में जोहन टुटी, बहला पाहान, योगेश्वर अहीर, बंधु राम मुंडा, सुनदुर मुंडा, संदीर मुंडा, बिशु मुंडा, बिसमबर अहीर, सुमबार मुंडा, बोज मुंडा, पतरस टुटी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

किसी कीमत पर नहीं बचेंगे दोषी: रांची ग्रामीण एसपी

ब्रिज निर्माण कार्य में लगे वाहनों को आग लगाने की घटना के बाद पुलिस का छापामारी अभियान जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। मैकलुस्कीगंज और चंदवा थाना क्षेत्र के सीमांत चट्टी नदी पुल के पास सोमवार की शाम छह बजे माओवादियो द्वारा ब्रिज निर्माण कार्य में लगी मशीनों में आग लगाने देने की घटना के बाद पूरे मैकलुस्कीगंज में एक अलग तरह की खामोशी है। चारों ओर सन्नाटा परसा हुआ है। इसी खामोशी के बीच पुलिस प्रशासन चंदवा थाना प्रभारी एवं मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी करते हुए संभावित ठिकानों पर रात से ही लगातार छापामारी अभियान चला रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही रांची के ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो मंगलवार की सुबह खलारी इंस्पेक्टर फरीद आलम के साथ मैकलुस्कीगंज पहुंचे एवं घटना स्थल पर जाकर मुआयना किया। साथ ही थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह को आवश्यक निर्देश

भी दिया। घटना के संबंध में घटनास्थल पर उपस्थित कंपनी के लोगों ने बताया कि शाम छह बज रहे थे। काम खत्म करके मजदूर जा चुके थे। इसी बीच 7-8 की संख्या में हथियारबंद लोग पहुंच गए। वे लोग हाफ पैंट पहने हुए थे, उनके पास रिवॉल्वर भी था। उसी से उन्होंने फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर कुछ लोग भाग गए। एक-दो लोग उनकी पकड़ में आये, किसी के साथ उनलोगों ने अभद्र व्यवहार नहीं किया। मोबाइल को सामने रखवा दिया। उसके बाद बारी-बारी से गाड़ियों को आग के हवाले (पेट्रोल डालकर जिसे वे लोग खुद लाए थे) कर दिया। एमसीसी जिंदाबाद का नारा लगाते हुए वे लोग पश्चिम दिशा की ओर भाग निकले। घटना के बाद से मैकलुस्कीगंज क्षेत्र में सन्नाटा तो जरूर है लेकिन भय जैसा किसी तरह का माहौल नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र में लोग करमा पूजा का आनंद उठा रहे है। जगह-जगह मांदर, ढोल नगाड़ा कि आवज पर लोग नाच गा रहे है। लोगों का मानना है कि यह लेवी का मामला है। पहले भी उस जगह से थोड़ी दूर में इसी कंपनी के साइट पर उग्रवादी हमला हो चुका था।

जिला बाल संरक्षण, सहयोग वीलेज सहित अन्य एजेंसियों के कार्यों की समीक्षा

खूंटी (आजाद सिपाही)। डीसी लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला बाल संरक्षण, सहयोग वीलेज सहित अन्य कार्यरत एजेंसियों की बैठक हुई। जिसमें सहयोग वीलेज, आशा किरण,

आशा ज्योति शिखा के कार्य संचालन की समीक्षा की गई। डीसी की ओर से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। डीसी ने अंचलाधिकारी को स्पांसरशिप प्रोग्राम जैसे फोस्टर केयर स्कीम, पीएम केयर स्कीम के तहत लाभुकों का निरीक्षण और सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मिशन वात्सल्य योजना की त्रैमासिक बैठक का आयोजन करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुचारू रूप से कार्यों का पूर्ण अनुपालन किया जाना चाहिए। साथ ही व्यवस्थाओं को बेहतर करने और समय-समय पर किए जा रहे कार्यों का उचित अनुश्रवण करने को लेकर दिशा निर्देश दिये।

आजसू ने बीडीओ के नाम बीएसओ को सौंपा ज्ञापन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। आजसु पार्टी द्वारा तमाड़ बीडीओ के नाम एक पत्र बीएसओ को दिया गया, ज्ञापन में अगस्त महिना का राशन डीलरों द्वारा उठाव हुआ है या नही, अगस्त महिना का राशन वितरण डीलरों के द्वारा अबतक नही किया गया है, तमाड़ प्रखण्ड में कुल डीलरों की संख्या 95 है, क्या 95 डीलरों को अगस्त महिना का राशन खाद्य आपूर्ति विभाग तमाड़ से आवंटन नही हुआ है, अगर उठाव हुआ है और डीलरों के द्वारा वितरण नही किया जा रहा है जाँच कर उचित कानूनी करवाई करने की कृपा करें। ज्ञापन देने में रमेश मुंडा, राँची जिला सचिव आजसू पार्टी, जगदीश गुप्ता, प्रखण्ड अध्यक्ष आजसू पार्टी तमाड़ धनेश्वर महतो, प्रखण्ड सचिव आजसू पार्टी तमाड़, अशोक गिरी, प्रखण्ड प्रवक्ता आजसू पार्टी तमाड़, शामिल थे।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत की गयी साफ-सफाई

बुंडू (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत बुंडू कार्यालय के द्वारा मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा (15 सितंबर-02 अक्टूबर) के तहत एमआरएफ, एसडब्ल्यूएम प्राइवेट लिमिटेड गुटुहातु एवं विभिन्न सामुदायिक शौचालय तथा पब्लिक शौचालय का साफ सफाई का कार्य नगर पंचायत बुंडू प्रशासक शुभम पोद्दार के निर्देश पर नगर प्रबंधक अनूप कुमार के अलावे सफाई मित्रों सुपरवाइजर द्वारा किया गया।

शिवकुमार बने कर्रा दुर्गा पूजा समिति शिवालय के अध्यक्ष

कर्रा (आजाद सिपाही)। शिव मंदिर प्रांगण में मंगलवार को दुर्गा पूजा को लेकर ग्रामीणों को बैठक विनोद भगत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पिछले वर्ष के लेखा-जोखा कीसमीक्षा की गई और इस साल दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के मनाने का निर्णय लिया गय। पूजा के सफल आयोजन को लेकरकमेटी का गठन किया गया, जिमसें अध्यक्ष शिवकुमार लाल को बनाया गया। उपाध्यक्ष महादेव लोहार, कोषाध्यक्ष सुदामा प्रसाद, सचिव साकेत सिन्हा और सह सचिव छोटन गुप्ता को बनाया गया। समिति के संरक्षक विनोद प्रसाद सोनी, विनोद भगत, धीरेंद्र साहू, भूपाल बडाईक, वंशीधर साहू, करनो बडाईक बनाये गये हैं। पूजा प्रभारी रामचंद्र पांडेय, पंडाल प्रभारी अविनाश कुमार, दीपू केसरी के अलावे 11कार्यकारणी सदस्य चुने गये।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर कल्याणपुर के चौड़ा में पौधों का वितरण

पिपरवार (आजाद सिपाही)। वन एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर पिपरवार थाना क्षेत्र के किचटो पंचायत के चौड़ा आदर्श कार्यालय मंडेर की ओर से समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आदर्श कार्यालय मंडेर के स्वयंसेवी जोधन महतो और बालेश्वर उरांव द्वारा ग्रामीणों के बीच फलदार पौधा का वितरण किया गया। जिसमें कटहल, महुआ, अमरुद, करीपत्ता, इमली, पपीता एवं अशोक के पौधे शामिल है। स्वयंसेवी बालेश्वर उरांव ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र में कोयला उत्खनन को लेकर पेड़ों की कटाई से उत्पन्न हुए पर्यावरण संकट एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर कोयलांचल क्षेत्र के प्रत्येक पंचायत में ग्रामीणों के बीच पौधा वितरण कर पौधा रोपण का सुझाव दिया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि हर मनुष्य अपने अपने घरों में प्रत्येक बच्चे की जन्म पर पौधा जरूर लगाए जिससे क्षेत्र में हरियाली आये और पर्यावरण संरक्षण में एक कारगर कदम साबित हो। मौके पर सीताराम महतो, राजकुमार महतो, बासुदेव महतो आदि थे।

फाइनल में बागीगामा गांव की टीम ने जिउरी टीम को हराया

खेल के आयोजन से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मिलेगा अवसर: नीलकंठ मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। मुरहू प्रखंड के हेठगोवा गांव में इंद मेले के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय हॉकी और फुटबॉल मैच का समापन मंगलवार को हुआ। इस खेल आयोजन में आसपास गांवों की कुल 60 टीमों ने भाग लिया। मंगलवार को पुरुष वर्ग के हॉकी फाइनल मैच में बाजीगामा गांव की टीम ने जिउरी गांव की टीम को हराकर जीत दर्ज की। जबकि पुरुष फुटबॉल के फाइनल मैच में तिरला की टीम बारूडीह को पेनाल्टी शूटआउट में हराकर

विजेता बनी। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच का शुभारंभ कराया। विधायक ने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से मनोरंजन के साथ आपसी समरसता बढ़ती है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने युवाओं से नशा पान सहित अन्य गलत कामों से दूर रहने और खेलों के माध्यम से आगे बढ़ने की अपील की। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मुखिया जगमोहन सिंह पूर्ति, उपाध्यक्ष जूरन सिंह मुंडा, पूर्व मुखिया लोकनाथ मुंडा, जोटो मुंडा, राम बिहारी साव, सुरेश प्रसाद अकेला, राम साहू, जनार्दन मिश्रा, कुदा पंचायत के मुखिया अमर मुंडा, मुखिया दानियल, गोंडा मुंडा नारायण पूर्ति, बिनन मुंडा, धर्मेंद्र पूर्ति, जितेंद्र पूर्ति आदि मौजूद थे।

ईद मिलाद उन नबी की तैयारियों की हुई समीक्षा

पिपरवार (आजाद सिपाही)। बचरा जामा मस्जिद में ईद मिलाद उन नबी त्योहार को लेकर मंगलवार को अंजुमन की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सदर इस्लाम अंसारी और संचालन सचिव इरफान शेख ने किया। बैठक में 28 सितंबर को ईद मिलाद उन नबी को लेकर बचरा में निकले जाने वाले जुलूस ए मोहम्मदी और रात्रि में होने वाले जलसा कार्यक्रम की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की गई। जुलूस और जलशा को सफल बनाने के लिए सभी को अलग-अलग जिम्मेवारी सौंपी गई। अंजुमन द्वारा बताया गया कि जुलूस बचरा जामा मस्जिद से प्रारंभ होगी। इसके अलावे रात में जलसा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बाहर से उलेमा एवं मौलाना शामिल होंगे। बैठक में हाफिज मुमताज, वासिक रजा, इस्लाम अंसारी, इरफान शेख आदि थे।

अनगड़ा पहाड़सिंह बिरहोर टोली का एक बिरहोर दंपति पिछले 26 दिनों से अपने मासूम बच्चे के साथ है लापता

घर में दो मासूम बच्चियों को पेट भरना भी हो गया है मुश्किल

घर में माता-पिता के नहीं रहने से दोनों बच्चियों का रो-रोकर बुरा हाल है

जानकारी के अभाव में अभी तक इस बारे में स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भी नहीं दी गयी है कोई खबर

नसीम अहमद सानी

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के बरवादाग पंचायत अंतर्गत पहाड़सिंह बिरहोर टोली में रहने वाला आदिम जनजाति बहादुर बिरहोर अपनी पत्नी और एक बच्चे के साथ पिछले 26 दिनों से घर से लापता है। ग्रामीणों ने बताया कि विगत 1 सितंबर को बहादुर बिरहोर अपनी पत्नी और बच्चे के साथ दोना-पत्तल और दातुन बेचने के लिए किता रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर रांची के लिए निकला था। लेकिन आज तक वे घर वापस नहीं लौटे हैं। ग्रामीणों ने आशंका जतायी है कि या तो उन्हें रेल पुलिस ने जेल में डाल दिया है या फिर वन विभाग द्वारा वन उत्पाद बेचने के आरोप में पकड़ कर उन्हें जेल भेज दिया गया होगा। ग्रामीणों ने बिरहोर दंपति के साथ किसी बड़ी अनहोनी होने की संभावना भी जतायी है।

बुधवार की सुबह एक टीम बिरहोर टोली जायेगी, बच्चियों के रहने और खाने-पीने की व्यवस्था करेगा प्रशासन : बीडीओ

इधर मामले की सूचना मंगलवार की रात बीडीओ एवं थाना प्रभारी को दी गई है। बीडीओ उत्तम प्रसाद ने कहा कि बुधवार की अहले सुबह एक टीम बिरहोर टोली जायेगी। कहा कि बच्चियों को प्रखंड प्रशासन अपने जिम्मे लेकर उनके रहने और खाने पीने की मुकम्मल व्यवस्था करेगा।

इधर बिरहोर दंपति की दो छोटी बेटियां विगत 1 सितंबर से घर में खुद खाना बनाकर जैसे-तैसे दिन काट रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों एवं अन्य बिरहोर परिवारों में जानकारी का इतना अभाव है कि अभी तक इस बारे में स्थानीय पुलिस-प्रशासन को कोई खबर नहीं की गई है। दोनों बेटियों में एक की उम्र 3 साल तथा दूसरी 5 साल की हैं। घर में माता-पिता के नहीं रहने से दोनों बच्चियों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि आदिम जनजाति के कारण इनके आगे-पीछे कोई रिश्तेदार भी नहीं हैं, जो सही तरीके से इनकी देखभाल कर सकें। दोनों बच्चियों को पेट भरना भी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों के प्रयास से जनवितरण प्रणाली की दुकान से इन्हें चावल मिल गया है। लेकिन भोजन के लिए अन्य आवश्यक सामग्री का अभाव देखा जा रहा है। बच्चियां किसी तरह सिर्फ चावल उबाल कर अपनी भुख मिटाने को विवश हैं।

महत्वपूर्ण न्यूज

नामकुम में धूमधाम से मना करम पर्व, बहनों ने निर्जला उपवास रख भाइयों के लिये मांगी दुआ

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत ग्राम सरवल, तेतरी, सहेरा, चरनाबेड़ा, भुसुर, पिंडार कोम, डहुटोली, सरनाटोली, खिजरी व उसके आसपास के गांवों के अखड़ा में हर्षोल्लास के साथ करम पर्व मनाया गया। युवा सरना समिति नामकुम जोरार के द्वारा अखरा में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और युवतियों ने भाइयों की लंबी उम्र की कामना को लेकर उपवास रख करम पूजा की। इस दौरान दर्जनों अखरा में महिलाओं और युवतियों ने मांदर की थाप पर करम गीतों पर नृत्य किया। यह पर्व भाई-बहन के स्नेह और प्रेम की निशानी के रूप में भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि को हर साल मनाया जाता है। सात दिनों से चले इस पर्व के अंतिम दिन बहनों ने निर्जला उपवास कर शाम को आंगन में करम पौधे की डाली गाड़कर पूजा अर्चना की और बड़ों से आशीर्वाद लिया। इस दौरान करम गीत से पूरा वातावरण में गुंजायमान हो उठा। मौके पर मुख्य रूप से युवा सरना समिति नामकुम के अध्यक्ष ज्ञान मुंडा, विधायक प्रतिनिधि रंजीत बड़ाईक, श्याम मुंडा, रंजन मुंडा, विश्वनाथ मुंडा, कैलाश मुंडा, अनूप, आशीष, रितेश, सूरज, सिकंदर, निखिल, रामा, बालकृष्णा, संदीप के साथ युवा सरना समिति के सदस्य मौजूद थे।

करम पर्व पर हहाप पंचायत में खस्सी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। करम पर्व के अवसर पर हहाप पंचायत के जामुन टोली में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका फाइनल मैच सोमवार को बड़ाम बनाम बड़कुंबा के बीच खेला गया। जिसमें बड़ाम की टीम विजेता बनी। टूर्नामेंट के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में खिजरी विधायक राजेश कच्छप उपस्थित थे। मौके पर उन्होंने करम पर्व की बधाई देते हुये कहा कि झारखंड में खेल नीति का होना बहुत आवश्यक है। यहां के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें खेल संबंधी आवश्यक तकनीकी जानकारी चाहिये। निश्चित रूप से यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल खेल सकेंगे। मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप एवं विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप, जिप सदस्य बिपिन टोप्पो, पंसस रोजलीन सुशीला तिर्की, मुखिया नन्हे कच्छप, माधो कच्छप ने विजेता टीम को बड़ा खस्सी एवं उपविजेता टीम को छोटा खस्सी देकर सम्मानित किया। आयोजन समिति के द्वारा अतिथियों को पौधा भेंट किया गया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में वार्ड सदस्य विनोद कच्छप, वार्ड सदस्य मादी टोप्पो, राजेन्द्र लकड़ा, विरामन लकड़ा, सरिता देवी, चामू बेक, लक्ष्मण लकड़ा आदि का अहम योगदान रहा।

बेड़ो में करम डाली का जलाशयों में विसर्जन के साथ करम पर्व संपन्न

बेड़ो (आजाद सिपाही)। करम पर्व के दूसरे दिन मंगलवार को करम डाल का विसर्जन किया गया। सुबह में करम डाली की पूजा के बाद विभिन्न जलाशयों में विसर्जन किया गया। इससे पूर्व करम डाल को उठाया गया। और उपवास पर रहीं युवतियां-महिलाओं ने करम डाली की पूजा अर्चना की।विसर्जन करने के लिए निकले लोग पारंपरिक गीतों पर नृत्य करते दिखे। बालिकाओं ने करम करम कहले आयो, करम का दिन, अषाढ़-सावन बीत गेला रे...,आए गेलैं भादो, आंगना में कादो भाई रीझ लागे... झुमइर खेले में आगे बाई रीझ लागे... भादो की एकादशी समेत अन्य गीतों पर जमकर नृत्य किया। करम डाली विसर्जन को लेकर बेड़ो,टिकरा टोली, करंज टोली, डूमर टोली,बेड़ो बस्ती समेत विभिन्न गांवों में गाजे बाजे व पारंपरिक नृत्य गीत के साथ शोभायात्रा निकाला गया। इसके पूर्व जावा फूलों को एक दूसरे को देते हुए करमा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए मांदर, ढोल, नगाड़े की धुन पर करमा के गीतों पर सामूहिक नृत्य किया गया।गांव के खोड़हा दलों द्वारा निकाले गए जुलूस में महिला,पुरुष, बच्चो ० युवतियों ने पारंपरिक गीत गाये गए। इधर बेड़ो के हथुवा पुल के समीप गांव के पहान पुजार की अगुवाई में अखड़ा से लाये गए करम डाली का विसर्जन किया गया।

लंबित योजनाओं को टीम भावना के साथ करायें पूर्ण : बीडीओ

बेड़ो प्रखंड कार्यालय में बीडीओ ने की मनरेगा, पीएम आवास व 15वें वित की योजनाओं की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक बीडीओ डा प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मौके पर उन्होंने मनरेगा , प्रधानमंत्री आवास योजना और 15वें वित के तहत प्रखंड में जारी विभिन्न योजनाओं का समीक्षा कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा योजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्य पूर्ण करते हुए समय पर योजनाओं का पूर्ण होना ही विकास है। लंबित योजनाएं विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा है। इसलिए यह आवश्यक है की समय पर योजनाओं को पूर्ण करने के लिए सभी को मिलकर टीम भावना से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एबीपीएस के माध्यम से मजदूरों का शत प्रतिशत भुगतान किया जाना है जिसके लिए हर संभव प्रयास कर यह लक्ष्य प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने प्रत्येक गांव में पांच-पांच योजनाओं की संचालन और डेढ़ सौ से अधिक मजदूरों को कार्य दिए जाने की बात कही। प्रधानमंत्री आवास योजना और अंबेडकर आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि उन योजनाओं को मनरेगा में नियम अनुसार पूर्ण किए जाने जो आवास सॉफ्टवेयर पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही सभी पूर्ण आवास को एम आई एस में बंद करने की प्रक्रिया भी तेज करने को कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने 15 वे वित्त सहित अन्य विकास योजनाओं की समीक्षा की और सभी कार्यों में प्रगति लाने को कहा।

मौके पर बीपीओ संजय तिर्की, प्रधान लिपिक फारुख नदीम, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम भाई पटेल, कनीय अभियंता सद्दाम अंसारी के अलावे कई पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, जनसेवक एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

अंजलि निशा कच्छप को मिस झारखंड ब्यूटी विथ ब्रेन 2023 से नवाजा गया

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी के केसारो गांव की रहने वाली अंजलि निशा कच्छप को मिस झारखंड ब्यूटी विथ ब्रेन 2023 से नवाजा गया। यह प्रतियोगिता कटहल मोड़ स्थित द पड़ोसन रिसोर्ट में आयोजित मिस झारखंड फेम के भव्य समारोह में निशा कच्छप ने बॉबी एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत मिस झारखंड ब्यूटी विथ ब्रेन 2023 का खिताब जीता। अंजलि निशा ने अपने शानदार व्यक्तित्व से जजों को प्रभावित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एंजेल मरीना तिर्की (क्वीन ऑफ इंटरनेशनल टूरिज्म 2023) और प्रतियोगिता के निदेशक मृत्युंजय कुमार ने प्रतियोगिता का विजेता घोषित कर निशा को पुरस्कृत किया।

नगड़ी प्रखंड कार्यालय में पोषण दिवस मनाया गया

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड कार्यालय में एकदिवसीय पोषण दिवस मनाया गया। जिसमें नगड़ी प्रखंड के आंगनबाड़ी सेविका काफी संख्या में उपस्थित थीं। सभी लोगों को पोषण से संबंधित जानकारी दी गई। इस अवसर पर नगड़ी बीडीओ नूतन कुमारी और जिला परिषद सदस्य पूनम देवी ने भी मानव जीवन में स्वस्थ रहने के कई उपाय बताये। इस अवसर पर 12 आंगनबाड़ी सेविकाओं को गैस सिलेंडर भी दिया गया। इस मौके पर नगड़ी की सीडीपीओ रीना कुमारी और सुपरवाइजर दिव्या सिंह, किरण शर्मा, सुलेखा आदि लोग उपस्थित थे।

11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से मवेशी की मौत

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। हरातु पंचायत के आगरटोली गांव में ग्यारह हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से एक मवेशी की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह की है। जानकारी के अनुसार आगरटोली गांव निवासी रमेश महतो के जानवर बांधा हुआ था। उसी क्रम में ग्यारह हजार वोल्ट तार टूटकर गिर गया और जानवर तार की चपेट में आ गया। जिससे जानवर की मौत घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर किसान को जानवर की मौत से काफी नुकसान हुआ है। मुखिया राजेंद्र बेदिया ने घटनास्थल पहुंच कर घटना की जानकारी ली। साथ ही बिजली विभाग से मुआवजा की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार दो युवक घायल

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नरकोपी थाना क्षेत्र के बाजरा गांव के समीप स्कूटी सवार दो युवक असंतुलित होकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने घटना की सूचना नरकोपी थाना पुलिस को दिया। इसके बाद नरकोपी पुलिस की टीम ने स्कूटी सवार दोनों युवकों को इलाज के लिए उठाकर बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां दोनों घायल युवकों की पहचान ग्राम सरवा के 22 वर्षीय लालू उरांव पिता शनि उरांव और 21 वर्षीय पवन उरांव पिता बिरसा उरांव के रूप में हुई। इधर बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी।

ओरमांझी मंडल भाजपा ने अंडर 14 नेशनल फुटबाल विजेता टीम की बेटियों को किया सम्मानित

बेटियां किसी भी मायने में बेटों से कम नहीं हैं : अमरनाथ चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। भाजपा ओरमांझी मण्डल के द्वारा अंडर 14 नेशनल खिलाड़ी आरती कुमारी, सृष्टि कुमारी और चंचला कुमारी को भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी के नेतृत्व में घर जाकर पुष्प गुच्छ, माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया व उज्जवल भविष्य की कामना गई।

मालूम हो कि पंजाब अमृतसर में आयोजित नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बेटियों ने फाइनल मैच में विजय दिलाकर झारखंड राज्य को चैंपियन बनाया है। प्रतियोगिता में शामिल आरती कुमारी ने गोवा वर्सेस झारखंड, वेस्ट बंगाल वर्सेस झारखंड में एक-एक गोल दाग कर चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। झारखंड टीम में चकला की तीन बेटियां शामिल थीं भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी ने कहा कि हमारी बेटियां बेटों से किसी मायने में कम नहीं हैं। राज्य व देश का नाम रोशन कर रही हैं।

इस अवसर मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, रांची जिला ग्रामीण वरीय उपाध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि, मुखिया शिवनाथ मुंडा, ग्राम प्रधान बालक पाहन, अलखनाथ महतो, मुखिया वीरेंद्र मुंडा, आफताब आलम, जितेंद्र महतो, अंबिका महतो, शशि मेहता, नरेश महतो, दीपक कुमार, दिनेश महतो, राम लखन महतो, आसाराम महतो, जगलाल महतो आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

चोरी के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को भेजा जेला

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी पुलिस ने एक पिकप वैन चोरी के मामले में मंगलवार को तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार युवकों में बेड़ो थाना क्षेत्र के जरिया गांव के मनोज उरांव, सुनील उरांव और बेडो का ही जहानाबाज गांव का रामा उरांव शामिल है। पिछले 14 सितम्बर को कुर्गी गांव के निकट से जेएच-01- डीजे 9071 नम्बर की एक पिकप बैन को चोरों ने चोरी कर लिया था। पुलिस ने गुप्त सूचना पर 16 सितम्बर शनिवार को बेडो के करंज टोली से पिकप वैन को बरामद कर लिया । किन्तु चोर पुलिस के गिरफ्त से बाहर थे। पुलिस को इन लोगों की तलास थी। छापामारी अभियान चलाकर पुलिस ने तीनों आरोपियों को धर दबोचा। छापामारी में थाना प्रभारी अमित प्रशांत, एएसआई एनुल हक, एएसआई बसंत राम और शस्त्र बल शामिल थे।

ओरमांझी में करम डाली विसर्जन के साथ करम पूजा धूमधाम से संपन्न

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। सोमवार को मनाई जाने वाली करम महोत्सव पूरे प्रखंड में डाली विसर्जन के साथ ही धूमधाम से संपन्न हो गया। प्रखंड के लगभग सभी अखड़ा में देर रात तक लड़कियों एवं महिलाओं द्वारा विधिवत पूजा कर अपने भाइयों कीलंबी उम्र की कामना की गयी। साथ ही राज्य एवं देश की खुशहाली की कामना की गई। रात भर महिला-पुरुष, युवक-युवतियां व बच्चे अखड़ा में पारंपरिक गीत नृत्य पर झूमते नजर आए। मंगलवार को देर शाम तक प्रखंड के सभी अखड़ा के लोगों ने नाचते-गाते करम डाली का विसर्जन किया।

करम डाली विसर्जन में खलल डालने का किया गया प्रयास, पुलिस ने मामला शांत कराया

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। सिकिदिरी के हेसातु करम डाली विसर्जन में खलल डालने का प्रयास किया गया था। जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम को सिकिदिरी निवासी अलीम अंसारी व उनके तीन सहयोगीयों ने थाने में आकर क्रब्रिस्तान की चारदीवारी तोड़ने का झूठा आरोप लगाया गया था। साथ ही करम अखड़ा में जाकर अलीम अंसारी के द्वारा अपशब्द गाली गलौज करने का आरोप लगाया गया है। इधर सिकिदिरी पुलिस घटना की जांच करने पहुंची। उसी बीच ग्रामीणों से क्रब्रिस्तान की चारदीवारी तोड़ने का झूठा आरोप को लेकर तू तू मै मै हुआ व ग्रामीण उग्र हो गए और सैकड़ों महिला- पुरूष थाने पहुंचे। झूठा आरोप लगाने वाले व्यक्ति को समाने लाने की मांग कर रहे थे। थानेदार के द्वारा ग्रामीणों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

कार्यक्रम : पिठोरिया के मदनपुर गांव में भव्य इंद मेला का आयोजन

मेला में पाहन और पुरोहित ने विधिवत रूप से की टोपर की पूजा

इंद मेला की प्राचीनता ही इसकी महता को दर्शाता है : सांसद संजय सेठ

यह मेला आदिवासी और गैर आदिवासियों की समानता और समरसता का उदाहरण है : विधायक समरीलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

पिठोरिया। पिठोरिया के मदनपुर गांव में भव्य इंद मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में रांची सांसद संजय सेठ उपस्थित थे। विदित हो कि महाराज मदरा मुंडा ने पड़हा पंचों की सहमति से सन् 83 ईस्वी में जब अपनी राजगद्दी बालपोश पुत्र फणिमुकुट राय को सौंपी। इसी की याद में इंद मेला की शुरुआत की गई। इस प्रकार 1941 ईस्वी से नियमित रूप से इंद मेला का आयोजन पिठोरिया के मदनपुर गांव में हो रहा है। मुख्य अतिथि रांची सांसद संजय सेठ ने अपने संबोधन में कहा कि इंद मेला की प्राचीनता ही इसकी महता को दर्शाता है। यह स्थल महाराज मदरा मुंडा के साथ प्रथम नागवंशी महाराज फणिमुकुट राय की याद भी दिलाता है।

विशिष्ट अतिथि कांके विधायक समरी लाल ने कहा कि यह मेला आदिवासी और गैर आदिवासियों की समानता और समरसता का उदाहरण है। सामाजिक सद्भाव का यही रूप इस मेले की मुख्य विशेषता रही है। इंद मेला का झारखंड में लगने वाले मेलों में विशेष स्थान है।

इस मौके पर पाहन और पुरोहित के द्वारा विधिवत रूप से टोपर की पूजा कर मेला की शुरुआत की गई। 12, 22, 24 और झुका पड़हा समुदाय के लोग पारंपरिक वेशभूषा व हथियार के साथ में उपस्थित होकर मेले की शोभा बढ़ा रहे थे। वर्षा के व्यवधान के बावजूद लोगों को उत्साह चरम पर था। सभी धर्म के मानने वाले लोग, विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथिगण और विविध भाषा बोलने वाले लोग की उपस्थिति से मेला की समरसता देखते बन रही थी।

मेला के आयोजन में सुतियांबेगढ़ इंद मेला पड़हा समिति के अध्यक्ष रंजीत टोप्पो, कार्यकारी अध्यक्ष सोहराई टोप्पो, उपाध्यक्ष- फ्रांसिस लिंडा व तीर्थनाथ पाहन, महासचिव प्रो. भदी प्रकाश उरांव, कोषाध्यक्ष रामू उरांव, पड़हा राजा उज्जवल पाहन सहित अन्य का योगदान सराहनीय रहा।

ओरमांझी स्थित मंदिर में स्थापित बजरंगबली की पुरानी मूर्ति को जल प्रवाहित किया गया

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। ओरमांझी गांव स्थित हनुमान मंदिर में स्थापित बजरंगबली की पुरानी मूर्ति को जल प्रवाहित करने हेतु पंडित मुकेश कुमार पांडेय के द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना छिन्नमस्तिका मंदिर में की गयी। नवनिर्मित मंदिर में बजरंगबली की नवप्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लिया गया। ओरमांझी महतो टोली में वर्षों पूर्व बजरंगबली का मंदिर जीर्ण-शीर्ण था, जिसका जीर्णोद्धार किया गया है। मूर्ति को जल प्रवाह के अवसर पर युवा समाजसेवी सह समिति के अध्यक्ष आनंद महतो, सचिव पंकज महतो, मोनू कुमार, राकेश कुमार, राहुल कुमार, मुकेश महतो, प्रेम महतो, रूपेश महतो, प्रदीप महतो, मुंशी महतो, आशुतोष कुमार, सुनील महतो अनिल महतो सहित कई लोग शामिल थे।

कुपोषण के स्तर में सुधार ही कार्यक्रम का उद्देश्य : सुमित्रा

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय में मंगलवार को महिला प्रवेक्षिका सुमित्रा कुमारी के नेतृत्व में पोषण माह का आयोजन किया गया। हरिहरगंज और पीपरा प्रखण्ड के कई आंगनबाड़ी केंद्रों से आयी सेविकाओं ने बाजरा, मकई, मडुआ, जुवाड़, कोदो सहित अन्य प्रकार के मोटे अनाजों के बनी खीर, रोटियां, हलवा, इटली, ढोकला, पुआ, घाटा आदि व्यंजन के अलावा हरी साग सब्जियां एवं फलों की प्रदर्शनी लगाई गई। वहीं, महिला पर्यवेक्षिका सुमित्रा कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य 0 से 6 वर्ष के बच्चों को कुपोषण से रोकना और बच्चों के कुपोषण लेवल में सुधार करना है। 15-49 वर्ष की महिलाओं-लड़कियों में एनीमिया के प्रसार को रोकना भी है।

दहशत : मुखिया ने हुसैनाबाद थाना को आवेदन देकर लगायी सुरक्षा की गुहार

लेवी नहीं देने पर मुखिया के घर के समीप फायरिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के झारगड़ा ग्राम पंचायत के मुखिया के घर के समीप अज्ञात अपराधियों ने दरवाजे को खुलवाने की कोशिश करते हुए फायरिंग की। साथ ही धमकी देते हुए उत्तर दिशा की ओर भाग गए। मंगलवार की सुबह सड़क पर दो खोखा भी बरामद हुआ, जिसे मुखिया ने पुलिस को सौंप दिया है। मुखिया अशोक चौधरी ने हुसैनाबाद थाना को दिए आवेदन में बताया कि 23 व 25 सितंबर को दिन में किसी ने उसके

मोबाइल पर फोन किया। उसने सीधे लेवी की मांग की। साथ ही धमकी भी दी थी कि पैसे नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस बीच सोमवार की रात 10.45 बजे चार अज्ञात व्यक्तियों ने घर पर आकर दरवाजा पीटा उसके बाद शटर पर डंडे मारे। बल्ब फोड़ दिया। उसके बाद गाली गलौज करते हुए दो राउंड हवाई फायर भी की। इसके बाद धमकी देते हुए गांव की उत्तर दिशा की ओर भाग गए। सुबह दरवाजा खोलने पर सड़क से दो खोखा मिला, जिसपर बीएमएम केएफ अंकित है। मुखिया ने पुलिस से दोषी लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई करने व जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उधर, सूचना मिलने पर प्रभारी थाना प्रभारी सूचित राणा व एसआई शौकत खान दल-बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और जांच शुरू कर दी है।

मृतक की आत्मा की शांति के लिए सेजिया के साथ ही पौधा दान भी जरूरी : कौशल किशोर

पर्यावरणविद कौशल ने श्राद्धकर्म में शामिल होकर मृतक के नाम किया पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के बाइपास रोड स्थित गायत्री नगर एकता पथ में राजद नेता रामनाथ चंद्रवंशी के रिश्तेदार सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक ललिता कुमारी के श्राद्धकर्म में शामिल होकर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत मृतक के नाम उनकी आत्मा की शांति के लिए थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधरोपण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि जब घर में माता-पिता या कोइ भी बड़े बुजुर्गों का सिर से साया हट जाए तो पर्यावरण धर्म के तहत मृतक के नाम लगाए गए पौधे न सिर्फ जीवन में सम्बलता प्रदान करता है बल्कि उनकी याद को भी मजबूती प्रदान करता है। पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने कहा कि हमारी हिंदू संस्कृति में पौधों को देव तुल्य मानकर उसे पूजा करने का विधान है। क्योंकि एक वृक्ष से समस्त धरती और ब्रह्मांड पर रहने वाले कई जीवों को अनेकों लाभ मिलता है। जिसका उपभोग लोग सदियों से करते आ रहे हैं। इसका प्रमाण हमारे धर्म ग्रंथों में भी उल्लेखित है। श्राद्ध कर्म में मृतक ललिता कुमारी की बहन मंजू देवी पति रामनाथ चंद्रवंशी, पूर्व सांसद घूरन राम, केडी सिंह, हृदयानंद मिश्रा, जुगल किशोर चंद्रवंशी, बीस सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी, पत्रकार संजय पांडेय, धनंजय पासवान, उमाशंकर सिंह, महावीर सिंह चंद्रवंशी, सुरेश जैन, साहिल साहनी, श्रवण प्रसाद गुप्ता, रामदेव प्रसाद यादव, उमेश प्रसाद गुप्ता, संजय प्रसाद, विनोद सोनी, धीरेंद्र कुमार सिंह, रोशन कुमार, धनंजय सिंह, प्रदीप कुमार, सुलेमान अंसारी, सत्यनारायण यादव, जियाउद्दीन अंसारी, अजय यादव, सुदर्शन राम समेत शहर के कई प्रमुख लोग शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित किए।

विद्यार्थी परिषद ने किया सांसद को सम्मानित

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। विद्यार्थी परिषद की ओर से मेदिनीनगर नगर मंत्री रामाशंकर पासवान के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम को अंगवस्त्र एवं पुष्प गूच्छ देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर उपस्थित विद्यार्थी परिषद के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने से महिलाएं और सशक्त होंगी। वर्तमान में केंद्र सरकार की ओर से महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए यह अति सराहनीय कदम हैं। इस अवसर पर परिषद के प्रदेश खेल कूद सह प्रमुख अभय वर्मा, नगर सह मंत्री नितीश दूबे, राहुल कुमार चेरो, कार्यालय मंत्री उत्कर्ष तिवारी, रोहित गूप्ता और राजन कश्यप आदि उपस्थित थे।

भाजपा तोड़ना और झामुमो जोड़ना जानती है : राजेंद्र

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू के स्थानीय परिसदन भवन सभागार में झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष फजायल अंसारी और संचालन नन्हे खान ने की। बैठक में पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि संगठन कि मजबूती के लिए सदस्यता अभियान को गति देने की जरूरत है। साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को आम जनों से जोड़कर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने भाजपा पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि झामुमो जोड़ना जानती है, जबकि भाजपा तोड़ना। तोड़ने वाली शक्तियों से समाज को बचाना होगा। बैठक में कई प्रखंडों के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुए और जन समस्याओं से पार्टी अध्यक्ष को अवगत कराया। जिसे झामुमो ने अध्यक्ष शीघ्र समाधान करने की बात कही।

सही पोषण के लिए स्वच्छता जरूरी: गौरव कुमार

कलाकृति से दिया पोषण और स्वच्छता का संदेश

डालटनगंज की ओर से प्री प्रोग्राम के तहत गढ़वा गर्ल्स सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में रंगोली, पेंटिंग्स, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर/पलामू। डाल्टनगंज केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से राष्ट्रीय पोषण माह, स्वच्छ भारत अभियान, मेरी माटी मेरा देश, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर गढ़वा के गर्ल्स सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत उपयुक्त विषय से संबंधित रंगोली, पेंटिंग्स, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी कलाकृति के जरिए जागरूकता का संदेश दिया। इससे पूर्व डाल्टनगंज के क्षेत्रिय प्रचार अधिकारी गौरव कुमार पुष्कर ने राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वच्छ भारत अभियान के बारे में बताया। कहा कि स्वच्छता एवं पोषण का एक दूसरे से गहरा संबंध है। सही पोषण के लिए स्वच्छता जरूरी है।

विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण आज

डाल्टनगंज केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को इसी विद्यालय में किया जाएगा। इस दौरान सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना की आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किशोरियों को पोषण के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी।

उन्होंने नारी शक्ति वंदना अधिनियम, पीएम विश्वकर्म योजना एवं मेरी माटी मेरा देश के बारे में भी विस्तार पूर्वक छात्राओं को जानकारी दी। वहीं, प्राचार्य रेयाज अहमद ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा। प्रतियोगिताओं के समन्वय एवं संचालन में क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं और शिक्षकों ने इसमें सहयोग किया। वहीं, कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ही सेवा के तहत विद्यालय की सभी छात्राओं को स्वच्छता के महत्व की जानकारी देते हुए स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

कुपोषण मुक्त समाज निर्माण के लिए सभी की सहभागिता जरूरी : किरण

सेविकाओं ने प्रदर्शनी लगाकर मोटा अनाज व पोषण के प्रति किया जागरूक

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को पोषण आहार को लेकर बाल विकास परियोजना की ओर से एक दिवसीय पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दैरान आंगनवाडी सेविकाओं की ओर से मोटे अनाज से युक्त विभिन्न पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें बाजरे का लड्डू, रागी इडली, ज्वार का ढोकला, सावा खीर, रागी डोसा आदि शामिल था। इसके जरिए पोषण व संतुलित आहार के बारे में जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षिका किरण कुमारी व नीलम कुमारी ने मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि के महत्व एवं इससे पहुंचने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया। कहा कि खाने में संपूर्ण पोषण न मिलने के कारण आजकल बच्चे एनीमिया जैसी बीमारी के शिकार हो जाते हैं। जिसके लिए संतुलित आहार मिलना जरूरी है। उन्होंने भोजन और अलग-अलग खाद्य पदार्थों में मिलने वाले प्रमुख तत्वो जैसे कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, प्रोटीन, खनिज लवण आदि के बारे में भी बताया। कहा कि कुपोषण मुक्त समाज के लिए सबकी सहभागिता आवश्यक है। इस मौके पर सेविका शांति देवी, कमला कुंवर, रश्मि देवी, जयंती देवी, मिना देवी, लीलावती देवी, पूनम कुमारी, उषा कुमारी, नसरीन तलत बानो, शारदा कुंवर आदि मौजूद थे।

युवाओं के अंदर एचआइवी जागरूकता ही एड्स को दूर भाग सकती है : सिविल सर्जन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति की ओर से यूथ फेस्ट 2023 का आयोजन किया गया। मंगलवार से ओजित महोत्सव 30 सितंबर तक चलेगा। इसकी शुरूआत पलामू एसपी, एसडीपीओ और सीएस ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद मैराथन दौड़ को पलामू के सीएस डॉ अनिल कुमार सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ विजय कुमार सिंह, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहार, आईसीटीसी काउंसलर चंदन कुमार, फर्ज संस्था के परियोजना प्रबंधक आलोक कुमार सिंह, परियोजना निदेशक स्वर्णालता रंजन, काउंसलर तनुजा एवं एआरटी से विकास जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह कार्यक्रम जिला स्तरीय रखा गया था जिसमें जिले के 17 वर्ष से 25 वर्ष तक सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार वाल्टर कांडूलना, द्वितीय पुरस्कार सुधाकर कुमार, तृतीय पुरस्कार रामस्वरूप यादव एवं महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार आकांक्षा कुमारी, द्वितीय पुरस्कार गांजी भेंगरा, तृतीय पुरस्कार जशींता कुमारी को मिला। सभी खिलाड़ी डे बोर्डिंग सेंटर के है। वहीं, मैराथन दौड़ का संचालन जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहड़ा ने किया। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ विजय कुमार सिंह ने कहा खेल के माध्यम से युवाओं के अंदर एचआईवी की जागरूकता को बढ़ाना एक नई पहल है। इससे एचआईवी से बचाव भी होगा और पीड़ितों के साथ हो रहे भेदभाव में भी रोकथाम आएगी। वहीं, सिविल सर्जन डॉ अनिल सिंह ने कहा कि युवाओं के अंदर एचआईवी का प्रसार प्रचार बहुत ही जरूर जरूरी है। ताकि एचआईवी जैसी बीमारियों से भविष्य की धरोहर को बचा सकेंगे। आईसीटीसी काउंसलर चंदन प्रभाकर ने कहा कि यह एक अनूठी पहल है।

अफगानिस्तान टीम वर्ल्ड कप के लिए भारत पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे वर्ल्ड कप के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट टीम मंगलवार को भारत पहुंच गई। टूर्नामेंट पांच अक्टूबर से खेला जाएगा। अफगान टीम ने भारत पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। अफगानिस्तान टीम वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले दो वार्म-अप मैच खेलेगी। पहला मैच 29 सितंबर को साउथ अफ्रीका और दूसरा 3 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ होगा। अफगानिस्तान का पहला मैच बांग्लादेश और दूसरा मैच भारत से है।

महत्वपूर्ण न्यूज

पंडित राजा राम मिश्र की प्रथम पुण्यतिथि पर 20 नवंबर को डालटनगंज में होगा हस्तियों का जुटान

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। झारखंड के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ पलामू प्रमंडल में संगीत जगत के पुरोधा ख्याल सम्राट स्वर्गीय पंडित राजा राम मिश्र की प्रथम पुण्यस्मृति व स्वर्गीय पंडित राम रक्षा मिश्र की 28 वीं पुण्यस्मृति स्मरणोत्सव पर डाल्टनगंज के होटल चंद्रा रेसीडेंसी में 20 नवंबर को आयोजित संध्याकालीन सांगीतिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आराधना में भाग लेंगे 'तुम्हारी दौलत नई नई है' फेम मशहूर सिंगर कुमार सत्यम। इसकी जानकारी शहर के प्राचीन संगीत प्रशिक्षण केंद्र देवरानी संगीत महाविद्यालय के निदेशक नीरज मिश्र एवं संचालक संगीत गुरु सूरज कुमार मिश्र ने दी है। गौरतलब हो कि दोनों स्व. पंडित राजा राम मिश्र के सुपुत्र हैं। बताया कि कार्यक्रम में बनारस घराने के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक पद्मविभूषण पंडित किशन महाराज जी के पीढ़ी से पंडित शुभ महाराज (नई दिल्ली) का तबला वादन होगा। जबकि शास्त्रीय संगीतज्ञ पद्मविभूषण डॉ पंडित छन्नू लाल मिश्र के परमशिष्य डॉ. इंद्रेश मिश्रा का शास्त्रीय और उप शास्त्रीय गायन भी होगा। देश विदेश के चर्चित चेहरे मशहूर तबला वादक राजेश मिश्रा भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। बनारस के प्रसिद्ध युवा सारंगी वादक अंकित मिश्रा और पलामू के ढोलक तबला वादक सोनू कौशिक भी प्रस्तुति देंगे।

छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र में समस्याओं का अंबार

छतरपुर (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत छतरपुर में अनगिनत समस्याएं है। आलम यह है कि करोड़ो खर्च होने के बावजूद धरातल पर कहीं काम नहीं दिखता। छतरपुर नगर पंचायत के गठन के पांच साल पूरे हो गए है फिर भी यहां कई बुनियादी समस्याएं आज भी मुंह बाए खड़ी है। अरविंद ने जिन समस्याओं की ओर कार्यपालक अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया है उनमें थाना परिसर, अमण्डलीय हॉस्पिटल परिसर, वन विभाग परिसर और मीडिल स्कूल परिसर में मार्केट काम्प्लेक्स का निर्माण करवा कर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना आदि शामिल है। इस बाबत सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि स्ट्रीट लाइटों की खरीदारी में दो करोड़ 48 लाख की अनुमानित लागत आयी है। अगर प्रति लाइटों की कीमत देखें तो लगभग 8500 रुपये है, जबकि वास्तविक मूल्य बेहद कम प्रतीत होता है। नगर में ऑटो स्टैंड का निर्माण कर मूलभूत सुविधाएं बहाल करने। जलसंकट के मद्देनजर पीएचईडी द्वारा पांच पांडव पहाड़ी पर निमार्णाधीन पानी टंकी का निर्माण अविलंब सुनिश्चित कराने को कहा, ताकि नगर में व्याप्त जल संकट से निबटा जा सके। इस पर कार्यपालन ने सहयोग का सकारात्मक आश्वासन दिया।

स्पोर्ट्स

हांगझोऊ में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में तीसरे दिन भारत को तीसरा गोल्ड जीता। घुड़सवारी टीम ने मंगलवार को पहला गोल्ड जीता। इस इवेंट में 41 साल बाद देश के लिए गोल्ड दिया गया है।

स्वर्णिम अभियान : इबाद अली ने ब्रॉन्ज जीता, भारत को अब तक 3 गोल्ड समेत 14 मेडल

भारत ने घुड़सवारी में जीता गोल्ड मेडल, 1982 के बाद पहला

एजेंसी

हांगझोउ। 19वें एशियन गेम्स में तीसरे दिन हांगझोउ में भारत को तीसरा मेडल मिला। घुड़सवारी टीम ने मंगलवार का पहला गोल्ड मेडल दिलाया है। सुदिप्ती हजेला, दिव्यकृति सिंह, हृदय छेड़ा और अनुष अगरवल्ला की जोड़ी ने इस इवेंट में 41 साल बाद देश के लिए गोल्ड जीता। वहीं, भारत के इबाद अली ने मेंस सेलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनसे पहले नेहा ठाकुर ने 28 पॉइंट के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह भारत का दिन का दूसरा मेडल रहा। इसके साथ ही भारत के एशियन

गेम्स में अब 14 मेडल हो गए हैं, जिनमें तीन गोल्ड शामिल हैं। वहीं स्विमिंग में मेंस की 4 गुणा 100 मीटर मेडले रिले टीम नेशनल रिकॉर्ड के साथ फाइनल में पहुंच गई है। अंकिता रैना टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। इससे पहले मंगलवार को भारत ने

तीसरे दिन विभिन्न खेलों में प्रदर्शन

घुड़सवारी में 41 साल बाद गोल्ड मेडल : घुड़सवारी के टीम ड्रेसेज इवेंट में भारत ने ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। सुदिप्ती हजेला, दिव्यकृति सिंह, हृदय छेड़ा और अनुष अगरवल्ला की जोड़ी ने देश को 41 साल बाद घुड़सवारी में गोल्ड मेडल दिलाया। इससे पहले 1982 में घुड़सवारी का गोल्ड मिला था।

सेलिंग- एक ब्रॉन्ज और एक सिल्वर : इबाद अली ने मेंस सेलिंग में ब्रॉन्ज और नेहा ठाकुर ने विमेंस सेलिंग में सिल्वर मेडल जीता।

हॉकी- भारत ने सिंगापुर को मेडल की होड़ से किया बाहर तीसरे दिन भारत ने एशियन गेम्स में हॉकी में सिंगापुर को 16-1 से हराकर अच्छी शुरूआत की। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह ने 4 और मंदीप सिंह ने 3 गोल किए। वहीं, वरुण कुमार, अभिषेक ने 2-2 गोल किए।

जूडो- तूलिका मान ब्रॉन्ज मेडल से चूकी : जूडो में तूलिका मान 75 किलो वेट कैटेगिरी में ब्रॉन्ज मेडल से चूक गईं। वहीं अवतार सिंह भी पुरुषों के 100 किग्रा क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला वअए के दजफर कोस्तोव से होगा।

फेंसिंग-भवानी देवी का एशियन गेम्स का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त : फेंसिंग में भवानी देवी के एशियन गेम्स में मेडल जीतने की उम्मीद मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गई। भवानी को सेबर इवेंट के क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी से 7-15 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भवानी 6 मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने अपने अभियान की शुरूआत सिंगापुर की जूलियत जी मिन हेंग को 5-2 से हरा कर की थी। उसके बाद उन्होंने सऊदी अरब की अलहस्ना अलहम्मद को 5-1 से हराया। कजाकिस्तान की करीना दोस्पायोक को 5-3 से मात दी। वहीं पूल मैचों में उज्बेकिस्तान की जैनब डेइबेकोवा और बांग्लादेश की रोकसाना खातून को हराया था।

हॉकी में सिंगापुर को 16-1 से हराया। इसके अलावा जूडो में दो खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। बतातें चलें कि सोमवार को महिला विमेंस क्रिकेट टीम और शूटिंग में 10 मीटर टीम एयर राइफल में पुरुष टीम ने गोल्ड जीता था।

बोकारो विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ की बाबूलाल मरांडी की सभा की तैयारियों की समीक्षा बैठक

2024 में केंद्र व राज्य में बनेगी भाजपा की ही सरकार : बिरंची

28-29 सितंबर को बाबूलाल मरांडी की होगी बोकारो विधानसभा में संकल्प यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक करते विधायव व अन्य।

बोकारो। बोकारो विधानसभा क्षेत्र में 28-29 सितंबर को आयोजित होने वाली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा की तैयारियों व उसकी सफलता को लेकर मंगलवार को विधायक बिरंची नारायण के आवासीय कार्यालय में समीक्षा बैठक की गई। इसमें बोकारो विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले प्रदेश कार्य समिति सदस्यों, जिला पदाधिकारी, मोर्चा के जिलाअध्यक्ष व पदाधिकारी, बोकारो विधानसभा के नौ मंडल अध्यक्ष व महामंत्री, मुखिया, पूर्व मुखिया और निवर्तमान पार्षद आदि शामिल हुए। अपने संबोधन में विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा निर्णायक सिद्ध होगी। अभी तक के संकल्प यात्रा में अभूतपूर्व जन समर्थन मिला है। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसके उत्थान और देश की सेवा कार्य की सोच रखकर भाजपा लगभग 18 करोड़ सदस्यों के साथ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा प्रतिदिन दो विधानसभा में हो रही है। अब तक सभी सभाओं में जनता की ऐतिहासिक उपस्थित हुई है। जो यह दर्शाता है कि समाज भाजपा के साथ है। 28 सितंबर को बाबूलाल मरांडी जी का बोकारो विधानसभा के भवानीपुर साइड में कार्यकर्ताओं की ओर से भव्य स्वागत किया जायेगा। भवानीपुर साइड से रोड शो कर महावीर चौक तक लाया जाएगा। वहां से खुली जीप पर बैठकर बाबूलाल मरांडी चास मेन रोड होते हुए चेक पोस्ट स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। 29 सितंबर को 11 बजे सेक्टर 12 बी स्थित मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में निश्चित रूप से ऐतिहासिक उपस्थिति रहेगी। बताया गया कि पूरे बोकारो विधानसभा क्षेत्र में बाबूलाल मरांडी जी के स्वागत के लिए कई तोरण द्वार बनाए जाएंगे, कई जगहों पर उनका स्वागत किया जाएगा। सैकड़ो बाइक से कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे और बाइक जुलूस के साथ-साथ प्रदेश अध्यक्ष जी को सेक्टर 12 बी कार्यक्रम स्थल तक लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी की जनसभा स्पष्ट बता रही है कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी। वहीं, जिला अध्यक्ष भरत यादव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष की संकल्प यात्रा को लेकर आम जनमानस और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। बोकारो विधानसभा के कार्यकर्ता संगठन द्वारा निर्देशित सभी कार्यों को ऐतिहासिक सफल करते हैं। संकल्प यात्रा को लेकर संगठन और समाज में एक नया उत्साह और उमंग का संचार हुआ है। इस संकल्प यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समाज के साथ और प्रत्येक विधानसभा के कार्यकताओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन बोकारो जिला महामंत्री संजय त्यागी ने की। इस मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य मुकुल ओझा, रोहितलाल सिंह, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय,लीला देवी,अशोक कुमार पप्पू, इंद्र कुमार झा, महेंद्रराय, केके बोराल, त्रिलोकी सिंह, सुनील गोस्वामी, श्याम मंडल, सुजीत चक्रवर्ती, मुकेश राय, पन्नालाल कांदू, टिंकू तापड़िया, मनोज सिंह, बैधनाथ प्रसाद, अनिल सिंह, हरीश सिंह, ब्रज दूबे, जितेंद्र गोस्वामी, मंतोष ठाकुर, राजीव मालाकार, गोलू उपाध्याय, डॉक्टर अशोक, प्रकाश प्रामाणिक, रंजीत वर्णवाल, मोहन गोराई, अशोक महतो, गौतम शर्मा, हरिपद गोप, विपिन ठाकुर, प्रकाश चटर्जी और सुबोध मंडल आदि मौजूद थे।

Annexure 1
MINOR IRRIGATION DIVISION, GUMLA

e-Procurement Tender Notice
Very Short Tender

Tender Reference No. WRD/MID/GUMLA-F2-16 / 2023-24 **Date :- 21.09.2023**

1.	Name of the work	Estimated Cost (Rs.)	Cost of Tender Paper.	Time of Completion
2.	Rapair of ST Jalan Boys Hostel (Part-1 or B) Under Block- Sisai, District – Gumla	2499100.00	5000.00	06 Month
2.	Time of Completion	6 Month		
3.	Date of Publication of Tender on website	03.10.2023 (2:00 PM)		
4.	Last date/Time for Submission of Bids online	10.10.2023 (up to 5:00 PM)		
5.	Last date for receipt of Bids Fee, Security and Other Documents.	**11.10.2023 (up to 3:00 PM)**		
6.	Date of opening of e-tender	12.10.2023 (2:00 PM)		
7.	Name & Address of Office Inviting Tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division-Gumla. Karamtoli Road, Gumla.		
8.(a) (b)	Contact No. of Procurement officer E-mail of e-Procurement Officer	9939909313 eemidgum@gmail.com		
9.	Helpline Number of e-Procurement Cell	0651-2491232		

Note :- Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,Gumla.

PR 307683 Minor Irrigation(23-24)#D

महत्वपूर्ण न्यूज

मजदूर नेता राजू यादव की मनायी गयी 32वीं पुण्यतिथि

धनबाद (आजाद सिपाही)। कोयलांचल के मजदूर नेता शहीद राजू यादव की 32 वीं पुण्यतिथि के मौके पर मंगलवार को शहर के पूजा टॉकीज मोड़ पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। मोड़ पर स्थित राजू यादव की आदमकद प्रतिमा पर विभिन्न राजनीतिक पार्टी के नेताओं व समाजसेवियों से फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने स्व राजू यादव के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चल कर ही धनबाद कोयलांचल से माफिया ताकतों को खदेड़ा जा सकता है। इस मौके पर स्व राजू यादव की पत्नी सह पूर्व मंत्री आबो देवी, उनके पुत्र अवधेश यादव, भाजपा नेता योगेंद्र यादव, पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, भाजपा महामंत्री श्रवण राय, प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, रेखा मंडल, बेंगू ठाकुर, यादव महासभा के जिला अध्यक्ष आरएन सिंह यादव समाजसेवी, वसंत यादव, शंकर यादव, मिथिलेश यादव, गोपाल यादव, खेदन महतो और राम अवतार गोप आदि थे।

पेयजलापूर्ति की समस्या और उसके समाधान को लेकर योगेंद्र प्रसाद से मिले पंचायत प्रतिनिधि

गोमिया/कसमार (आजाद सिपाही)। गोमिया प्रखंड के ग्राम पंचायत पलिहारी गुरूडीह के कई पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजनों ने मंगलवार को झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य योगेंद्र प्रसाद महतो से उनके पेटरवार स्थित कार्यालय पर जाकर मुलाकात की। इस दौरान पंचायत क्षेत्र में पेयजल की विकराल समस्या से अवगत कराते हुए समाधान कराने की मांग की। इनलोगों ने कहा कि बोकारो नदी के इंटेक वेल में लगे दोनों मोटर खराब हो जाने से पिछले एक महीने से पंचायत को पानी नसीब नहीं हो रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों ने पूर्व विधायक से कोनार नदी से उक्त पंचायत में जलापूर्ति की व्यवस्था कराने का आग्रह किया। कहा कि पूर्व में आपके द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संबंधित पत्र लिखा गया है। जिससे हम सभी को उम्मीद है कि बहुत जल्द पलिहारी गुरुडीह पंचायत में पानी की किल्लत दूर होगी। इसी तरह बोकारो नदी स्थित इंटेक वेल में लगे दोनों मोटर के रह-रह कर खराब हो जाने से ग्रामीणों को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए दो नए मोटर लगवाने की भी मांग की है। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुशीला देवी, उप मुखिया कविता कुमारी, वार्ड सदस्य यासमीन परवीन, पूनम देवी, प्रकाश गंजू, पूनम कुमारी गोमिया प्रखंड उपाध्यक्ष अमित पासवान, समाजसेवी राजू शाह, चंदन पासवान, मंजूर इलाही, नौसे राजा, राजेश पासवान, संजय ठाकुर व सुखदेव पासवान आदि उपस्थित थे।

डीवीसी के पेंशन सिस्टम को सीपीपीसी को हस्तांतरण करने के विरोध में कोलकाता मुख्यालय पर प्रदर्शन

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। डीवीसी के पेंशन सिस्टम को सीपीपीसी को हस्तांतरण करने के विरोध में मंगलवार को दामोदर घाटी निगम के सभी परियोजनाओं से पेंशनर्स एवं कर्मचारियों ने एकत्र होकर प्रदर्शन किया एवं मानव बंधन बनाकर कोलकाता स्थित डीवीसी मुख्यालय का घेराव किया। इसके साथ ही शपथ लिया कि डीवीसी को किसी भी हालत में निजीकरण नहीं करने देंगे एवं डीवीसी की मौजूदा पेंशन प्रणाली को बरकरार रखना होगा व नयी पेंशन योजना (एनपीएस) को रद्द कर सभी के लिए पुरानी पेंशन (ओपीएस) योजना लागू करना होगा। प्रदर्शनकारियों ने शपथ लिया कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। इस मौके पर डीवीसी पेंशनर्स फेडरेशन, डीवीसी श्रमिक यूनियन, डीवीसी कर्मचारी संघ, डीवीसी स्टाफ एसोसिएशन एवं हिंद मजदूर किसान यूनियन के नेता एवं सदस्यों ने भाग लिया।

पोषण माह, स्वच्छता ही सेवा, मेरी माटी मेरा देश आदि अभियानों पर चित्र प्रदर्शनी आज से शुरू

गिरिडीह डीसी करेंगें प्रदर्शनी का उद्घाटन
गिरिडीह के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में केंद्रीय संचार ब्यूरो धनबाद की ओर से प्री पब्लिसिटी में रंगोली, चित्रांकन एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो की क्षेत्रीय धनबाद इकाई की ओर से अमृत महोत्सव अंतर्गत पोषण माह, स्वच्छता ही सेवा, मेरी माटी मेरा देश अभियान पर जिला प्रशासन के सहयोग से बुधवार से तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन गिरिडीह कॉलेज में किया जायेगा। गिरिडीह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदर्शनी का कॉलेज परिसर में उद्घाटन करेंगे। प्रदर्शनी स्थल पर गिरिडीह जिला प्रशासन के समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं जन सम्पर्क विभाग की ओर से पोषण, स्वच्छता अभियान आदि पर स्टॉल भी लगाया जाएगा। इस प्रदर्शनी के बारे में जागरूकता के लिए मंगलवार को केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से प्री-पब्लिसिटी अभियान चलाया गया, जिसमें गिरिडीह कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के बीच रंगोली, पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्राचार्या सीमा अग्रवाल ने कहा कि पोषण माह, मेरी माटी मेरा देश अभियान देश के स्वास्थ्य को बढ़ाएगा, वहीं अपनी माटी से जुड़ने के लिए प्रेरित भी करेगा। मैं सभी विद्यार्थियों से आग्रह करूंगी कि वह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें और इस अभियान से प्रेरणा लें। वहीं, धनबाद केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पांडेय ने 27 को लगने वाली प्रदर्शनी की विषय वस्तु से सभी का परिचय कराया। आज की प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं समन्वय में सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी राजकिशोर पासवान के साथ विद्यालय के शिक्षिकाओं निक्की मिश्रा, शाकीरा बानो, वंदना सिन्हा, आदि ने अहम भूमिका निभाई। आयोजित प्रतियोगिताओं में पेंटिंग की विजेता नौवीं कक्षा की नैना प्रवीण प्रथम आईं, वहीं रंगोली प्रतियोगिता बारहवीं कक्षा की शमा प्रवीण ने प्रथम स्थान पाया। निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 12 की मीनाक्षी सिंह ने प्रथम स्थान पाया। सभी विजेताओं को बुधवार को आयोजित फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। विभाग से जुड़े कला निकेतन के कलाकारों द्वारा गीत एवं नाटक का भी मंचन किया जाएगा।

डीवीसी की मनमानी के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे पेंशनर

डीवीसी की मनमानी नहीं चलने देंगे: अरूप चटर्जी

आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। डीवीसी मैथन प्रबंधन के मनमानी रवैए से परेशान होकर पेंसनर रिटायर्ड कर्मी एवं स्थानीय दुकानदार पूर्व विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में मंगलवार को डीवीसी प्रशासनिक भवन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। धरनार्थियों ने कहा कि जब तक डीवीसी प्रबंधन उनकी मांगे पूरी तरह से मान नहीं लती तब तक धरना जारी रहेगा। आजाद सिपाही से आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि डीवीसी की ओर से जो सर्कुलर निकाल गया है उससे लगता है कि डीवीसी पूरी तरह से मनमानी कर रहा है। लोगों को बिजली और पानी मुहैया करने का काम नहीं करती है। आस पास के गांवों की बिजली काट दी गई है। 250 पेंशनरों या रिटायर्ड कर्मी के घर के भाड़े में 25 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी गई है, जिसे एक साल के लिए घर चाहिए। कम से कम दो लाख डिपॉजिट के तौर पर मांगा जा रहा है। इसके लिए उन लोगों को जबरदस्ती फोर्स किया जा रहा है। स्थानीय दुकानदारों पर खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार एवं डीवीसी प्रबंधन पर निजीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर डीवीसी को उसके इरादों पर कामयाब नहीं होने देंगे।

कार्यालय :- जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा
प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना हेतु आवेदन आमंत्रण

एतद् द्वारा निदेशानुसार कोडरमा जिले के मत्स्य कृषकों एवं मत्स्य पालन को रोजगार के रूप में अपनाने हेतु सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारत सरकार के मात्स्यिकी, पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग के द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

उक्त योजना का मुख्य लक्ष्य मछली उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि, तकनीकी, आधारभूत संरचना तथा मात्स्यिकी प्रबंधन द्वारा आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाना है। इस योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम लाभुक जनित है तथा इसमें केन्द्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त की राशि लाभुक अंशदान के रूप में लाभुक द्वारा स्वयं वहन किया जाना है। लाभुक जनित योजनाएँ निम्नांकित है–

कं0सं0	योजना का नाम	ईकाई	ईकाई लागत (लाख में)	सरकार का अनुदानित राशि		अभ्युक्ति
				सामान्य जाति	अनु0जाति / अनु0 जनजाति / महिला	
1	2	3	4	5	6	7
1	कार्प हैचरी अधिष्ठापन कार्य	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
2	स्कैम्पी हैचरी अधिष्ठापन कार्य	(सं0 में)	50.00	20.00	30.00	
3	नये रियरिंग तालाब का निर्माण (नर्सरी / बीज रियरिंग तालाब)	(हे0 में)	7.00	2.80	4.20	
4	नये ग्रो आउट तालाब निर्माण	(हे0 में)	7.00	2.80	4.20	
5	मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस एवं तिलापिया पालन आदि के लिए इनपुट (उपरोक्त अंकित नये ग्रो–आउट तालाबों के निर्माण में)	(हे0 में)	4.00	1.60	2.40	
6	बायोफ्लोक तालाब का निर्माण (4 लाख प्रति हे0 इनपुट सहित)	0.1 हे0	14.00	5.60	8.40	
7	जलाशयों में अंगुलिकाओं का संचयन @1000 अंगुलिकाएँ प्रति हे0 (3.00 लाख रू0 प्रति एक लाख अंगुलिकओं हेतु)	(हे0 में)	Rs.@03/ Fingerling	Rs.@1.20/ Fingerling	Rs.@1.80/ Fingerling	
8	बैकयार्ड सजावटी / रंगीन / अलंकारी मछलियों की रियरिंग ईकाई	(सं0 में)	3.00	1.20	1.80	
9	मध्यम आकार के सजावटी / रंगीन / अलंकारी मछलियों की रियरिंग ईकाई	(सं0 में)	8.00	3.20	4.80	
10	समेकित सजावटी / रंगीन / अलंकारी मछली इकाई (ब्रिडिंग एवं रियरिंग हेतु)	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
11	मीठे जल हेतु सजावटी / रंगीन / अलंकारी मछलियों के ब्रुड बैंक की स्थापना	(सं0 में)	100.00	40.00	60.00	
12	मात्स्यिकी संबंधी मनोरंजक गतिविधियों को प्रोत्साहन (Promosion of Recreational Fisheries)	(सं0 में)	50.00	20.00	30.00	
13	बड़े आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 90 घनमीटर प्रति क्षमता वाले 08 टैंक एवं 40 टन / कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)	(सं0 में)	50.00	20.00	30.00	
14	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उँचाई के 50 टैंक वाले बड़े बायोफ्लॉक की स्थापना	(सं0 में)	50.00	20.00	30.00	
15	मध्यम आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 30 घनमीटर प्रति क्षमता वाले 06 टैंक एवं 10 टन / कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
16	04 मी0 व्यास एवं 1 मी0 उँचाई के 25 टैंक वाले मध्यम बायोफ्लॉक की स्थापना	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
17	छोटे आकार के आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (100 घनमीटर क्षमता का 01 टैंक)	(सं0 में)	7.50	3.00	4.50	
18	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उँचाई के 07 टैंक वाले छोटे बायोफ्लॉक की स्थापना	(सं0 में)	7.50	3.00	4.50	
19	बैकयार्ड मिनी आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना	(सं0 में)	0.50	0.20	0.30	
20	जलाशयों में केज की स्थापना	(सं0 में)	3.00	1.20	1.80	
21	आर0एफ0एफ / पेन कल्चर द्वारा मत्स्य पालन	(हे0 में)	3.00	1.20	1.80	
22	कम से कम 10 टन क्षमता वाले शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) / आईस प्लांट निर्माण	(सं0 में)	40.00	16.00	24.00	
23	कम से कम 20 टन क्षमता वाले शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) / आईस प्लांट निर्माण	(सं0 में)	80.00	32.00	48.00	
24	कम से कम 30 टन क्षमता वाले शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) / आईस प्लांट निर्माण	(सं0 में)	120.00	48.00	72.00	
25	कम से कम 50 टन क्षमता वाले शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) / आईस प्लांट निर्माण	(सं0 में)	150.00	60.00	90.00	
26	शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज) / आईस प्लांट का आधुनिकीकरण	(सं0 में)	50.00	20.00	30.00	
27	रेफ्रिजेरेटेड वाहन	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
28	इनसुलेटेड वाहन	(सं0 में)	20.00	8.00	12.00	
29	आईस बॉक्स के साथ मोटरसाईकिल	(सं0 में)	0.75	0.30	0.45	
30	आईस बॉक्स के साथ साईकिल	(सं0 में)	0.10	0.04	0.06	
31	मछली बिक्री के लिए आईस बॉक्स के साथ तीन पहिया वाहन (ई–रिक्शा भी)	(सं0 में)	3.00	1.20	1.80	
32	जिंदा मछली बिकी केन्द्र	(सं0 में)	20.00	8.00	12.00	
33	लघु फीश फिड मिल (प्रतिदिन 02 टन उत्पादन क्षमता)	(सं0 में)	30.00	12.00	18.00	
34	मध्यम फीश फिड मिल (प्रतिदिन 08 टन उत्पादन क्षमता)	(सं0 में)	100.00	40.00	60.00	
35	वृहत फीश फिड मिल (प्रतिदिन 20 टन उत्पादन क्षमता)	(सं0 में)	200.00	80.00	120.00	
36	फीश फिड प्लांट (प्रतिदिन कम से कम 100 टन उत्पादन क्षमता)	(सं0 में)	650.00	260.00	390.00	
37	खुदरा मछली बाजार का निर्माण (सजावटी / रंगीन / अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम बाजार सहित)	(सं0 में)	100.00	40.00	60.00	
38	फिश किओस्क (सजावटी / रंगीन / अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम सहित)	(सं0 में)	10.00	4.00	6.00	
39	मछली के मूल्य संवर्धित उत्पाद इकाई (फिश वैल्यू एडेड इन्टरप्राईजेज)	(सं0 में)	50.00	20.00	30.00	
40	मछली एवं मछली उत्पादों की ई–ट्रेडिंग एवं ई–बाजार हेतु ई–प्लेटफॉर्म	DPR (Detailed Project Report/ SCP (Self Contained Proposal) पर आधारित				
41	Establishment of Disease diagnostic and quality testing labs (मछलियों की बीमारी की पहचान एवं गुणवत्ता की जाँच हेतु प्रयोगशाला की स्थापना)	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
42	Establishment of Disease diagnostic and quality testing Mobile labs/ Clinics (मछलियों की बीमारी की पहचान एवं गुणवत्ता की जाँच हेतु चलंत प्रयोगशाला / क्लीनिक की स्थापना)	(सं0 में)	35.00	14.00	21.00	
43	Traditional Fisherman के लिए नाव (replacement) एवं जाल	(सं0 में)	5.00	2.00	3.00	
44	प्रसार एवं सहयोग सेवाएँ (मत्स्य सेवा केन्द्र)	(सं0 में)	25.00	10.00	15.00	
45	Bivalve cultivation (pearl culture) (भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किए जाने पर)	(सं0 में)	0.20	0.08	0.12	
46	आर्थिक रूप से कमजोर पारम्परिक मछुआरों हेतु मछली शिकारमाही पर प्रतिबंध के समय आर्थिक सहयोग	(सं0 में)	केन्द्रांश – 1500 रू0 + राज्यांश– 1500 रू0 + लाभुक अंशदान– 1500 रू0 = 4500 रू0 प्रति वर्ष			
47	मछुआरों का बीमा	(सं0 में)	बीमित द्वारा कोई प्रीमियम देय नहीं			

आवेदन के साथ जमा करने हेतु अनुलग्नक :–
1. मत्स्य प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र की छायाप्रति।
2. बैंक पासबुक की छायाप्रति।
3. आधार कार्ड / वोटर आई डी कार्ड की छायाप्रति।
4. दो पासपोर्ट साईज फोटो।
5. लाभुक द्वारा स्वयं तैयार करवाया गया योजना का प्रस्ताव / DPR (Detailed Project Report) अलग से संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. जमीन से संबंधित सभी कागजात, जमीन का फोटोग्राफ, वंशावली, जमीन पर विवाद नहीं होने से संबंधित एवं लाभुक अंशदान लगाने से संबंधित शपथ पत्र तथा संबंधित जमीन निजी होने का भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र अंचलाधिकारी से प्राप्त होना चाहिए।
7. अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8. सभी वांछित कागजातों के साथ पूर्ण आवेदन ही चयन की प्रक्रिया में शामिल किए जायेंगे।

नोट :– आवेदन पत्र जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा में निःशुल्क उपलब्ध है।
कार्यालय से आवेदन प्राप्ति एवं जमा की अंतिम तिथि :– 14.10.2023

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
कोडरमा।

PR.NO.307712 Fish(23-24):D

न्यूज रील्स

श्रीलंका बोला, चीनी जहाज को रुकने की इजाजत नहीं

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। श्रीलंका ने चीन के जहाजों को अपने देश में रुकने की इजाजत नहीं दी है। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इसकी पुष्टि की। साबरी ने कहा कि भारत की चिंता हमारे लिए बेहद अहम है। हमने इसके लिए अब एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाया है और इसे बनाते वक्त भारत सहित दूसरे दोस्तों से सलाह भी ली थी। हमने अक्टूबर में चीनी जहाज को श्रीलंका आने की इजाजत नहीं दी है। सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता सही है। हम अपने क्षेत्र को शांति का जोन बनाना चाहते हैं।

चीन पर भड़के केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

शिमला (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को शिमला में कहा कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश की तीन खिलाड़ियों को वीजा न देकर भेदभाव किया है। भारत के किसी भी कोने के खिलाड़ी को ओलिंपिक चार्टर के अनुसार वीजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। चीन की यह हरकत भारत को मंजूर नहीं है। दरअसल, चीन ने अरुणाचल प्रदेश की महिला वुशु खिलाड़ी वीजा नहीं दिया था।

एम्स भुवनेश्वर ने रोमांचक विकास के साथ 11वां वार्षिक दिवस मनाया

एम्स तीन नये विभाग शुरू करेगा स्थायी शैक्षणिक समिति की मंजूरी मिली

- इन विभागों में संक्रामक रोग विभाग, जैव सूचना विज्ञान विभाग और जैव सांख्यिकी विभाग शामिल हैं।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एम्स भुवनेश्वर ने अपना 11वां वार्षिक दिवस बड़े उत्साह और उल्लेखनीय घोषणाओं की एक श्रृंखला के साथ मनाया। पिछला वर्ष स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान में महत्वपूर्ण उपलब्धियों और योगदान से चिह्नित किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए एम्स भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक और प्रसिद्ध संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ आशुतोष विश्वास ने रोगी कल्याण को बढ़ाने के लिए समर्पित तीन नये विभागों की स्थापना की घोषणा की। इन विभागों में संक्रामक रोग विभाग, जैव सूचना विज्ञान विभाग और जैव सांख्यिकी विभाग शामिल हैं। डॉ बिस्वास ने कहा, स्थायी अकादमिक समिति ने इन महत्वपूर्ण परिवर्धनों के लिए अपनी मंजूरी दे दी है, जिनसे रोगी देखभाल और कई अन्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तार पर बोलते हुए, डॉ विश्वास ने चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए चल रही प्रतिबद्धता के बारे में बताया, एम्स भुवनेश्वर ने कई नये शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किये हैं। इनमें छह साल का एमसीएच बाल चिकित्सा सर्जरी पाठ्यक्रम, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल में एक डीएम पाठ्यक्रम, और बाल चिकित्सा संक्रामक रोगों और डीएम नेफ्रोलॉजी में विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। डॉ आशुतोष विश्वास ने स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान में इन विकासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये नये विभाग और शैक्षणिक कार्यक्रम रोगी देखभाल की बेहतरी और चिकित्सा ज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। बहनागा ट्रेन त्रासदी में शारीरिक प्रबंधन के लिए स्वीकार करते हुए, एम्स भुवनेश्वर, बहनागा ट्रेन त्रासदी के दयालु और कुशल प्रबंधन में शामिल सभी व्यक्तियों की हार्दिक सराहना करता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने एम्स भुवनेश्वर को उसकी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बधाई दी और अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए संस्थान के समर्पण की सराहना की। इस कार्यक्रम में आकर्षक कार्यक्रमों और समारोहों की एक श्रृंखला देखी गयी। समारोह के दौरान कई आयोजनों में सफल प्रतिभागियों को सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, 11वें वार्षिक दिवस पर वार्षिक स्मारिका द इनसाइट और कई विभागों के सम्मानित संकाय सदस्यों द्वारा लिखित क्लिनिकल फीचर्स ऑफ मेलियोइडोसिस नामक पुस्तक का उद्घाटन किया गया। एम्स भुवनेश्वर में मेलियोइडोसिस रोगियों के प्रबंधन पर आधारित यह पुस्तक भारतीय संदर्भ में मेलियोइडोसिस मामलों से निपटने के लिए एक मूल्यवान संसाधन होने की उम्मीद है। अन्य लोगों में डीन (शिक्षाविद) डॉ पीआर महापात्रा, डीईएएन (अनुसंधान) डॉ सत्यजीत, डीईएएन (परीक्षा) डॉ सौभाग्य, चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिलीप, रजिस्ट्रार (प्रभारी) डॉ देबप्रिया बंद्योपाध्याय, मंच पर डीडीए (प्रभारी) रस्मी रंजन सेठी भी उपस्थित थे।

आयोजन का संचालन आयोजन समिति संयोजक डॉ श्वेता सिंह और सह-संयोजक डॉ सोमनाथ पाढ़ी ने किया। एम्स भुवनेश्वर को स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा की सेवा में अपनी उल्लेखनीय यात्रा का एक दशक सफलतापूर्वक पूरा करने पर गर्व है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपना वादा पूरा किया

संबलपुर-बनारस एक्सप्रेस को बरगड़, बलांगीर, टिटिलागड़, केसिंगा और रायगड़ा होते हुए विशाखापत्तनम तक विस्तार को मंजूरी मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वादे निभाने के अपने रिकॉर्ड को जारी रखते हुए, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बार फिर ओड़िशा के पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में रेल सेवाओं को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। बलांगीर, बरगड, कलाहांडी, रायगडा और अन्य क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गयी है। इस प्रयास का उद्देश्य दक्षिण और पश्चिम ओड़िशा के लोगों को बनारस से जोड़ना है। सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक दक्षिण ओडिशा के लोगों के लिए बनारस तक ट्रेन सेवाएं प्रदान करना है। अश्विनी वैष्णव की जन-आशीर्वाद यात्रा सहित इन क्षेत्रों की यात्रा के दौरान इस संबंध की मांग को उठाया गया और उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी जरूरतों को पूरा किया जायेगा। इस काशी संबंध के महत्व को कम करके नहीं बताया जा सकता है, क्योंकि यह निवासियों को इलाहाबाद और वाराणसी में अनुष्ठान करने जैसी महत्वपूर्ण यात्राएं करने में मदद मिलेगी।

संबलपुर-विशाखापत्तनम तक विस्तार

इस रेल लिंक में कई उद्देश्यों को पूरा करते हुए पश्चिमी और दक्षिणी ओडिशा में लोगों की जीवन रेखा बनने की क्षमता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, यह गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल और शैक्षिक सेवाओं तक आसान पहुंच की मांग को पूरा करता है, क्योंकि इन क्षेत्रों के कई निवासी अक्सर विशाखापत्तनम की यात्रा करते हैं। यह कदम नए व्यवसाय और व्यापार साझेदारियों को बढ़ावा देने का वादा करता है, जिससे आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव

संबलपुर और विशाखापत्तनम के बीच विस्तारित ट्रेन सेवा कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करती है। यह दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ते हुए अनेक अवसरों के द्वार खोलता है। 18312/11 वाराणसी-संबलपुर-वाराणसी द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस के विस्तार को रेल मंत्रालय द्वारा मंजूरी दे दी गयी है। इस विस्तार से ओड़िशा के दक्षिणी और पश्चिमी जिलों, विशेषकर केबीसी क्षेत्र को भी लाभ होगा, जबकि उत्तरी आंध्र क्षेत्र भी इस पहल के माध्यम से जुड़ जायेगा, जिसे काशी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, हटिया, रांची, राउरकेला, झारसुगुड़ा और संबलपुर जिलों में रेल संपर्क बनाकर पश्चिमी जिलों की आर्थिक गतिविधि और पारगमन कनेक्टिविटी को बढ़ाने का प्रयास किया गया है। आखिरकार पश्चिम और दक्षिण ओड़िशा जिलों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को हल करने के लिए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की निरंतर प्रतिबद्धता रंग लाई है। बेहतर रेल कनेक्टिविटी न केवल इन क्षेत्रों के निवासियों के लिए बल्कि उन क्षेत्रों के आर्थिक परिदृश्य के लिए भी एक उज्जवल भविष्य का वादा करती है जो इसे छूते हैं। प्रगति के पहिये वास्तव में घूम रहे हैं, अवसर और विकास के एक नये युग की शुरूआत हो रही है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

कैपिटल हॉस्पिटल में नवजात बच्चे की अदला-बदली का आरोप, डीएनए टेस्ट की मांग

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। भुवनेश्वर कैपिटल हॉस्पिटल में नवजात बच्चे की अदला-बदली का आरोप लगा है। लड़का हुआ कहकर लड़की थमा दिये। भूवनेश्वर के प्राणकृष्ण बिस्वाल ने ऐसा गंभीर आरोप लगाया है। गौरतलब है कि प्राणकृष्ण की शिकायत के मुताबिक भुवनेश्वर के रहने वाले प्राणकृष्ण बिस्वाल की पत्नी को प्रसव पीड़ा के बाद कैपिटल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। सोमवार रात 10:30 बजे डिलीवरी के बाद नर्स ने बताया कि उसका लड़का हुआ है। फोटो खींचते समय उसने देखा कि वह एक लड़की है। परिणामस्वरूप, प्राणकृष्ण ने डीएनए परीक्षण की मांग की। जबतक रिपोर्ट नहीं आती तब तक मां और बच्चे को अस्पताल से नहीं लेंगे इस संबंध में उन्होंने कैपिटल हॉस्पिटल के निदेशक से शिकायत की है। निदेशक ने शिकायत स्वीकार कर जांच के आदेश दिये। अधीक्षक के नेतृत्व में एक टीम जांच करेगी। ऐसा नहीं होना चाहिए, कहां गलती है इसकी जांच कराई जायेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद थाने में शिकायत दर्ज करायी जायेगी। जरूरत पड़ने पर डीएनए टेस्ट कराया जायेगा। कैपिटल हॉस्पिटल के निदेशक ने इसकी जानकारी दी।

एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय में हिंदी डिजिटल उपकरणों के उपयोग पर कार्यशाला

रांची (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय, रांची में हिंदी पखवाड़ा समारोह अंतर्गत मंगलवार को हिंदी भाषा की दक्षता बढ़ाने के लिए राजभाषा अनुभाग द्वारा हिंदी डिजिटल टोल के उपयोग पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी। राजभाषा नीति के हिस्से के रूप में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारी रोजमर्रा के आधिकारिक कामकाज में हिंदी का उपयोग करते हैं, लेकिन अक्सर कई सीमाओं जैसे हिंदी टाइपिंग, हिंदी का कामकाजी ज्ञान, विशेष रूप से वाक्य निर्माण और व्याकरण संबंधी त्रुटियों के कारण इसे प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो जाता है। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए, हिंदी डिजिटल टूल के उपयोग पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी जिसे एल एन प्रधान, उप महाप्रबंधक (सूचना और प्रौद्योगिकी) द्वारा प्रस्तुत किया गया। सत्र के दौरान, ऑनलाइन मोड पर उपलब्ध कई हिंदी उपकरण जैसे हिंदी टाइपिंग, हिंदी डिक्टेशन, हिंदी अनुवाद, हिंदी शब्दकोश का उपयोग आदि को रोजमर्रा के काम में व्यावहारिक उपयोग के लिए प्रस्तुत किया गया। ज्ञान साझा करने वाला सत्र पाया और हिंदी डिजिटल टूल के उपयोग से हिंदी में काम करना आसान होगा।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया

- आईएमएस और सम अस्पताल में मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और सम हॉस्पिटल में सोमवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की भूमिका पर जोर दिया गया। ओड़िशा फामेर्सी काउंसिल की रजिस्ट्रार सुनीता राणी पात्र ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और सभी को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की बधाई दी। चुंकि देश में उत्पादित 50 प्रतिशत दवाएं भारत को निर्यात की जाती हैं, इसलिए भारत को दुनिया का दवा भंडार कहा जाता है। पात्र ने कहा, भारतीय दवा उद्योग पूरी दुनिया में जाना जाता है और भारतीय दवाएं सस्ती और प्रभावी हैं। इस कार्यक्रम में अस्पताल में कार्यरत कई फार्मासिस्टों ने भाग लिया शिक्षा और अनुसंधान (सोआ) की उपाध्यक्ष और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शास्वती दास ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और दुनिया भर में कोविड महामारी की करालछाया में रोगी देखभाल में उनका काम सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व फार्मासिस्ट दिवस का उत्सव निश्चित रूप से सफल होगा और फार्मासिस्टों का मनोबल बढ़ाने में मदद करेगा। दास ने महामारी की लड़ाई के खिलाफ उनके अथक कार्य के लिए उनकी सराहना की। 25 सितंबर को इंटरनेशनल फार्मास्युटिकल फेडरेशन की स्थापना के बाद से इसे विश्व फार्मासिस्ट दिवस के रूप में मनाया जाता है। आईएमएस एवं सम हॉस्पिटल के डीन प्रो (डॉ) संघमित्रा मिश्र ने फामेर्सी को 24 घंटे की आपातकालीन सेवा बताते हुए कहा कि जटिल उपचार के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो (डॉ) पुष्पराज सामंतसिंहार ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में फार्मासिस्टों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं।

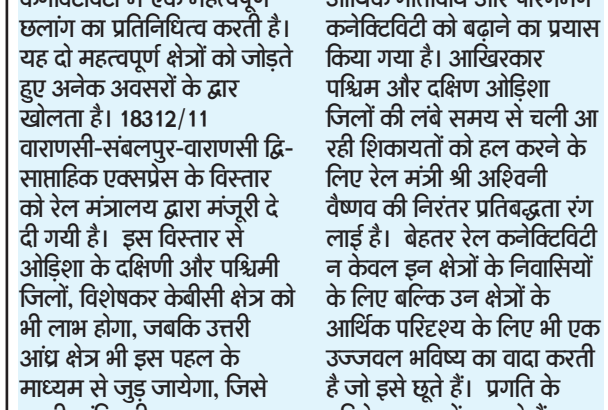

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**